शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 187 | गुवाहाटी | सोमवार, 30 जनवरी, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

एनजीटी असम पर नहीं लगाएगी एक हजार करोड़ का जुर्माना पेज 3
पद्म पुरस्कार विजेताओं के प्रेरक जीवन विस्तार से जानें और साझा करें : प्रधानमंत्री पेज 4
दुनिया के कई देशों के यंग लीडर्स से मुख्यमंत्री योगी की हुई मुलाकात पेज 5
सीबीआई जांच की मांग को ले किरोड़ी लाल मीणा बारिश के मौसम में डटे रहे पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

समय का ज्ञान ना रखने वाले राजा का कर्म समय के द्वारा ही नष्ट हो जाता है।

\- आचार्य चाणक्य

ओडिशा के स्वास्थ्य मंत्री की गोली मारने से मौत

भुवनेश्वर। ओडिशा के स्वास्थ्य मंत्री नव किशोर दास नहीं रहे। नव किशोर दास को एएसआई द्वारा गोली मारे जाने के बाद गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने राज्य के स्वास्थ्य मंत्री नव किशोर दास को गोली मारने की घटना की निंदा की है। मुख्यमंत्री पटनायक मंत्री नव किशोर के स्वास्थ्य का जायजा के लिए अपोलो अस्पताल पहुंचे और उनका हालचाल जाना। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने मंत्री के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हुए मामले की जांच क्राइम ब्रांच से कराने का निर्देश दिया है। गौरतलब है कि झारसुगुड़ा जिले के ब्रजराजनगर में गांधी चौक पर बीजद कार्यालय का उद्घाटन करने पहुंचे ओडिशा के स्वास्थ्य मंत्री नव किशोर दास पर रविवार की दोपहर 12 बजकर 10 मिनट पर गांधी चौक पुलिस चौकी के एएसआई गोपाल दास ने गोली चला दी। नजदीक से चलाई गई एक गोली मंत्री के बाएं सीने पर लगी, जिसके कारण वे गंभीर रूप से घायल होकर नीचे गिर पड़े। घटना के वक्त मौके पर मौजूद बीजद कार्यकर्ता मृत्युंजय पंडा ने बताया कि मंत्री जी के पहुंचने पर मैं, दिलीप सोय व हृतेश ठक्कर समेत अन्य कार्यकर्ता उनके पास पहुंचे थे। इस दौरान कुछ कार्यकर्ता मंत्री जी के पांव छूने लगे। इतने में एएसआई वहां पहुंचा और अपनी सर्विस रिवॉल्वर निकालकर उन पर गोली चला दी। एक गोली मंत्री जी के सीने में लगी। कार्यकर्ताओं ने तुरंत आरोपी एएसआई को पकड़ लिया लेकिन वह फिर भी गोली चलाता -शेष पृष्ठ दो पर

एएसआई ने मारी गोली

डॉक्यूमेंट्री के खिलाफ बीबीसी ऑफिस के बाहर भारतीयों का प्रदर्शन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बनी बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री के खिलाफ भारतीय समुदाय ने बीबीसी ऑफिस के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में शामिल एक प्रवासी भारतीय ने कहा कि डॉक्यूमेंट्री में कहा गया है कि भारत में पीएम मोदी के नेतृत्व में मुस्लिम समुदाय के साथ भेदभाव किया जाता है, जो पूरी तरह से गलत है। पीएम मोदी ने मुसलमानों के लिए इतना कुछ किया है, जो किसी अन्य नेता ने नहीं किया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के खिलाफ प्रचार *पूरी तरह झूठ* पर आधारित है और उन्होंने सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं का उदाहरण -शेष पृष्ठ दो पर

बीबीसी डॉक्यूमेंट्री विवाद सुप्रीम कोर्ट में

नई दिल्ली। देश में 2002 के गुजरात दंगों पर बीबीसी के एक वृत्तचित्र पर *प्रतिबंध* लगाने के केंद्र के फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गई है। अधिवक्ता मनोहर लाल शर्मा की ओर से दायर जनहित याचिका में शीर्ष अदालत से आग्रह किया गया है कि वह बीबीसी वृत्तचित्र के दोनों भाग मंगाये और उसकी पड़ताल करे तथा उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई भी करे, जो 2002 के गुजरात दंगों के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार थे। शर्मा ने कहा है कि अपनी जनहित -शेष पृष्ठ दो पर

एनएससीएन-केवाईए के दो कैडर गिरफ्तार, गोला-बारूद बरामद

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जिले में सुरक्षा बलों ने एनएससीएन-केवाईए के दो कैडरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से हथियार एवं गोला-बारूद जब्त किया गया है। जिले के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

चांगलांग के पुलिस अधीक्षक (एसपी) मिहिन गांबो ने बताया कि जिले के खामकई और नामगोई इलाके में संगठन के विद्रोहियों की मौजूदगी के संबंध में खुफिया रिपोर्ट के आधार पर असम राइफल्स और जिला पुलिस के जवानों ने एक संयुक्त अभियान शुरू किया और शनिवार को दोनों कैडरों को पकड़ लिया गया। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए उग्रवादियों की पहचान नयन कुमार चकमा (42) और गंगवांग वांगली (37) के रूप में हुई है। चकमा के खुलासे के आधार पर पुलिस ने रीमा पुटक सर्कल में ओल्ड लोंगचोंग के जंगल से एक चीनी निर्मित 7.62 मिमी राइफल, एके मैग्जीन, सेफ्टी फ्यूज, रेडियो सेट और मोबाइल फोन बरामद किया। एसपी ने कहा कि खामकई गांव में स्थित चकमा के घर की तलाशी के दौरान पुलिस ने जिंदा गोला-बारूद के साथ एक जर्मन निर्मित पिस्तौल भी जब्त की।

न्यूज गैलरी

त्रिपुरा विस चुनाव अगरतला में भाजपा महिला बनाम कांग्रेस

अगरतला। त्रिपुरा में सत्तारूढ़ भाजपा ने रविवार को पार्टी की राज्य महासचिव पापिया दत्ता को प्रतिष्ठित अगरतला विधानसभा सीट के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। इसके साथ ही भाजपा ने 16 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव में सभी 55 सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा कर दी है। त्रिपुरा में विधानसभा की कुल 60 सीट हैं। भाजपा महिला मोर्चा की प्रमुख नेता का मुकाबला इस सीट से मौजूदा विधायक व कांग्रेस के कद्दावर नेता सुदीप रॉय बर्मन से होगा। पार्टी उपाध्यक्ष -शेष पृष्ठ दो पर

मुस्लिम आध्यात्मिक नेताओं से मिलेंगे संघ के पदाधिकारी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ पदाधिकारी आने वाले दिनों में देवबंद और बरेली के मुस्लिम आध्यात्मिक नेताओं से मुलाकात करेंगे और उनके साथ विभिन्न विवादास्पद मुद्दों पर चर्चा करेंगे। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैठक की तारीख आपसी सहमति से तय की जाएगी और केरल में वरिष्ठ मुस्लिम आध्यात्मिक नेताओं के साथ भी -शेष पृष्ठ दो पर

मुझे भी हिंदू कहें : आरिफ मोहम्मद खान

तिरुवनंतपुरम। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान का कहना है कि हिंदू एक धार्मिक शब्द नहीं है, यह भौगोलिक शब्द है। जो भी भारत में पैदा हुआ, देश में खाते-पाते, उन्हें हिंदू कहा जाना चाहिए। आरिफ मोहम्मद ने कहा कि आपको मुझे भी हिंदू कहना चाहिए। अंग्रेजों ने लोगों को धर्म के आधार पर बांटा था। वे शनिवार को तिरुवनंतपुरम के एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। केरल के राज्यपाल 28 जनवरी को तिरुवनंतपुरम में उत्तरी अमेरिका में बसे मलयाली हिंदुओं की ओर से आयोजित *हिंदू सम्मेलन* का उद्घाटन करने पहुंचे थे। यहां उन्होंने कहा कि सर सैयद अहमद खान ने एक बार कहा था कि मुझे -शेष पृष्ठ दो पर

रामचरितमानस की प्रतियां जलाई गईं

लखनऊ। यूपी में रामचरितमानस को लेकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। लखनऊ में रविवार को रामचरितमानस की कुछ प्रतियों को जलाकर विरोध किया गया। सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के समर्थन में अखिल भारतीय ओबीसी महासभा के पदाधिकारियों ने प्रदर्शन किया।

महासभा ने पहले से ही विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया था। रविवार सुबह लगभग साढ़े 9 बजे कार्यकर्ता वृंदावन सेक्टर-9 के आवास विकास कार्यालय पहुंचे। यहां पर रामचरितमानस के खिलाफ नारेबाजी कर इस पर बैन लगाने की मांग की। साथ ही कहा कि या तो इसमें संशोधन कराया जाए या फिर जातिगत जनगणना की जाए। कुछ दिनों पहले सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने रामचरितमानस पर विवादित टिप्पणी दी थी। उन्होंने कहा था कि इसमें कुछ पंक्तियां ऐसी हैं, जो कि नारियों व शूद्रों के खिलाफ हैं। साथ ही इसे बकवास बताया था। उनके इस बयान के बाद देश भर में हिंदू समाज जगह-जगह प्रदर्शन कर रहा है। लोग उनके पुतले फूंक रहे हैं। वहीं ओबीसी मोर्चा खुलकर स्वामी प्रसाद मौर्य के समर्थन में आ गया है। मोहनलालगंज में अखिल भारतीय ओबीसी महासभा के कार्यकर्ता एकत्र हुए। ओबीसी और दलित मोर्चा ने रामचरितमानस का बहिष्कार करते हुए प्रतियां जलाईं। सभा के पदाधिकारी देवेंद्र यादव ने कहा कि रामचरितमानस में जो भी -शेष पृष्ठ दो पर

बजट एक फरवरी को होगा पेश

नई दिल्ली। 31 जनवरी से शुरू होने वाले बजट सत्र के पहले दो दिन संसद के दोनों सदनों में शून्यकाल और प्रश्नकाल नहीं होगा। शनिवार को जारी एक संसदीय बुलेटिन में कहा गया है कि संसद का बजट सत्र 31 जनवरी को सेंट्रल हॉल में दोनों सदनों को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण के साथ शुरू होगा। बजट सत्र के दूसरे दिन, एक फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लोकसभा में केंद्रीय बजट को पेश करेंगी। बुलेटिन में कहा गया है कि शून्यकाल के दौरान उठाए गए अत्यावश्यक सार्वजनिक महत्व के मामले 2 फरवरी 2023 से उठाए जाएंगे। दो फरवरी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होगी, जिसके बाद प्रधानमंत्री मोदी संसद के दोनों सदनों में जवाब देंगे। बुलेटिन में कहा गया है कि -शेष पृष्ठ दो पर

लव जिहाद और धर्मांतरण के खिलाफ सड़क पर हिंदू समाज

मुंबई (हि.स.)। मुंबई के दादर स्थित कामगार मैदान में सकल हिंदू समाज ने लव जिहाद और धर्मांतरण विरोधी कानून बनाने के लिए जन आक्रोश प्रदर्शन किया। साथ ही दादर स्थित शिवाजी पार्क से कामगार मैदान तक मार्च निकाला। इसमें लाखों की संख्या में हिंदू समाज के लोग शामिल हुए। प्रदर्शन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राम कदम, केशव उपाध्ये, नीतेश नारायण राणे बालासाहेब की शिवसेना के सदा सरवणकर सहित कई हिंदू नेता भी उपस्थित थे। मार्च की अगुआई महिलाओं ने की। इसमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं। इस दौरान जो हिंदू हित का काम करेगा, वही देश पर राज करेगा, गर्व से कहो हम हिंदू हैं जैसे नारे लगाए गए। इसके बाद कामगार मैदान पर लोगों ने -शेष पृष्ठ दो पर

अंडर-19 वर्ल्ड कप : बेटियों ने रचा इतिहास

पोचेस्ट्रूम। भारत ने पहले अंडर-19 विमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया है। भारतीय टीम ने फाइनल में इंग्लैंड को 7 विकेट से हरा दिया। टॉस जीतकर पहले बॉलिंग करते हुए भारत ने इंग्लैंड को 17.1 ओवर में 68 रन पर ऑल आउट किया। 69 रन का टारगेट भारत ने 14 ओवर में 3 विकेट पर हासिल कर लिया। फाइनल में 6 रन पर 2 विकेट लेने वालीं टिटास साधू को प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया गया। इंग्लैंड की कप्तान ग्रेस स्क्रीवंस प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहीं। उन्होंने 7 मैचों में 293 रन बनाने के साथ 9 विकेट भी चटकाए। टूर्नामेंट जीतने पर बीसीसीआई ने विमेंस क्रिकेट टीम और सपोर्ट स्टाफ को 5 करोड़ रुपए का इनाम देने की घोषणा की। साथ ही बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कप्तान शेफाली वर्मा और टीम इंडिया को भारत और न्यूजीलैंड सीरीज के बीच अहमदाबाद बुलाया है। जहां एक फरवरी को पूरी टीम भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी-20 सीरीज का आखिरी मैच देखेगी। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने पहली बार ही विमेंस का अंडर-19 वर्ल्ड कप आयोजित कराया। 20 ओवर फॉर्मेट में हुए इस टूर्नामेंट की मेजबानी साउथ अफ्रीका को मिली। इंग्लैंड को हराकर टीम इंडिया -शेष पृष्ठ दो पर

विजय चौक पर बीटिंग द रिट्रीट ने मोहा सबका मन

नई दिल्ली। नई दिल्ली के विजय चौक पर रविवार को बीटिंग द रिट्रीट सेरेमनी के साथ ही गणतंत्र दिवस कार्यक्रमों का समापन हुआ। इस खास मौके पर तीनों सेनाओं के बैंड ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सामने 29 क्लासिकल धुनें बजाईं। धुनों ने सभी का मन मोह लिया। इसके बाद राष्ट्रीय ध्वज को पूरे सम्मान के साथ उतारा गया। तीनों सेनाओं की प्रमुख राष्ट्रपति से सेना के बैंड को ले जाने की अनुमति मांगी गई। अनुमति मिलते ही बैंड स्थल से रवाना हो गए। इस मौके पर दिल्ली की सभी प्रमुख इमारतें रंग- बिरंगी रोशनी से जगमग की गईं। सेरेमनी में उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, पीएम नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सीडीएस जनरल अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के प्रमुख भी मौजूद रहे। दिल्ली में भारी बारिश के बावजूद सेरेमनी को देखने बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, सेना के तीनों अंग और राज्य पुलिस व सीएपीएफ के संगीत बैंड द्वारा *बीटिंग द रिट्रीट* सेरेमनी में 29 धुनों को बजाया गया। समारोह की शुरुआत अग्निवीर धुन के साथ हुई। सेना और पुलिस बल ने *अल्मोड़ा, केदारनाथ, संगम दूर, सतपुड़ा की रानी, भागीरथी, कोंकण सुंदरी* जैसी मोहक धुनें बजाईं। वायु सेना के बैंड ने *अपराजेय अर्जुन* कि चरखा कि वायु शक्ति कि स्वदेशी धुन बजाई। वहीं नौसेना के बैंड *एकला चलो रे, हम तैयार हैं* और *जय भारती* धुनें बजाईं। इंडियन आर्मी के बैंड ने *शंखनाद,* -शेष पृष्ठ दो पर

कश्मीर में पाकिस्तान की सबसे बड़ी संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने कश्मीर में पाकिस्तान के आंतकियों की गतिविधियों का केंद्र रही सबसे बड़ी संपत्ति कुर्क करने का आदेश दिया है। दिल्ली अदालत के आदेश पर आतंकवाद के वित्त पोषण से जुड़े एक मामले की जांच के सिलसिले में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की टीम रविवार को राजबाग स्थित हुर्रियत कांफ्रेंस के कार्यालय पहुंची। अधिकारियों ने बताया कि संघीय एजेंसी की एक टीम हुर्रियत कार्यालय पहुंची और इमारत की बाहरी दीवार पर कुर्की का नोटिस चिपका दिया। एनआईए के नोटिस में लिखा है कि जनता को सूचित किया जाता है कि राजबाग में जिस इमारत में ऑल पार्टी हुर्रियत कांफ्रेंस का कार्यालय स्थित है और वर्तमान में कोर्ट -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

किसानों और महिलाओं के कल्याण में मप्र की कोशिशें तारीफ-ए-काबिल : किनाना

भोपाल (हि.स.)। भारत यात्रा पर आए तंजानिया के शिष्टमंडल ने रविवार को भोपाल प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री चौहान ने अतिथियों को मध्यप्रदेश की विशेषताओं, क्रियान्वित जन-कल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी दी। तंजानिया के शिष्टमंडल में अब्दुल रहमान किनाना प्रमुख हैं, जो 25 से 30 जनवरी 2023 तक भारत यात्रा पर आए पांच सदस्यीय सीसीएम प्रतिनिधि-मंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। प्रतिनिधि मंडल के प्रमुख किनाना ने कहा कि मध्यप्रदेश में किसानों और महिलाओं के कल्याण के लिये किये गये कार्य तारीफ के काबिल हैं। किनाना तंजानिया की शक्तिशाली सत्ताधारी पार्टी सीसीएम के उपाध्यक्ष हैं, जो वर्ष 1961 में आजादी के बाद से सत्ता में है। अन्य सदस्यों में संसदीय समिति के सदस्य अब्दुल्ला म्वीनी, मसाफिरी विल्बर्ट, थाडेओ बुरटन और सलुम बकारी सुमा शामिल हैं। मुख्यमंत्री चौहान ने शिष्टमंडल के सदस्यों को पुस्तकें और उपहार भेंट किए। उन्होंने प्रतिनिधि-मंडल का स्वागत करते हुए कहा कि भोपाल झीलों का शहर है। भारत और तंजानिया के साथ ही प्रतिनिधि-मंडल का आगमन संपूर्ण विश्व के लिए अच्छी पहल है। भारत और तंजानिया के मध्य सद्भावना का सिलसिला पुराना है। तंजानिया में भारतीय मूल के 50 हजार से अधिक लोग रहते हैं। द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के लिए, विशेष प्रयास हो रहे हैं। दोनों देशों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में बहुआयामी संबंधों को साझा किया जाता है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में नई शिक्षा नीति में अनुसंधान पर जोर दिया गया है। अनेक स्टार्टअप्स प्रारंभ हुए हैं। मध्यप्रदेश भी इस क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। खेलो इंडिया की गतिविधियां मध्यप्रदेश में भी हो रही हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत को जी-20 की अध्यक्षता मिलना गर्व का विषय है। मनुष्य को प्रसन्नता का वातावरण उपलब्ध करवाने का कार्य किया जा रहा है। लोगों को योजनाओं का आवश्यक लाभ दिलवाने और स्वच्छता जैसे कार्यों में जन-भागीदारी को बढ़ावा दिया गया है। मध्यप्रदेश, प्रधानमंत्री के संकल्प के अनुरूप विभिन्न क्षेत्रों में सक्रियता से कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि मध्यप्रदेश में पं. दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानव दर्शन के अनुरूप योजनाओं को लागू किया है। गरीब कल्याण को प्राथमिकता दी गई है। सड़क, सिंचाई, बिजली, पेयजल की व्यवस्थाएं मजबूत बनाई गईं। बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ अभियान के साथ ही आंगनवाड़ियों को एडाप्ट करने, पौधे लगाने और आनंद विभाग से विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। यहां के नागरिक संग्रह में विश्वास न कर उपयोग में न आने वाली वस्तुएं और वस्त्र इत्यादि अन्य जरूरतमंद लोगों को प्रदान कर देते हैं। मध्यप्रदेश में किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण उपलब्ध करवा कर कृषि लागत घटाने का कार्य किया गया है। किसानों को सिंचाई और बिजली की सुविधाएं देते हुए उनकी उपज के ठीक दाम दिलवाने और न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ दिलवाने का कार्य किया गया है। साथ ही फसलों के नुकसान पर सहायता राशि भी प्रदान की जाती है। मध्यप्रदेश में ग्राम सभाओं को सशक्त बनाया गया है। विभिन्न 14 मापदंड बनाए गए हैं। लाड़ली लक्ष्मी योजना के बाद लाड़ली बहना योजना लागू की जा रही है, जिसमें परिवार की महिला को प्रतिमाह एक हजार रुपये प्रदान करने का कार्य किया जाएगा। संबल योजना के हितग्राही, बच्चों के लिए, शिक्षण शुल्क और उपचार सहायता प्राप्त करते हैं। महिला को प्रसव के लिए 16 हजार रुपये की राशि संबल योजना में दी जाती है। सामान्य और असमय मृत्यु पर भी मदद दी जाती है।

चीन सीमा विवाद व आर्थिक मुद्दों पर सरकार को घेरेगा विपक्ष

नई दिल्ली। संसद के 31 जनवरी से शुरू हो रहे बजट सत्र में सरकार की नजर राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव और वित्त वर्ष 2023-24 के आम बजट आदि पर सुचारू रूप से चर्चा कराने पर रहेगी लेकिन महंगाई, रोजगार, चीन के साथ सीमा विवाद, अर्थव्यवस्था, सेंसरशिप सहित अन्य मुद्दों पर विपक्ष के हमलावर रुख को देखते हुए बजट सत्र के हंगामेदार होने की पूरी संभावना व्यक्त की जा रही है। ऐसे में सरकार ने बजट सत्र से पहले विभिन्न विषयों पर आम राय बनाने के लिये 30 जनवरी को राजनीतिक दलों के सदन के नेताओं की सर्वदलीय बैठक बुलायी है। सूत्रों ने बताया कि यह बैठक संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी द्वारा संसदीय ग्रंथालय भवन में 30 जनवरी को बुलाई गई है। कांग्रेस चीन के मुद्दे पर चर्चा चाहती है तो वहीं तृणमूल कांग्रेस, वामदलों, आरएसपी सहित कई विपक्षी दलों ने संसद सत्र के दौरान महंगाई, बेरोजगारी, अर्थव्यवस्था से जुड़े मुद्दों, केंद्र-राज्य संबंध आदि पर सरकार को घेरने का इरादा जताया है। तृणमूल कांग्रेस ने सत्र के दौरान केंद्र राज्य संबंध, बीबीसी के विवादास्पद वृत्तचित्र की पृष्ठभूमि में सेंसरशिप का मुद्दा उठाने पर जोर दिया है। इस बारे में पूछे जाने पर संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि बजट सत्र के पहले हिस्से में राष्ट्रपति का अभिभाषण और उनके अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होगी। आम बजट पेश किया जायेगा। यह काफी महत्वपूर्ण सत्र है, हम सभी दलों का सहयोग चाहते हैं। विपक्ष द्वारा उठाए जाने वाले मुद्दों के संबंध में उन्होंने कहा कि विपक्ष के मुद्दों पर कार्य मंत्रणा समिति में चर्चा होती है और नियमों के अनुसार उन्हें लिया जाता है। संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से शुरू होगा। इस दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू लोकसभा और राज्यसभा के संयुक्त सत्र को संबोधित करेंगी। 31 जनवरी को ही सरकार आर्थिक सर्वेक्षण पेश करेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी, 2023 को वित्त वर्ष 2023-24 का केंद्रीय बजट पेश करेंगी। बजट सत्र का पहला चरण 13 फरवरी तक चलेगा और दूसरा चरण 13 मार्च से शुरू होकर छह अप्रैल तक चलेगा। बजट सत्र के दौरान 27 बैठकें होंगी।

हत्या के आरोप में एक गिरफ्तार

गोलाघाट (हि.स.)। जिले के नूमलीगढ़ के माधवपुर इलाके में हुई एक हत्या मामले में पुलिस ने हत्या मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस के अनुसार 26 जनवरी की शाम को सूरज उड़ाग ने साजन कूजूर नामक व्यक्ति को जलावन की लकड़ी से प्रहार कर बुरी तरह घायल कर दिया। शनिवार को घायल साजन की डिब्रूगढ़ मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने हत्या के आरोप में सूरज उड़ाग को गिरफ्तार कर लिया। इस घटना को लेकर इलाके में तनाव बना हुआ है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। वहीं सिलचर जिला कारागार के130 विचाराधीन कैदियों को सिलचर कारागार शिफ्ट किया गया। यह जानकारी रविवार को करीमगंज जिला कारागार प्रशासन ने दी है। बताया गया कि रविवार की सुबह करीमगंज पुलिस के सहयोग से 130 विचाराधीन कैदियों को सिलचर कारागार भेजा गया। करीमगंज जिला कारागार में कैदियों की संख्या अधिक होने की वजह से यह कदम उठाया गया है।

विपक्ष में मतभेद हैं...लेकिन वह भाजपा-संघ के खिलाफ एक साथ खड़ा होगा : राहुल

श्रीनगर। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि विपक्ष में मतभेद हैं, लेकिन वह भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खिलाफ एक साथ खड़ा होगा और लड़ेगा। उन्होंने *भारत जोड़ो यात्रा* के तहत पदयात्रा की समाप्ति के बाद संवादादाताओं से बातचीत में यह भी कहा कि एक तरफ कांग्रेस का नजरिया है और दूसरी तरफ भाजपा और आरएसएस का अहंकार एवं नफरत का नजरिया है। राहुल गांधी ने विपक्षी एकजुटता से जुड़े सवाल पर कहा कि आप किस आधार पर कह रहे हैं कि विपक्ष बिखर चुका है। विपक्षी एकता बातचीत और एक दृष्टिकोण के बाद आती है। यह कहना सही नहीं है कि विपक्ष बिखरा हुआ है। मतभेद हैं... लेकिन विपक्ष साथ खड़ा होगा, लड़ेगा। उनका कहना था कि यह विचारधारा की लड़ाई है। एक तरह भाजपा और आरएसएस की विचारधारा है, दूसरी तरफ गैर भाजपा और गैर आरएसएस ताकतें हैं। उन्होंने यह टिप्पणी उस वक्त की है जब सोमवार को यात्रा के समापन समारोह के लिए कांग्रेस ने 20 से अधिक विपक्षी दलों को निमंत्रण दिया है। हालांकि कई दलों ने इसमें शामिल होने में अपनी ओर से असमर्थता जताई है। यात्रा के संदर्भ में राहुल गांधी ने कहा कि मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। लाखों लोगों से मिला। यात्रा का लक्ष्य भारत को जोड़ने का था, नफरत और हिंसा के खिलाफ यह यात्रा थी। जबरदस्त प्रतिक्रिया देखने को मिली है। उन्होंने यह भी कहा कि किसान, मजदूर, बेरोजगार युवाओं की आवाज सुनने को मिली। मेरे लिए यह शायद यह जिंदगी का सबसे सुंदर अनुभव रहा। राहुल ने कहा कि इस यात्रा ने एक वैकल्पिक नजरिया दिया है। भाजपा आरएसएस ने नफरत और अहंकार का नजरिया दिया है। अब हिंदुस्तान के सामने ये दो रास्ते ही नहीं, जीने के तरीके भी हैं। उन्होंने साथ ही कहा कि जम्मू कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा और लोकतान्त्रिक प्रक्रिया बहाल होनी चाहिए। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का 4,080 किलोमीटर के सफर के बाद श्रीनगर में कल 30 जनवरी को संपन्न होगी। 7 सितंबर को कन्याकुमारी से शुरू हुई ये यात्रा देश भर के विभिन्न राज्यों के 75 जिलों से होकर गुजरी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उद्यान उत्सव का उद्घाटन किया

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को उद्यान उत्सव-2023 का उद्घाटन किया और इस दौरान अमृत उद्यान की शोभा बढ़ाई। उद्यान उत्सव हर वर्ष फरवरी और मार्च में आयोजित किया जाता है और इस दौरान राष्ट्रपति भवन के उद्यान को आम जनता के लिए खोला जाता है। अमृत उद्यान (इससे पहले मुगल गार्डन) आगंतुकों के लिए 31 जनवरी से 26 मार्च तक सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक खुला रहेगा। इसके अलावा प्रत्येक सोमवार, 1 व 2 मार्च को जी20 मीटिंग के दौरान और 8 मार्च को होली के दिन उद्यान बंद रहेगा। राष्ट्रपति भवन के अनुसार 28 मार्च से 31 मार्च तक उद्यान विशेष श्रेणी के लोगों के लिए खुला रहेगा। 28 मार्च को किसानों, 29 मार्च को दिव्यांग, 30 मार्च को रक्षा बल, अर्धसैनिक बल और पुलिसकर्मी तथा 31 मार्च को महिला तथा आदिवासी महिलाओं के स्वयं सहायता समूह के लिए खुला रहेगा। अमृत उद्यान में प्रवेश निःशुल्क है। लोग वॉक-इन या अपनी यात्रा को ऑनलाइन बुक कर सकते हैं। प्रवेश राष्ट्रपति संपदा के गेट नंबर 35 से होगा, जहां नॉर्थ एवेन्यू राष्ट्रपति भवन से मिलता है।

पृष्ठ एक का शेष

ओडिशा के स्वास्थ्य...

रहा। तभी कार्यकर्ताओं ने उसके हाथ को पकड़कर ऊपर की ओर उठा दिया। गोली लगने के तुरंत बाद मंत्री जी को तुरंत उठाकर स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। बीजद कार्यकर्ता ने बताया कि घटना के बाद भीड़ ने हमलावर एएसआई की पिटाई भी कर दी। पुलिस ने भीड़ से छुड़ाते हुए एएसआई को गिरफ्तार कर लिया और अपने साथ ले गई। घटना के बाद तुरंत मंत्री नव किशोर को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें विशेष विमान से भुवनेश्वर स्थित अपोलो अस्पताल में बेहतर इलाज के लिए एयरलिफ्ट किया गया। मंत्री नवकिशोर अभी अपोलो हॉस्पिटल के ऑपरेशन थियेटर में हैं, जहां डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है। हालांकि अब भी उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने मंत्री दास के परिवार को संत्वना दी। स्वास्थ्य मंत्री पर फायरिंग करने वाले एएसआई की पत्नी का कहना है कि मेरे पति एएसआई गोपाल दास मानसिक बीमारी और हाई बीपी से पीड़ित थे। उनका इलाज चल रहा था। पत्नी ने कहा कि मुझे नहीं पता कि मुझे नहीं पता कि मंत्री नबा दास से उनकी दुश्मनी थी या नहीं। मंत्री नव किशोर दास के गोलीकांड की जांच के लिए क्राइम ब्रांच की टीम भुवनेश्वर हवाई अड्डे से हेलीकॉप्टर से झारसुगुड़ा रवाना हो गई है। एडिशनल डीजीपी, सीआईडी-क्राइम एंड ट्रांसपोर्ट कमिश्नर अरुण बोथरा, ओडिशा व्यक्तिगत रूप से मामले की जांच करने घटना स्थल पर जाएंगे।

डॉक्यूमेंट्री के खिलाफ...

दिया, जिससे मुसलमानों को फायदा हुआ। उन्होंने कहा कि मुस्लिम महिलाओं के लिए ट्रिपल तालक को समाप्त कर दिया गया, उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त एलपीजी सिलेंडर दिए गए, जन धन योजना के तहत बैंक खाते खोले गए और उन्हें उनके घरों का स्वामित्व प्रदान किया गया। पीएम मोदी के शासन में किसी भी समुदाय के साथ कोई भेदभाव नहीं है। प्रदर्शनकारी भारतीय ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो तारिक मंसूर के बारे में भी बात की, जिन्होंने हाल ही में बीबीसी श्रृंखला *द मोदी क्वेश्चन* की आलोचना करते हुए एक राय स्तंभ लिखा था, जो *झूठे और अतार्किक प्रवचन* बनाने का प्रयास था। भारतीय मुसलमान अतीत से बाहर निकलना चाहते हैं। हम अब वहां नहीं रहते हैं। बीबीसी ने 20 साल की पक्षपाती रिपोर्टें इकट्ठी की हैं, जो पुराने मसालों से भरी हुई हैं और इसे बहुत सारे गलत शिकार के साथ गार्निश किया है। उन्होंने कहा कि झूठे ढोंग के तहत हमारे समुदाय को केवल अपना ब्रांड बनाने के लिए इस्तेमाल किया गया था। एक अन्य भारतीय प्रदर्शनकारी ने कहा कि पीएम मोदी पर बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री पूरी तरह से झूठी और असत्य है। विशेष रूप से, भारतीय प्रवासियों ने कैलिफोर्निया के सैन फ्रांसिस्को खाड़ी क्षेत्र में फरेमोंट में बीबीसी डॉक्यूमेंट्री सीरीज के खिलाफ भी विरोध किया। *इंडियन डायस्पोरा* के बैनर तले लगभग 50 सदस्यों ने नारे लगाए और संयुक्त राज्य अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को क्षेत्र में फरेमोंट की सड़कों के माध्यम से यह कहते हुए मार्च किया कि वे बीबीसी की भयावह और पक्षपाती वृत्तचित्र को अस्वीकार करते हैं।

बीबीसी डॉक्यूमेंट्री ...

याचिका में उन्होंने एक संवैधानिक सवाल उठाया है और शीर्ष अदालत को यह तय करना है कि अनुच्छेद 19(1)(2) के तहत नागरिकों को 2002 के गुजरात दंगों पर समाचार, तथ्य और रिपोर्ट देखने का अधिकार है या नहीं। उन्होंने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के 21 जनवरी, 2023 के आदेश को अवैध, दुर्भावनापूर्ण, मनमाना और असंवैधानिक बताते हुए इसे रद्द करने का निर्देश देने की मांग की है। उनकी याचिका में पूछा गया है कि क्या केंद्र सरकार प्रेस की स्वतंत्रता पर अंकुश लगा सकती है, जो संविधान के अनुच्छेद 19(1)(2) के तहत गारंटीकृत मौलिक अधिकार है। याचिका में दावा किया गया है कि बीबीसी के वृत्तचित्र में *दर्ज तथ्य* हैं, जो *सबूत* भी हैं और पीड़ितों के लिए न्याय का मार्ग प्रशस्त करने के वास्ते इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार, 21 जनवरी को केंद्र ने बीबीसी के विवादास्पद वृत्तचित्र *इंडिया: द मोदी क्वेश्चन* के लिंक साझा करने वाले कई यूट्यूब वीडियो और ट्विटर पोस्ट को ब्लॉक करने के निर्देश जारी किए थे।

मुझे भी हिंदू ...

नहीं लगता कि हिंदू एक धार्मिक शब्द है, यह एक भौगोलिक शब्द है। जो कोई भी भारत में पैदा हुआ है, भारत में पैदा हुआ अनाज खाता है.. यहां की नदियों का पानी पीता है, वह हिंदू कहलाने का हकदार है। आरिफ मोहम्मद ने कहा कि आपको मुझे भी हिंदू कहना चाहिए... अंग्रेजों के समय में हिंदू, मुस्लिम और सिख जैसी शब्दों का इस्तेमाल करना किया जाता था। क्योंकि उन्होंने लोगों को धर्मों के आधार पर बांट दिया था। इस दौरान केरल गवर्नर ने बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री की जमकर आलोचना की। उन्होंने कहा कि जो लोग भारत को सौ टुकड़ों में देखना चाहते हैं, वे परेशान हैं, इसलिए वे इस तरह के नकारात्मक प्रचार कर रहे हैं। यह उन लोगों की साजिश है जो भारत को अंधकार में देखना चाहते हैं। ये लोग उस समय के हालातों पर डॉक्यूमेंट्री क्यों नहीं बनाते जब अंग्रेज भारत में आए थे। उन्होंने कहा कि भारत गरीब देश नहीं था, इसीलिए बाहर से लोग भारत की संपत्ति के लालच में यहां आए थे। लेकिन 1947 तक हम दक्षिण एशिया में गरीबी के प्रतीक बन गए। अब सब कुछ बदल गया है। आज भारतीय दुनिया की कई दिग्गज मल्टीनेशनल कंपनियों में बड़े पदों पर हैं। इससे दुनिया को भारत की क्षमता का अहसास हो रहा है।

रामचरितमानस की प्रतियां ...

आपत्तिजनक टिप्पणियां नारी सशक्तिकरण के खिलाफ, शूद्रों या फिर दलित समाज पर और ओबीसी के खिलाफ है, इन्हें रामचरितमानस से निकलावना चाहते हैं। तभी ये विरोध प्रदर्शन शांत होगा। नहीं तो ये प्रदर्शन ऐसे ही जारी रहेगा। अन्य कार्यकर्ता ने कहा कि आज के आधुनिक युग में लोग चांद तक पहुंच रहे हैं। लेकिन हिंदुस्तान के तथाकथित लोग अभी भी पीछे हैं। इसका जिम्मेदार रामचरितमानस भी है। इसने साजिश रची है। इसमें नारियों के खिलाफ अभद्र बातें कही गईं, इसके लिए तुलसीदास को बिल्कुल भी ज्ञान नहीं था। स्वामी प्रसाद मौर्य ने जो भी कहा है, उनकी बातों का समर्थन करते हैं। जब संविधान में संशोधन हो सकता है तो रामचरितमानस में भी संशोधन कराया जाए। आपत्तिजनक बातों को निकाला जाए। एक कार्यकर्ता ने कहा कि रामचरितमानस में एससी-एसटी, नारियों के खिलाफ अभद्र टिप्पणी को हटा दिया जाए। पहले तो कोई समझ नहीं रहा था। लेकिन अब इस समाज में लोग समझने लगे हैं। अब पता चल रहा कि इतने सालों से भ्रमित किया जा रहा था। साम दाम दंड भेद की नीति अपनाकर ये सत्ता में बैठे लोग जाति को जाति से लड़वाकर, धर्म को धर्म से लड़वाकर राज कर रहे हैं। ये लोग उच्च पदों पर आसीन हैं।

बजट एक फरवरी...

बजट सत्र दो हिस्सो में होगा। पहला हिस्सा 13 फरवरी तक चलेगा। वहीं, दूसरा भाग 13 मार्च को अवकाश के बाद 6 अप्रैल तक चलेगा। इस दौरान विभिन्न मंत्रालयों की अनुदान मांगों पर चर्चा होगी और केंद्रीय बजट पारित किया जाएगा। इस अवधि के दौरान अन्य विधायी व्यवसाय भी सरकार द्वारा उठाए जाएंगे। सरकार ने संसद के बजट सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक बुलाई है। संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी ने बताया कि परंपरागत रूप से होने वाली यह बैठक 30 जनवरी को संसद एनेक्सी भवन में दोपहर में आयोजित होने वाली है। इसके अलावा फ्लोर सहयोग की रणनीति बनाने के लिए 30 जनवरी की दोपहर एनडीए फ्लोर के नेताओं की एक बैठक भी होगी। जानकारी के मुताबिक, इस बैठक के दौरान सरकार संसद को सुचारू रूप से चलाने के लिए सभी दलों से सहयोग मांगेगी। इसके अलावा विपक्षी दलों से यह अपेक्षा की जा रही है कि वे उन मुद्दों का उल्लेख करें जो वे सत्र के दौरान उठाना चाहते हैं। संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से शुरू होगा। इसी दिन लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अभिभाषण होगा। संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि इस सत्र में 27 बैठकें होंगी और बजट के कागजात की जांच के लिए एक महीने के अवकाश के साथ 6 अप्रैल तक चलेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को केंद्रीय बजट 2023-24 पेश करेंगी।

लव जिहाद और धर्मांतरण...

प्रदर्शन किया। लोगों को संबोधित करते हुए भाजपा नेता राम कदम ने कहा कि श्रद्धा वॉल्कर की हत्या ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। देश में लव जिहाद के मामले बढ़ते जा रहे हैं। श्रद्धा वाल्कर हत्याकांड के बाद भी कुछ ऐसी घटनाएं सामने आई हैं। इसलिए पूरा हिंदू समुदाय मांग कर रहा है कि धर्मांतरण कानून को लागू किया जाए। प्रदर्शन में श्रद्धा वाल्कर हत्याकांड के आरोपित आफताब को कठोर सजा दिलाने की मांग की गई। भाजपा विधायक नीतेश राणे ने कहा कि पिछले ढाई वर्षों में हिंदू समाज पर अन्याय हुआ है लेकिन अब सत्ता में आई भाजपा सरकार ने धर्मांतरण को रोकने के लिए कठोर कानून बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। साथ ही राज्य सरकार लव जिहाद को लेकर भी कठोर कदम उठा रही है। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया था।

अंडर-19 वर्ल्ड कप...

इस टूर्नामेंट की पहली चैंपियन बनी। भारत पुरुषों का भी अंडर-19 वर्ल्ड चैंपियन है। 2022 में खेले गए फाइनल में टीम इंडिया ने इंग्लैंड को ही हराया था। इंडिया विमेंस टीम किसी भी लेवल पर पहली ही बार वर्ल्ड चैंपियन बनी है। जूनियर लेवल पर आईसीसी ने पहली बार वर्ल्ड कप आयोजित कराया। वहीं, सीनियर लेवल पर टीम इंडिया कभी भी वर्ल्ड कप नहीं जीत सकी। भारत ने इससे पहले 2005 और 2017 का वनडे वर्ल्ड कप फाइनल खेला, लेकिन ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड से हार गए। वहीं, 2020 के टी-20 वर्ल्ड कप में भारत को ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा। वहीं, 2022 के बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स के फाइनल में भी टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा। 14वें ओवर की आखिरी बॉल पर सौम्या तिवारी ने भारत के लिए विनिंग चौका लगाया। वह 24 रन बनाकर रिषिता बसु (0) के साथ नाबाद रहीं। वहीं, कप्तान शेफाली वर्मा 15, गोंगडी त्रिषा 24 और उप कप्तान श्वेता सेहरवात 5 रन बनाकर आउट हुईं। इंग्लैंड के लिए हनाह बेकर, एलेक्स स्टोनहाउस और ग्रेस स्रीवंस को एक-एक विकेट मिला। टीम इंडिया ने पावरप्ले में 5 के रन रेट से 6 ओवर में 30 रन बनाए, लेकिन कप्तान शेफाली वर्मा और उप कप्तान श्वेता सेहरावत के विकेट भी गंवा दिए। शेफाली 15 और श्वेता 5 रन बनाकर आउट हुईं। इंग्लैंड की कप्तान ग्रेस स्रीवंस और हनाह बेकर ने एक-एक विकेट लिया।

विजय चौक पर ...

शेर-ए-जवान, भूपाल, अग्रणी भारत, यंग इंडिया, कदम कदम बढ़ाए जा, ड्रमर्स कॉल, और *ऐ मेरे वतन के* धुन बजाई। कार्यक्रम का समापन सारे *जहां से अच्छा* धुन के साथ हुआ। बीटिंग द रिट्रीट सेना की बैरक वापसी का प्रतीक है। इस समारोह में भारत के राष्ट्रपति मुख्य अतिथि होते हैं। राष्ट्रपति के आते ही उन्हें नेशनल सैल्यूट देकर राष्ट्रगान जन-गण-मन शुरू होता है, तिरंगा फहराया जाता है। इसके बाद तीनों सेनाओं के बैंड मिलकर पारंपरिक धुन के साथ मार्च करते हैं। तीनों सेना के बैंड वादन के बाद रिट्रीट का बिगुल बजता है। इसके बाद बैंड मास्टर राष्ट्रपति के पास जाते हैं और बैंड वापस ले जाने की इजाजत मांगते हैं। बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी की परंपरा राजा महाराजाओं के समय चली आ रही है। जब सूर्यास्त के बाद जंग बंद होने का ऐलान होता था। बिगुल बजाते ही सैनिक युद्ध बंद कर पीछे हट जाते थे। यब परंपरा 300 साल से भी ज्यादा पुरानी है। भारत के अलावा ब्रिटेन, कनाडा, अमेरिका समेत दुनिया के कई देशों में बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी होती है। भारत में इसकी शुरुआत 1950 के दशक में हुई थी।

कश्मीर में पाकिस्तान...

ट्रायल का सामना कर रहे नईम अहमद खान के संयुक्त स्वामित्व में है, को विशेष एनआईए कोर्ट पटियाला हाउस, नई दिल्ली के आदेश पर कुर्क किया जाता है। हुर्रियत कांफ्रेंस 26 अलगाववादी संगठनों का एक मिश्रण है और 1993 में इसका गठन किया गया था. सरकार द्वारा अलगाववादी समूहों पर कार्रवाई के बाद अगस्त 2019 से इसका कार्यालय बंद है। दिल्ली की अदालत ने अलगाववादी नईम अहमद खान के खिलाफ राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा जांच किए गए एक यूएपीए मामले में ऑल पार्टीज हुर्रियत कांफ्रेंस (एपीएचसी) के श्रीनगर कार्यालय को कुर्क करने का आदेश दिया है। खान, जो 14 अगस्त, 2017 से न्यायिक हिरासत में है, पर एनआईए द्वारा कश्मीर में *अशांति पैदा करने* का आरोप लगाया गया है। उन्हें 24 जुलाई, 2017 को गिरफ्तार किया गया था और पिछले साल दिसंबर में जमानत से इनकार किया गया था। पटियाला हाउस कोर्ट के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शैलेंद्र मलिक ने हुर्रियत कार्यालय को संलग्न करने के लिए यूएपीए की धारा 33 (1) के तहत एनआईए की याचिका पर आदेश पारित किया। अचल संपत्ति जो राज बाग, श्रीनगर में स्थित इमारत है, जिसे पहले हुर्रियत कार्यालय के रूप में इस्तेमाल किया गया था, को संलग्न करने का आदेश दिया गया है। सूत्रों ने दावा किया कि एनआईए इस जांच के तहत हुर्रियत कांफ्रेंस के कार्यालय को सील कर दिया है।

त्रिपुरा विस चुनाव ...

रेबती त्रिपुरा ने कहा कि पार्टी ने अगरतला निर्वाचन क्षेत्र से नामांकन की प्रक्रिया पूरी करने के लिए पापिया दत्ता को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। कल, पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ पार्टी की उम्मीदवार अपना नामांकन पत्र जमा करेंगी। अगरतला निर्वाचन क्षेत्र वर्तमान में कांग्रेस विधायक सुदीप रॉय बर्मन के पास है। उन्होंने भाजपा छोड़ने के कुछ महीनों बाद हुए उपचुनाव में कांग्रेस के टिकट पर यह सीट जीती थी। दत्ता ने पार्टी मुख्यालय में संवाददाताओं को बताया कि अगरतला निर्वाचन क्षेत्र के लिए मेरा नामांकन प्रतीकात्मक है क्योंकि भाजपा के सभी कार्यकर्ता पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि मुझ पर विश्वास जताने के लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और प्रदेश के नेताओं का तहेदिल से शुक्रिया अदा करती हूं। पहली बार चुनाव में अपनी किस्मत आजमा रहीं दत्ता ने कहा कि मुझे विश्वास है कि हम मतदाताओं के आशीर्वाद से अगरतला विधानसभा क्षेत्र का चुनाव जीतेंगे। भाजपा ने सीटों के तालमेल के तहत पांच सीटें अपनी गठबंधन सहयोगी इंडीजिनस पीपुल्स पार्टी (आईपीएफटी) को दी हैं।

मुस्लिम आध्यात्मिक ...

बैठक चल रही है। इससे पहले 14 जनवरी को आरएसएस के सदस्यों ने मुस्लिम धार्मिक नेताओं के साथ मुलाकात की थी और काशी और मथुरा में मंदिर के मुद्दों, नफरत फैलाने वाले भाषण और यहूदी बस्तियों में रहने वाले मुसलमानों सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की थी। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने पिछले साल 22 अगस्त को समुदाय के पांच प्रमुख सदस्यों के साथ बैठक की थी। सूत्रों ने बताया कि अगस्त में हुई बैठक दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल नजीब जंग के आवास पर हुई थी और आरएसएस का प्रतिनिधित्व उसके संयुक्त महासचिव कृष्ण गोपाल, रामलाल और इंद्रेश कुमार ने भी किया था। उन्होंने बताया कि बैठक के दौरान उन्होंने काशी और मथुरा मंदिर मुद्दों का सौहार्दपूर्ण समाधान खोजने के बारे में बात की। बैठक में जमात-ए-इस्लामी हिंद, जमीयत उलेमा-ए-हिंद सहित प्रमुख मुस्लिम निकायों का प्रतिनिधित्व किया गया, जिसमें अजमेर दरगाह के सलमान चिश्ती ने भी भाग लिया। सूत्रों ने बताया कि दोनों पक्ष वार्ता प्रक्रिया जारी रखने और विवादास्पद मुद्दों का सौहार्दपूर्ण समाधान खोजने पर सहमत हुए थे।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **सप्तम अध्याय**

(योगाभ्यास)

सहज पलहथी मार कर, वा सिद्धासन साध।
स्वस्तिक पद्मासन लगे, सुख शव आसन राध ॥ 09॥

शब्दार्थ : (साध) बैठना (सिद्धासन) सिद्धासन।

भाष्य : सहज पलहथी मार करके या सिद्धासन, स्वस्तिकालन, पद्मासन, सुखासन अथवा शवासन में बैठकर योग का अभ्यास करें।

स्थिर सुख आसन रहे, साधन योग विधान।
मन प्रसन्न सुख शान्ति है, योग है सहज समान ॥ 10॥

शब्दार्थ : (सहज योग) आत्मा द्वारा शुद्ध स्वाभाविक गति से चलने वाल योग।

भाष्य : बैठने में सुखपूर्वक जिससे स्थिरता हो, उसे आसन कहते हैं। जिस प्रकार बैठने में सुखपूर्वक स्थिरता हो और मन प्रसन्न एवं शान्त हो, उस आसन से बैठकर स्वाभाविक गति से सहज योग का अभ्यास करें अर्थात् जिस आसन से बैठने में आराम हो और मन प्रसन्न हो, उस आसन से बैठकर सहज योग का अभ्यास करना चाहिए।

एनजीटी असम पर नहीं लगाएगी एक हजार करोड़ का जुर्माना

गुवाहाटी (विभास)। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने ठोस और तरल कचरे के अनुचित प्रबंधन के लिए असम पर 1,000 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाने से फिलहाल इनकार किया है। एनजीटी ने यह देखते हुए पर्यावरणीय मुआवजे का आदेश देने से इनकार किया राज्य ने ठोस कचरे और तरल कचरे के प्रबंधन के लिए 1,000 करोड़ रुपए से अधिक का भुगतान किया है। एनजीटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति एके गोयल के नेतृत्व वाली पीठ ने असम के मुख्य सचिव द्वारा पेश किए गए आंकड़ों पर गौर किया और कहा कि कचरे के प्रबंधन में खामियां हैं। पीठ में न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति अरुण कुमार त्यागी और विशेषज्ञ सदस्य ए. सेंथिल वेल और अफरोज अहमद भी शामिल हैं। पीठ ने कहा कि प्रदूषण मुक्त वातावरण प्रदान करना राज्य और स्थानीय निकायों की संवैधानिक जिम्मेदारी थी। पीठ ने कहा कि हम आशा करते हैं कि मुख्य सचिव के साथ बातचीत के आलोक में, असम राज्य एक अभिनव दृष्टिकोण और कड़ी निगरानी के माध्यम से इस मामले में और उपाय करेगा। पीठ ने कहा है कि सभी जिलों, शहरों, कस्बों और गांवों में एक साथ समयबद्ध तरीके से पुनर्नवीकरण योजनाओं को जल्द से जल्द क्रियान्वित करने की जरूरत है और जिला मजिस्ट्रेट सीवेज और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की निगरानी करेंगे। एनजीटी ने कहा कि मुख्य सचिव को मानदंडों का समग्र अनुपालन सुनिश्चित करना चाहिए। मुआवजे की मात्रा का निर्धारण करते हुए हरित पैनल ने कहा कि सामान्य परिस्थितियों में राज्य सरकार लगभग 1,000 करोड़ रुपए के मुआवजे का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी था।

वृद्ध महिला के साथ बलात्कार आरोपी गिरफ्तार

कछार (हि.स.)। जिले के ढलाई थाना पुलिस इलाके में एक 70 साल के वृद्ध महिला के साथ बलात्कार किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली घटना जिले के ढलाई इलाके से सामने आई है। एक युवक ने 70 वर्षीय वृद्ध महिला के साथ दुष्कर्म किया। बताया गया कि शुभम नाथ नामक युवक ने एक 70 साल की वृद्ध महिला को सड़क से उठा लिया और उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के समय वृद्ध महिला एक शादी समारोह में शरीक होकर पैदल घर लौट रही थी। वृद्ध महिला की शिकायत के आधार पर पुलिस ने बलात्कार के आरोप में शुभम नाथ को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस दर्ज प्राथमिकी के आधार पर गिरफ्तार आरोपी से सघन पूछताछ कर रही है।

आठगांव फ्लाईओवर की हालत पुनः बदहाली की ओर

गुवाहाटी (नसं)। आठगांव फ्लाईओवर की हालत कुछ दिनों पहले बहुत बुरी तरह से बदहाल हो गई थी। समाचार पत्रों में लगातार खबरें छपने के बाद तुरंत मरम्मत कर के फ्लाईओवर पर बने गड्ढों को भर दिया गया एवं सड़क को भी दुरुस्त कर दिया गया था। मगर चंद महीनों के बाद ही पुनः स्थिति पहले जैसी ही होनी शुरू हो गई। जो गड्ढे भरे गए थे वह पुनः बदहाली की ओर खिसकने लग गए। गड्ढों की वजह से बड़े-बड़े पानी के टैंकरों का पानी टंकी से उछलकर गिर जाता है। जिसके चलते पूरा इलाका में पानी फैल जाता है। यह वाकया रोज सुबह देखने को मिल जाता है। स्थानीय लोगों से पानी के रिसाव के बारे में पूछने पर बताया कि जब पानी से भरे टैंकर इन गड्ढों में फंसकर जोर से उछलते हैं तो टंकी का पानी छलक कर फ्लाईओवर पर गिरता है जो सड़क पर फैल जाता है। धीरे-धीरे गड्ढों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। इससे यह लग रहा है कि फ्लाईओवर की मरम्मत का काम सिर्फ खानापूर्ति के लिए ही किया गया था।

कोकराझाड़ में पहला इंटरनेशनल थिएटर फेस्टिवल

कोकराझाड़ (निसं)। बोडोलैंड में पहली बार सप्ताह भर चलने वाला अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच महोत्सव शनिवार शाम से कोकराझाड़ के बोडोफा सांस्कृतिक परिसर में शुरू होगा। भारत के सात राज्यों के थिएटर ग्रुप के अलावा श्रीलंका और नेपाल के थिएटर ग्रुप इस थिएटर फेस्टिवल में भाग लेंगे। सांस्कृतिक भव्यता दिखाने के लिए युद्धस्तर पर व्यापक तैयारियां चल रही हैं। बोडोफा सांस्कृतिक परिसर के परिसर में एक कलाकारों का गांव बनाया गया है। कोकराझाड़ का लवर्गी थिएटर ग्रुप (एलटीजी) सिनेमा और थिएटर विभाग, बीटीसी के सहयोग से मेगा थिएटर फेस्टिवल का आयोजन कर रहा है। लरगी थिएटर ग्रुप के अध्यक्ष स्वामी ब्रह्मा ने कहा कि असम, पश्चिम बंगाल, नई दिल्ली, केरल, झाड़खंड, मणिपुर और महाराष्ट्र के थिएटर ग्रुप सप्ताह भर चलने वाले फेस्टिवल में भाग लेंगे और नेपाल और श्रीलंका की दो टीमें भी इसमें भाग लेंगी। भाग लेना। उन्होंने कहा कि बीटीआर से तीन थिएटर ग्रुप होंगे, असम, मणिपुर और अन्य राज्यों से एक-एक। अब तक नामांकित थिएटरों की कुल संख्या 13 है। उन्होंने कलाकारों और आने वाले युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए सभी से आने और मेगा सांस्कृतिक प्रदर्शन का आनंद लेने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी कहा कि सप्ताह भर चलने वाले महोत्सव में विभिन्न विषयों पर पैनल चर्चा होगी।

नाबालिग से बलात्कार के आरोप में दो गिरफ्तार

माजुली (हि.स.)। जिले के जोरबिल इलाके में नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। रविवार को पुलिस ने बताया कि जिले के जोरबिल सोनापुर इलाके में एक 13 साल की बच्ची के साथ दो युवकों ने दुष्कर्म किया। दोनों बच्ची को बेहोशी की हालत में छोड़कर फरार हो गए। होश आने के बाद लड़की घर पहुंची और घटना की जानकारी अपने परिजनों को दी। गंभीर अवस्था में नाबालिग लड़की को जोरहाट मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बच्ची के परिजनों ने गड़मुड़ पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई, जिसके बाद पुलिस ने आरोपी मानस भरारी और रातूल भराली को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस दोनों आरोपितों से सघन पूछताछ कर रही है।

पूसीरे की अगरतला-सिकंदराबाद-अगरतला स्पेशल ट्रेन की सेवा जारी

गुवाहाटी (विभास)। पूर्वोत्तर सीमा रेल ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के लिए साप्ताहिक अगरतला-सिकंदराबाद-अगरतला स्पेशल ट्रेन की सेवा 6 फरवरी से 3 मार्च, 2023 तक जारी रखने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन मौजूदा ठहराव, समय और संयोजन के साथ विस्तारित सेवा अवधि के दौरान दोनों दिशाओं में चार ट्रिपों के लिए चलेगी। ट्रेन संख्या 07030 (सिकंदराबाद-अगरतला) स्पेशल की सेवाओं को 6 से 27 फरवरी, 2023 तक 4 ट्रिपों के लिए बढ़ा दिया गया है। यह ट्रेन सिकंदराबाद से प्रत्येक सोमवार को 16:35 बजे रवाना होती है और अगरतला गुरुवार को 03:00 बजे पहुंचती है। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 07029 (अगरतला-सिकंदराबाद) स्पेशल 10 फरवरी से 3 मार्च, 2023 तक 4 फेरों के लिए अपनी सेवा का विस्तार करेगी। यह ट्रेन अगरतला से प्रत्येक शुक्रवार को 06:10 बजे रवाना होती है और रविवार को 16:15 बजे सिकंदराबाद पहुंचती है। यह विशेष ट्रेन वाया गुंटूर, विजयवाड़ा, विशाखपट्टणम, खोरधा रोड, भुवनेश्वर, कटक, खड़गपुर जंक्शन, मालदा टाउन, न्यू जलपाईगुड़ी जंक्शन, न्यू बंगाईगांव जंक्शन (वाया गोवालपारा टाउन होकर), गुवाहाटी, बदरपुर जंक्शन, न्यू करीमगंज और धर्मनगर रेलवे स्टेशनों से होकर चलती है। अगरतला-सिकंदराबाद-अगरतला स्पेशल ट्रेन में 20 कोच हैं, जिनमें लगेज कम गार्ड वैन के अलावा एसी 2-टीयर, एसी 3-टीयर, स्लीपर क्लास, जनरल सेकंड क्लास कोच शामिल हैं। इस ट्रेन का ठहराव तथा समय-सूची का विवरण आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर उपलब्ध है तथा विभिन्न समाचारपत्रों और पू. सी. रेल के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर भी अधिसूचित की जा रही है। यात्रियों से अपनी यात्रा शुरू करने से पहले इन विवरणों पर ध्यान देने का अनुरोध किया जाता है।

महानगर में *किशना* का बिजनेस कलस्टर मीट आयोजित

गुवाहाटी। हरि कृष्णा ग्रुप की भारतीय बाजार की लोकप्रिय ब्रांड किशना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी का बिजनेस कलस्टर मीट विवांता होटल गुवाहाटी में आयोजित किया गया। भारतीय बाजार में किसना डायमंड ज्वेलरी पिछले 18 वर्षो से उपलब्ध हैं कंपनी की ज्वेलरी कश्मीर से कन्याकुमारी एवं अरूणांचल से राजस्थान तक करीबन 3000 से ज्यादा आउटलेट में उपलब्ध हैं। पिछले साल से कंपनी ने फ्रेंचाइजी मॉडल में काम करना शुरू किया हैं जिसमें अभी तक बंगाल में सिलीगुड़ी, तेलंगाना में हैदराबाद, हरियाणा में हिसार, उत्तर प्रदेश में अयोध्या जैसे बड़े शहरों में संचालित हो चुके हैं और कुछ ही समय में भारत के अन्य बड़े शहरों में करीबन 50 आउटलेट खोलने की योजना हैं। गुवाहाटी के कलस्टर मीट में नॉर्थईस्ट के 7 राज्यों से किसना से जुड़े ज्वेलर्स शामिल हुए थे। किसना कलस्टर मीट में त्रिपुरा के अगरतला एवं मणिपुर के इम्फाल हेतु फ्रेंचाइजी करार साइन किया गया। कंपनी की प्राथमिकता उनके साथ जुड़े पुराने ज्वेलर्स को ही फ्रेंचाइजी देने का हैं जिसमे स्वर्णकमल ज्वेलर्स अगरतला के गोपाल नाग एवं दिवाकर नाग और इम्फाल से क्नष्ट॥ वेंचर्स के प्रेमजित सिंह से करार हुआ। किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी के फाउंडर एवं हरि कृष्णा ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर घनश्याम भाई ढोलकिया ने बताया की हम भारत के हर परिवार को असली हीरे जड़ित गहनें वाजिब दाम में बेहतर सर्विस के साथ उपलब्ध कराएंगे। कंपनी के डायरेक्टर पराग शाह ने ब्रांड की मुख्य विशेषताओं के साथ विजन को प्रस्तुत किया। कंपनी का मानना हैं की हमसे जुड़े हुए सभी ज्वेलर्स का ग्रोथ कैसे हो इस पर मिलकर चर्चा करें और साथ में आगे बढ़े जिस हेतु इस तरह के कलस्टर मीट का आयोजन किया जा रहा हैं जिसे नियमित रूप से करने का विचार हैं। किसना की शुरूआत 2005 में की गई हैं जिसमें न्यूनतम 6000 रुपए से ज्वेलरी की शुरूवात होती हैं जो लाखों रुपए तक उपलब्ध हैं। कंपनी के द्वारा 90प्रतिशत वापसी एवं 95प्रतिशत एक्सचेंज की सुविधा दी जा रही हैं। इस तरह की सुविधा से आम आदमी भी अपने परिवार के लिए असली हीरे के गहने खरीद सकता हैं। कलस्टर मीट में बिजनेस ग्रोथ और विजन के साथ नई डिजाइंस भी प्रदर्शित की गई जिससे ज्वेलर्स अपने ग्राहकों की पसंद के अनुसार छांटकर खरीद सकें और अपने स्टोर पर उपलब्ध करा सकें।

कांग्रेस की हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा 2 से

गुवाहाटी (विभास)। असम कांग्रेस 2 फरवरी को असम की बराक घाटी में हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा शुरू करने के लिए तैयार है, असम कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष जाकिर हुसैन सिकदर ने रविवार को घोषणा की।यह यात्रा भारत जोड़ो यात्रा का अनुवर्ती है और इसका उद्देश्य कांग्रेस नेता के अनुसार घर-घर अभियान के माध्यम से मोदी सरकार की विफलताओं के बारे में लोगों तक पहुंचना है।एएनआई से बात करते हुए, सिकदर ने कहा कि हमने 26 जनवरी को गुवाहाटी में हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा शुरू की है, जहां असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा भी मौजूद थे। हम फरवरी को बराक घाटी से यात्रा शुरू करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि एआईसीसी महासचिव जितेंद्र सिंह पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं के साथ इस यात्रा में हिस्सा लेंगे। उन्होंने आगे कहा कि मंडल में चल रही यात्रा राज्य के हर जिले को कवर करेगी।

विश्वनाथ में सुदर्शन सेवा संस्कृति न्यास का नि:शुल्क चिकित्सा शिविर संपन्न

विश्वनाथ (निसं)। सूदर्शन सेवा संस्कृति न्यास द्वारा गरीब, पीड़ित, वंचित, रोगियों के लिए उत्थान के लिए हमेशा ही सराहनीय कार्य करते आया है। विश्वनाथ जिला सूदर्शन सेवा संस्कृति न्यास ने भी शनिवार को विशेष पहल से चाय बागानों के लोगों को विभिन्न रोगग्रस्त को नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। यह शिविर विश्वनाथ जिले के बाघमारा प्रखंड के मोनाबाड़ी चामार बस्ती के कॉल प्राथमिक विद्यालय में आयोजित हुआ जिसमें सर्वप्रथम प्रधानाचार्य दिगंत हाजरिका ने दीप प्रज्वलित किया। इस दीप प्रज्वलन कार्यक्रम में सहयोग के रूप में विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष दिलिराम महाली, बाघमारा प्रखंड प्रमुख अभिजीत चौधरी,सूदर्शन सेवा संस्कृति न्यास के द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विश्वनाथ सह- सेवा प्रमुख डॉ .सरजीत दास, विश्वनाथ प्रचारक प्रकाश बरुआ, नगर कार्यवाह अपूर्व दास, सह जिला बौद्धिक प्रमुख दीपंकर देवनाथ, नगर प्रचार प्रमुख भास्कर ज्योति वैश्य और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। सर्वप्रथम रोगियों का पंजीकरण कराया गया। इस कार्यक्रम में सहयोग के रूप में बिहाली प्रखंड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के द्वारा नियोजित चिकित्सक डॉ. पंकज उपाध्याय, डॉ.मोफिदूल इस्लाम, डॉ .रीचा शर्मा द्वारा 96 मरीजों को स्वास्थ सेवा प्रदान की। इधर विश्वनाथ जिला के सूदर्शन सेवा संस्कृति न्यास द्वारा चारू होमियो के सुचिकित्सक डॉ. सरजीत दास द्वारा मरीजों को होमियोपैथी चिकित्सा का विशेष पहल 147 रोगी को जांचा जिसमें वरिष्ठ रोगी, लीवर, रक्त की कमी, पौष्टिक, एनेमिया, रक्तचाप, मुधमेह आदि रोग शामिल था। इस निशुल्क चिकित्सा शिविर को सुचारू रूप से सफल बनाने में सहायक नर्स क्रमश: पोली बोरा, हसिना खातुन, औषधज्ञ बेलयूर हुसैन, स्वास्थ्य कार्यकर्ता राजीव भराली और विश्वनाथ चाराली के मशहूर चिकित्सा प्रतिष्ठान चारू होमियो के सभी स्वास्थ्य कर्मी और कर्मचारी ने पूर्ण सहयोग की। इस निशुल्क चिकित्सा शिविर में कुल 243 मरीजों को दवा और इलाज प्रदान की गई।

नाबार्ड, महिला एसएचजी सदस्यों के लिए प्रायोजित करेगी ब्यूटीशियन तकनीक प्रशिक्षण

होजाई (निसं)। नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट (नाबार्ड), असम क्षेत्रीय कार्यालय, गुवाहाटी ब्यूटीशियन तकनीक गतिविधि पर एक सूक्ष्म उद्यम विकास कार्यक्रम (एमईडीपी) प्रशिक्षण प्रायोजित कर रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन राजेंद्र पेरना, डीडीएम-नाबार्ड द्वारा शुक्रवार को नगांव, मीसा के मिलन संघ के बहुउद्देशीय हॉल में बीडीओ, पचिम कलियाबोर ब्लॉक की उपस्थिति में एएसआरएलएम के ब्लॉक समन्वयक, बैंक अधिकारियों के साथ मुख्य अतिथि के रूप में किया गया। और मास्टर ट्रेनर निजुमोनी बोराह सहित कार्यान्वयन एजेंसी होजाई उन्नयन मंच (एचयूएम) के प्रतिनिधि। उद्घाटन भाषण के दौरान, राजेंद्र पेरना, डीडीएम-नाबार्ड ने सूचित किया कि कौशल की कमी को दूर करने और परिपक्व एसएचजी सदस्यों द्वारा की जा रही उत्पादन गतिविधियों के अनुकूलन को सुविधाजनक बनाने के लिए, नाबार्ड वर्ष से आवश्यकता-आधारित, ऑन-लोकेशन एमईडीपी का समर्थन कर रहा है। उन्होंने कहा कि ब्यूटीशियन तकनीक गतिविधि पर एमईडीपी प्रशिक्षण नागांव जिले के पचिम कलियाबार विकास खंड में रहने वाले परिपक्व एसएचजी के 30 सदस्यों के लिए आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि रिकॉर्ड और बुक कीपिंग, एंटरप्राइज मैनेजमेंट, बिजनेस डायनामिक्स आदि पर प्रशिक्षण सत्रों के अलावा, एमईडीपी प्रशिक्षण में बाल काटने वाली कैंची, फेशियल किट, वैक्स पैड, मोम, कंघी, थ्रेडिंग थ्रेड, शैंपू कंडीशनर, पर व्यावहारिक सत्र होंगे। डमी, नेल आर्ट आदि और प्रशिक्षण से प्रशिक्षुओं के तकनीकी और उद्यमशीलता कौशल का उन्नयन होगा ताकि वे बेहतर कमाई के लिए सूक्ष्म इकाइयां शुरू कर सकें। डीडीएम-नाबार्ड ने सभी बैंकरों से अनुरोध किया कि वे आगे आएं और इच्छुक प्रशिक्षुओं को या तो समूह वित्तपोषण के माध्यम से या मुद्रा ऋण या पीएमईजीपी ऋण के माध्यम से ऋण सहायता प्रदान करें, ताकि वे अपनी सूक्ष्म इकाइयां स्थापित कर सकें। सुजय कु. दत्त, सचिव-एचयूएम ने प्रतिभागियों का स्वस्थ और सुंदरता के साथ मार्गदर्शन किया और महिला जनता के विकास के लिए इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजन में नाबार्ड के समर्थन की प्रशंसा की। बैंकरों ने भी उन सदस्यों/समूहों का समर्थन करने की इच्छा व्यक्त की है जो गैर-चूककर्ता हैं, जिनका सिविल स्कोर अच्छा है और जो विभिन्न आय सृजन गतिविधियों को आगे बढ़ाने में रुचि रखते हैं। उद्घाटन कार्यक्रम सुजय कुमार दत्त के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ समाप्त हुआ। इस कि जानकारी होजाई उन्नयन मंच के सचिव सुजय कुमार दत्त के माध्यम से एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा दी गई।

विश्व हिंदू परिषद, विश्वनाथ जिला समिति की महत्वपूर्ण सभा संपन्न

विश्वनाथ (निस)। विश्व हिंदू परिषद विश्वनाथ जिला समिति का आज विश्वनाथ चाराली नगर के चौराहे पर स्थित ठाकुरबाड़ी मंदिर के प्रांगण में आज अपराह्न 3 बजे महत्वपूर्ण सभा हुई। इस सभा जिला समिति के पदाधिकारी, प्रखंड समिति के पदाधिकारी, खंड समिति और बजरंग दल के कार्यकर्ता के उपस्थिति में प्रभारी के रूप में उत्तर पूर्व प्रांत सहकारी सचिव विधानचंद्र देवरय, तेजपुर विभाग संगठन मंत्री शशीकांत पांडे मौजूद थे। सर्वप्रथम विश्वनाथ जिला समिति के सचिव इंद्रजीत गुप्ता ने अतिथि को मंचासिन कराया। इसके बाद ठाकुरबाड़ी मंदिर निर्माण समिति के सचिव प्रभुनाथ सिंह ने भारत माता, प्रभु रामचंद्र और गुरु जी के प्रतिछवि में दीप प्रज्वलित कर सभा का शुभारंभ किया, जिसमें विश्वनाथ जिला समिति के अध्यक्ष स्वपन राजखोवा ने सहयोग किया। इसके बाद अतिथि प्रभुनाथ सिंह, विधानचंद्र देवरय, शशीकांत पांडे और असम प्रदेश जय भारत मंच के अध्यक्ष अवध वर्मा को फुलाम गामोछा से अभिनंदन किया गया। सभा के अध्यक्ष स्वपन राजखोवा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा विश्व हिंदू परिषद् के विश्वनाथ जिला के सांगठनिक नींव को मजबूत करने और धर्म रक्षा निधि से ही संगठन आगे बढ़ेगा। इसके प्रभारी के रूप में उपस्थित विधान चंद्र देवरय ने कहा वर्तमान विश्वनाथ जिला समिति के पांच प्रखंड समिति में चार प्रखंड का ही गठन हुआ और जिला समिति के 16 पदाधिकारी का पद पूर्ण कर दायित्व का पालन करना चाहिए। विश्व हिंदू परिषद के जो आयाम है, वह दायित्व से कार्य करेंगे तभी यह संगठन आगे बढ़ेगा। उन्होंने हिंदू धर्म में हो रहे विभिन्न गंभीर विषयों पर चर्चा की।सभी हिंदू को संगठित होने का आह्वान किया। तेजपुर विभाग संगठन मंत्री शशीकांत पांडे ने जय राम का ध्वनि का जयकारा लगाते हुए कहा सभी को विश्व हिंदू परिषद के कार्य करने पहले अपने परिवार,गांव और समाज के हिंदू लोगों को संगठित करना पड़ेगा और अपने को हिंदू कहकर संबोधित करने से ही हम आगे बढ़ पाएंगे। इसी सभा में जिला सचिव इंद्रजीत गुप्ता ने विश्व हिंदू परिषद विश्वनाथ जिला खाली हुए (पद) आयाम को सर्वसम्मति से प्रभुनाथ सिंह को विश्वनाथ नगर प्रखंड अध्यक्ष, किशोर कुमार डेका को विश्वनाथ जिला बजरंग दल संयोजक, शांति भूषण दूबे को धर्माचार्य अर्चक पुरोहित प्रमुख, रामानंद रौनियार विश्वनाथ नगर प्रखंड उपाध्यक्ष, सुशील रौनियार विश्वनाथ नगर प्रखंड सचिव,बजरंग रौनियार को विश्वनाथ जिला समिति के कोषाध्यक्ष, दामोदर शर्मा को विश्वनाथ जिला का सामाजिक समरसता प्रमुख, अजय पातर को साकोमठा प्रखंड बजरंग दल संयोजक, संगीता रौनियार विश्वनाथ (ग्राम्य) मातृ शक्ति प्रमुख, सपोनटी बरठाकुर को विश्वनाथ जिला का धर्मचार्य संपर्क प्रमुख, डिंबेश्वर भट्टाचार्य विश्वनाथ ग्राम्य प्रखंड के उपाध्यक्ष, हेमंत छेत्री बाघमारा प्रखंड के सहायक सचिव, छेदी पटेल को विश्वनाथ जिला का कार्यकरी सदस्य, भरत दीप को विश्वनाथ धर्म प्रचार-प्रसार प्रमुख के रूप में घोषित किया। इस मौके पर विश्वनाथ ग्राम्य प्रखंड के अध्यक्ष सूर्य नारायण पाण्डेय, विश्वनाथ जिला प्रचार प्रमुख संतोष कुमार महतो, गहपुर नगर प्रखंड के अध्यक्ष प्रवीण शर्मा, विश्वनाथ जिला के उपाध्यक्ष क्रमश: चित्तरंजन शर्मा, सीमांत शइकीया, मठ-मंदिर प्रमुख शिबू चंद्र दे और गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

पद्म पुरस्कार विजेताओं के प्रेरक जीवन विस्तार से जानें और साझा करें : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में लोगों से अनुरोध किया कि वे इस बार के पद्म पुरस्कार विजेताओं के प्रेरक जीवन के बारे में विस्तार से जानें और इस जानकारी को दूसरों के साथ भी साझा करें। प्रधानमंत्री ने मन की बात के 97वें संस्करण में कहा कि जनजातीय समुदायों में काम करने वाले, उनसे जुड़ी चीजों के संरक्षण और शोध करने वाले, पारंपरिक वाद्य यंत्र की धुन बिखेरने वाले और नॉर्थ-ईस्ट में अपनी संस्कृति के संरक्षण में लगे लोगों को इस बार प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। हम सबको इस पर गर्व होना चाहिए। उदाहण देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि संतूर, बम्हुम, द्वितारा जैसे हमारे पारंपरिक वाद्ययंत्र की धुन बिखेरने में महारतगुलाम मोहम्मद जाज, मोआ सु-पोंग, री-सिंहबोर कुरका-लांग, मुनि-वेंकटप्पा और मंगल कांति राय की चारों तरफ चर्चा हो रही है। टोटो, हो, कुइ, कुवी और मांडा जैसी जनजातीय भाषाओं पर काम करने वाले कई महानुभावों को पद्म पुरस्कार मिले हैं। धानीराम टोटो, जानुम सिंह सोय और बी. रामकृष्ण रेड्डी के नाम से अब पूरा देश परिचित हो गया है। सिद्धी, जारवा और ओंगे जैसी आदि-जनजाति के साथ काम करने वाले लोगों को भी इस बार सम्मानित किया गया है। जैसे - हीराबाई लोबी, रतन चंद्र कार और ईश्वर चंद्र वर्मा जी। कांकेर में लकड़ी पर नक्काशी करने वाले अजय कुमार मंडावी और गढ़चिरौली के प्रसिद्ध झाडीपट्टी रंगभूमि से जुड़े परशुराम कोमाजी खुणे को भी ये सम्मान मिला है। इसी प्रकार नॉर्थ-ईस्ट में संस्कृति के संरक्षण में जुटे रामकुईवांगचे निउमे, बिक्रम बहादुर जमातिया और करमा वांगचु को भी सम्मानित किया गया है।

लोकतंत्र की जननी है भारत- प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को लोकतंत्र की जननी बताया और कहा कि भारतीय समाज स्वभाव से ही एक लोकतांत्रिक समाज है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और हम भारतीयों को इस बात का गर्व भी है कि हमारा देश लोकतंत्र की जननी है। स्वभाव से ही हम एक लोकतांत्रिक समाज है। प्रधानमंत्री ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर ने बौद्ध भिक्षु संघ की तुलना भारतीय संसद से की थी। उन्होंने उसे एक ऐसी संस्था बताया था, जहां के प्रस्ताव, संकल्प, कोरम, मतदान और वोटों की गिनती के लिए कई नियम थे। बाबासाहेब का मानना था कि भगवान बुद्ध को इसकी प्रेरणा उस समय की राजनीतिक व्यवस्थाओं से मिली होगी। तमिलनाडु में एक छोटा, लेकिन चर्चित गांव है उतिरमेसर, यहां ग्यारह-बारह सौ साल पहले का एक शिलालेख दुनियाभर को अचंभित करता है। यह शिलालेख एक छोटा संविधान की तरह है। इसमें विस्तार से बताया गया है कि ग्राम सभा का संचालन कैसे होना चाहिए और उसके सदस्यों के चयन की प्रक्रिया क्या हो। हमारे देश के इतिहास में लोकतांत्रिक मूल्यों का एक और उदाहरण है

12वीं सदी के भगवान बसवेश्वर का अनुभव मंडपम, यहां मुक्त चर्चा और विमर्श को प्रोत्साहन दिया जाता था। आपको यह जानकार हैरानी होगी कि यह राजा जॉन द्वारा दिए गए राजनीतिक अधिकारों के रॉयल चार्टर (माग्ना कार्टा) से भी पहले की बात है।

मोटा आनाज बन रहा लोगों के जीवन का हिस्सा- प्रधानमंत्री ने कहा कि योग और सेहत के साथ अब ह्यमोटा अनाजह्न भी लोगों के जीवन का हिस्सा बन रहा है और लोग इसे अपना प्रमुख आहार बना रहे हैं। प्रधानमंत्री ने इस दौरान नौकरी छोड़ मोटा अनाज की प्रसंस्करण इकाई बनाने वाले आंध्र प्रदेश के के.वी. रामा सुब्बा रेड्डी, किसानों को मोटा अनाज से जुड़ी स्मार्ट कृषि की प्रशिक्षण देने वाली महाराष्ट्र में अलीबाग के पास केनाड गांव की रहने वाली शमीर्ला ओसवाल का उदाहरण दिया। उन्होंने इनके लिए मिलेटप्रेन्योर शब्द का प्रयोग किया और कहा कि आदिवासी जिले सुंदरगढ़ की करीब डेढ़ हजार महिलाएं स्वयं सहायता समूह से रसगुल्ला, गुलाब जामुन और केक तक बना रही हैं। कर्नाटक के कलबुर्गी में अलंद भूताई मिलेट्स फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी मोटा अनाज से खाकरा, बिस्कुट,लड्डू बना रही हैं। यह लोगों को बहुत पसंद आ रहे हैं।

खेलों को लेकर जम्मू-कश्मीर के युवाओं में खासा उत्साह-हाल ही में आयोजित विंटर गेम्स का उदाहरण देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि खेलों को लेकर जम्मू-कश्मीर के युवाओं में खासा उत्साह है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि अगली बार जब आप कश्मीर की यात्रा की योजना बनाएं तो इन तरह के आयोजनों को देखने के लिए भी समय निकालें।उन्होंने बताया कि कश्मीर के सय्यदाबाद में विंटर गेम्स आयोजित किए गए। इन खेलों का स्नो क्रिकेट विशेष आकर्षण रहा। इसके जरिए कश्मीर में ऐसे युवा खिलाड़ियों की तलाश भी होती है, जो आगे चलकर टीम इंडिया के तौर पर खेलेंगे। ये भी एक तरह से खेलो इंडिया मूवमेंट का ही विस्तार है।

गोवा में दिव्यांगजनों के लिए हुए एक अनोखे पर्पल फेस्ट- प्रधानमंत्री ने दिव्यांगजनों के लिए हाल ही में गोवा में हुए एक अनोखे पर्पल फेस्ट का उल्लेख किया। उन्होंने दिव्यांग भाई-बहनों के लिए गोवा के सुलभ समुद्र तटों में एक मीरामार बीच के बारे में बात की जहां आयोजित पर्पल फेस्ट में 50 हजार से भी ज्यादा हमारे भाई-बहन इसमें शामिल हुए।

जैव विविधता के संरक्षण की दिशा में ठोस प्रयास - प्रधानमंत्री ने ई-कचरे के उचित प्रबंधन के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि ई-कचरे का उचित निपटान एक सर्कुलर अर्थव्यवस्था बनाने के लिए एक बड़ी ताकत बन सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत जैव विविधता के संरक्षण की दिशा में ठोस प्रयास कर रहा है। इन प्रयासों का ही नतीजा है कि 2014 में जहां रामसर साइट्स (वेटलैंड्स) 26 थीं, अब यह बढ़कर 75 हो गई हैं। इसके लिए स्थानीय समुदाय बधाई के पात्र हैं, जिन्होंने इस जैव विविधता को संजोकर रखा है। यह प्रकृति के साथ सद्भावपूर्वक रहने की सदियों से हमारी पुरानी संस्कृति और परंपरा का भी सम्मान है। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम की शुरूआत में कहा कि कर्तव्य पथ पर आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह के बारे में देशभर के लोगों ने पीएम के साथ अपने विचार साझा किए हैं। इस परेड में पहली बार हिस्सा लेने वाली महिला ऊंट सवारों और सीआरपीएफ की महिला टुकड़ी की भी सराहना हो रही है। गणतंत्र दिवस समारोह में अनेक पहलुओं की काफी प्रशंसा हो रही है। जैसलमेर से पुल्कित ने उन्हें लिखा है कि 26 जनवरी की परेड के दौरान कर्तव्य पथ का निर्माण करने वाले श्रमिकों को देखकर बहुत अच्छा लगा। कानपुर से जया ने लिखा है कि उन्हें परेड में शामिल झांकियों में भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को देखकर आनंद आया।

राहुल गांधी ने लाल चौक में फहराया तिरंगा, भारत जोड़ो यात्रा अपने अंतिम पड़ाव पर

श्रीनगर, (हि.स.)। कन्याकुमारी से शुरू होकर भारत जोड़ो यात्रा रविवार को अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गई है। श्रीनगर पहुंचने पर राहुल गांधी ने लाल चौक पर तिरंगा फहराया। इस मौके पर विजयी विश्व तिरंगा प्यारा से श्रीनगर गूंज उठा। सोमवार को शेरे-कश्मीर क्रिकेट स्टेडियम में सार्वजनिक रैली के साथ ही इस यात्रा का समापन हो जायेगा। श्रीनगर पहुंचने पर बड़ी संख्या में लोगों ने राहुल गांधी के साथ शामिल होकर भारत जोड़ो यात्रा का स्वागत किया। यात्रा सुबह पंथा चौक से शुरू थी, जो श्रीनगर शहर के बुलेवार्ड रोड पर नेहरू पार्क के पास समाप्त होगी। सोमवार को शेरे-कश्मीर स्टेडियम में सार्वजनिक रैली की जाएगी, जिसमें कई विपक्षी नेताओं के शामिल होने की संभावना है। इस समापन रैली में लगभग 23 विपक्षी राजनीतिक दलों को आमंत्रित किया गया है। यात्रा को देखते हुए सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के बीच रविवार सुबह चुरसू गांव अवंतिपोरा से यह यात्रा शुरू हुई थी। शनिवार को पुलवामा से पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती, उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती और पार्टी से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता राहुल के साथ यात्रा में शामिल हुए थे। इसके अलावा पुलवामा में ही प्रियंका गांधी भी शामिल हुईं थीं। राहुल गांधी ने अपनी यह यात्रा 7 सितंबर को कन्याकुमारी से शुरू की थी।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष साबा कोरोसी तीन दिवसीय यात्रा पर पहुंचे नई दिल्ली

अजय कुमार

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष साबा कोरोसी अपनी तीन दिवसीय यात्रा पर रविवार को नई दिल्ली पहुंचे। पिछले साल सितंबर में कार्यभार संभालने के बाद यह उनकी किसी देश की पहली द्विपक्षीय यात्रा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यात्रा वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र के समक्ष पेश आ रही वैश्विक चुनौतियों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का एक अवसर प्रदान करेगी। विदेश मंत्रालय के अनुसार साबा कोरोसी आज नई दिल्ली में बीटिंग द रिट्रीट सेरेमनी का हिस्सा बनेंगे और कल 30 जनवरी को राजघाट पर महात्मा गांधी को उनकी पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष राजधानी दिल्ली में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से मुलाकात करेंगे। इस भेंट वार्ता के दौरान दिसंबर में उनकी पिछली बैठक में उठाए गए विषयों पर चर्चा जारी रहने की उम्मीद

है। उनमें महासभा की चल रही प्राथमिकताएं और संयुक्त राष्ट्र संगठन के साथ भारत की साझेदारी शामिल है। महासभा अध्यक्ष कोरोसी भारत के जी20 सचिवालय का दौरा करेंगे और जी20 शेरपा अमिताभ कांत के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल से भेंट करेंगे, जिसके एजेंडे में इन प्राथमिकताओं के शामिल होने की उम्मीद है। कोरोसी नई दिल्ली में अपनी अन्य सार्वजनिक उपस्थितियों के बीच वर्तमान महासभा सत्र के लिए अपनी प्राथमिकताओं के विषय पर विश्व मामलों की भारतीय परिषद में एक सार्वजनिक भाषण देंगे, जिसका विषय है- एकजुटता, स्थिरता और विज्ञान के माध्यम से समाधान। महासभा अध्यक्ष नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर ट्रांसफॉर्मेशन इंडिया के वरिष्ठ अधिकारियों और विशेषज्ञों के साथ भारत की जल संरक्षण परियोजनाओं पर चर्चा करेंगे। इसे नीति आयोग के नाम से भी जाना जाता है। नीति आयोग की प्राथमिक जिम्मेदारी भारत में सतत विकास लक्ष्यों के प्रयासों को लागू करना और समन्वय करना है। महासभा अध्यक्ष बेंगलुरू में भी कुछ कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे, जहां उनके एक जल परियोजना स्थल का दौरा करने की उम्मीद है। शहर में रहते हुए, वे भारतीय विज्ञान संस्थान में राष्ट्रीय वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों के साथ भी बातचीत करेंगे। कोरोसी भारत में संयुक्त राष्ट्र के रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर शॉम्बी शार्प से भी मुलाकात करेंगे। कोरोसी के साथ आए प्रतिनिधिमंडल में उनके कैबिनेट प्रमुख लास्ज्लो स्जोके, मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार जोहान्स कल्मन और कार्यालय के दो वरिष्ठ सहयोगी शामिल हैं।

दिल्ली में हमले की फिराक में खालिस्तानी आतंकी, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

नई दिल्ली, (हि.स.)। राजधानी दिल्ली में खालिस्तानी संगठनों से जुड़े पोस्टर और वीडियो वायरल होने के बाद से सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई है। कई मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि एजेंसियों को खालिस्तानी आतंकवादियों के सक्रिय होने और राजधानी में आतंकी हमला करने की सूचना भी मिली है, जिसके बाद से सभी सुरक्षा एजेंसियों को सक्रिय कर दिया गया है। सूत्रों की माने तो दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न इलाकों में कई खालिस्तानी स्लीपर सेल सक्रिय हैं। सुरक्षा एजेंसियों के सूत्रों के मुताबिक, यह स्लीपर सेल दिल्ली एनसीआर के क्षेत्र में आतंकी घटनाओं को वारदात देने की फिराक में घूम रहे हैं। हाल के दिनों में पश्चिमी दिल्ली के विकासपुरी, जनकपुरी, पश्चिम विहार, पीरागढ़ी समेत कई इलाकों में खालिस्तान समर्थक पोस्टर लगाए गए थे और दीवारों पर नारे लिखे गए थे। इतना ही नही सोशल मीडिया पर इस संबंध में वीडियो भी वायरल हुए थे। ऐसे में सुरक्षा एजेंसियों को आशंका है कि किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए तैयारी चल रही है। वहीं सिख फॉर जस्टिस नामक संस्था ने एक वीडियो भी जारी किया था, जिसमें स्वतंत्रता-प्रेमी सिखों ने "खालिस्तान जिंदाबाद", "पंजाब बनेगा खालिस्तान" जैसे नारे लगाए थे। सिख फॉर जस्टिस ने घोषणा की थी कि वे 26 जनवरी तक दिल्ली को खालिस्तान जिंदाबाद के छापे से भर देंगे, उस अभियान के तहत पीरा गढ़ी चौक, रेडिसन होटल, पश्चिम बिहार, विकासपुरी, बास्को पब्लिक स्कूल, मीरा बाग स्कूल, पश्चिम विहार मार्केट और कई फ्लाईओवर और रोहतक रोड पर खालिस्तान जिंदाबाद, पंजाब बनेगा खालिस्तान जैसे नारे गणतंत्र दिवस से पहले लिखे गए थे। जिसे दिल्ली पुलिस ने तुरंत ही हटवा दिया था और दीवारों पर दोबारा कलर करा दिया गया था। वहीं, इस मामले में पुलिस ने 120बी और दो समुदायों के बीच वैमनस्यता फैलाने की धारा 153बी के तहत मुकदमा भी दर्ज किया था।

अस्पताल को मिला न्यू कैजुअल्टी-इमरजेंसी वार्ड 1069 बेड पर सीधे ऑक्सीजन

अजय त्यागी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली के लोगों के लिए विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित करना दिल्ली सरकार की प्राथमिकता है। उसी के मद्देनजर उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शनिवार को गुरुतेग बहादुर अस्पताल में उन्नत ऑक्सीजन सुविधाओं के साथ एमसीएच (मातृत्व एवं बाल स्वास्थ्य) ब्लॉक में प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में नए कैजुअल्टी-इमरजेंसी और लेबर रूम का उद्घाटन किया। ये नई सुविधाएं मरीजों को बेहतर सुविधाएं देते हुए अस्पताल के मौजूदा लेबर रूम के भार को कम करेगा। ऑक्सीजन सुविधाओं के अपग्रेडेशन के साथ अस्पताल में अपनी ऑक्सीजन की मांग को कुशलतापूर्वक पूरा करने में सक्षम होगा। इस अवसर पर सीमापुरी के विधायक राजेंद्र पाल गौतम कोंडली के विधायक कुलदीप कुमार व गोकलपुरी के विधायक सुरेंद्र कुमार भी मौजूद रहे। जीटीबी अस्पताल में सुविधाओं का उद्घाटन करते हुएसिसोदिया ने कहा कि दिल्ली सरकार का स्वास्थ्य विभाग यह सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहा है कि दिल्ली के लोगों को दिल्ली सरकार के अस्पतालों में विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं मिले जो कि दिल्ली सरकार और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी की प्राथमिकता है। दिल्ली के स्वास्थ्य मॉडल को दुनिया भर में सराहना मिली है। हमारे अस्पतालों को अपग्रेड करना हमारे स्वास्थ्य मॉडल को और अधिक कुशल और शानदार बनाना इसी दिशा में एक और प्रयास है। नई सुविधाओं के बारे में उन्होंने कहा कि जीटीबी अस्पताल के एमसीएच ब्लॉक में प्रसूति और स्त्री रोग विभाग में नया कैजुअल्टी-इमरजेंसी एंड लेबर रूम सुनिश्चित करेगा कि गर्भवती महिलाओं माताओं और बच्चों को त्वरित और गुणवत्तापूर्ण आपातकालीन उपचार मिले।

सिसोदिया ने कहा कि जीटीबी अस्पताल में मेडिकल सुविधाओं में बढ़ोतरी होना हम सभी के लिए गर्व की बात है। ये अस्पताल न केवल दिल्ली बल्कि दिल्ली के आस-पास के कई गांवों-कस्बों-शहरों में रहने वाले लोगों को शानदार स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया करवाता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के साथ-साथ ये अस्पताल आसपास के इलाकों के लोगों को ये आत्मविश्वास दिया है कि अगर उन्हें अपने आसपास इलाज नहीं मिला तो जीटीबी अस्पताल में अच्छा इलाज जरूर मिलेगा। सिसोदिया ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी के नेतृत्व में हमारी कोशिश है कि हम दिल्ली में अधिक से अधिक मेडिकल सुविधाएं विकसित कर सकें। इसी दिशा में जीटीबी यहां 1912 बेड्स की क्षमता वाला अतिरिक्त ब्लॉक बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कितने भी षड्यंत्र हो जाए केजरीवाल सरकार दिल्ली में शिक्षा-स्वास्थ्य व जनहित के कार्य कभी रुकने नहीं देगी। इन्होंने एमसीडी चुनाव जीतने के लिए डॉक्टरों की सैलरी रोक दी मेडिकल स्टाफ की सैलरी रोक दी सारे काम रुकवा दिए। लेकिन मैं जनता को ये विश्वास दिलाना चाहता हूं कि चाहे जान चली जाए लेकिन अरविंद केजरीवाल जी जनता के काम रुकने नहीं देंगे।

पूर्वी दिल्ली की जनता को मुख्यमंत्री की सौगात, अब हर घर को मिलेगा नल से साफ और स्वच्छ जल

नई दिल्ली, (हि.स.)। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को पूर्वी दिल्ली की जनता को नए भूमिगत जलाशय की सौगात दी। अब इस इलाके में हर घर को नल से साफ और स्वच्छ जल मिलेगा। पटपड़गंज के आनंद लोक सोसायटी के पास आयोजित उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 110 लाख लीटर क्षमता के नवनिर्मित भूमिगत जलाशय एवं बूस्टर पम्पिंग स्टेशन जनता को समर्पित किया। इससे पांडव नगर, मयूर कुंज, प्रताप विहार, पटपड़गंज गांव व चिल्ला गांव समेत आठ कालोनियों और मयूर विहार फेज-1 की 31 सोसायटियों में जलापूर्ति होगी। केजरीवाल ने कहा कि पटपड़गंज और आसपास के इलाके में लोगों को अब पानी की दिक्कत नहीं होगी। 2015 में दिल्ली में 861 एमजीडी पानी का उत्पादन होता था और आज 990 एमजीडी हो रहा है। आप की सरकार ने पिछले सात साल में 129 एमजीडी पानी बढ़ाया है। यह बढ़ा पानी यूपी-हरियाणा ने नहीं दिया, बल्कि हमने ट्यूबवेल्स और रैनीवेल्स के जरिए जमीन से निकाल कर बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि 1997-98 में दिल्ली की 80 लाख आबादी के लिए करीब 800 एमजीडी पानी तय हुआ था। आज दिल्ली की आबादी 2.5 करोड़ होने के बाद भी उतना ही पानी मिल रहा है। अगर केंद्र सरकार पड़ोसी राज्यों से दिल्ली को 1300 एमजीडी पानी दिला दे तो वह 24 घंटे पानी घर-घर पहुंचा देंगे। हम पड़ोसी राज्यों से और पानी लेने की कोशिश करने के साथ ही अपने स्तर पर भी पानी बढ़ाने के लिए भू-जल रिचार्ज करने समेत अन्य प्रयास जारी रखेंगे।

वहीं इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि पटपड़गंज विधानसभा में लोगों को पानी की समस्या का सामना करना पड़ता था, लेकिन इस नए यूजीआर से यह समस्या दूर हो जाएगी। क्षेत्र समय के साथ जनसंख्या और पानी की मांग बढ़ी है। ऐसे में अधिकारियों से बात कर यहां मौजूद जल बोर्ड की जगह पर नए रिजर्वायर के माध्यम से पानी की बढ़ती मांग को पूरा किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों तक पानी पहुंचाने के लिए यहां चार किलोमीटर का एडिशनल पाइप लाइन बिछाया गया है और करीब 18 किलोमीटर की पाइप लाइन गलियों में बिछाई गई है। इस पाइप लाइन से शास्त्री नगर से खोखा पटरी के अंदर सारे कैंप से होते हुए शशि गार्डन और पटपड़गंज गांव को सप्लाई होगी तो पानी का प्रेशर भी ठीक होगा और क्वालिटी भी ठीक होगी। सिसोदिया ने कहा कि इस प्रोजेक्ट से पटपड़गंज, कोंडली और त्रिलोकपुरी तीनों विधानसभाओं को फायदा होगा। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी के नेतृत्व मे दिल्ली जल बोर्ड लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। पिछली सरकारों में 15 सालों में सिर्फ एक यूजीआर बनता था, लेकिन आम आदमी पार्टी की सरकार जबसे दिल्ली में आई है, तबसे 7 साल तक कुल 12 यूजीआर बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि जब मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी के कामों को धरातल पर उतरने से रोका जाता हो तब 7 साल में 12 यूजीआर बनाना कोई आसान बात नहीं है। यह हमारी सरकार के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। इस भूमिगत जलाशय की क्षमता 110 लाख लीटर की है। इसके मुख्य फीडर की लंबाई 4.1 किलोमीटर है, जबकि पेरिफेरल कीलंबाई 12.90 किलोमीटर है। इस भूमिगत जलाशय और पम्पिंग स्टेशन में सोनिया विहार के अलावा रेली वेल्स और ट्यूबबेल्स से पानी की आपूर्ति की जाएगी। इसमें कुल छह पम्प लगे हैं। जिसमें 4 पम्प संचालित किए जाएंगे और दो पम्प भविष्य की जरूरतों के लिए स्टैंड बाई में रखे गए हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उद्यान उत्सव का उद्घाटन किया

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को उद्यान उत्सव-2023 का उद्घाटन किया और इस दौरान अमृत उद्यान की शोभा बढ़ाई। उद्यान उत्सव हर वर्ष फरवरी और मार्च में आयोजित किया जाता है और इस दौरान राष्ट्रपति भवन के उद्यान को आम जनता के लिए खोला जाता है। अमृत उद्यान (इससे पहले मुगल गार्डन) आगंतुकों के लिए 31 जनवरी से 26 मार्च तक सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक खुला रहेगा। इसके अलावा प्रत्येक सोमवार, 1 व 2 मार्च को जी20 मीटिंग के दौरान और 8 मार्च को होली के दिन उद्यान बंद रहेगा। राष्ट्रपति भवन के अनुसार 28 मार्च से 31 मार्च तक उद्यान विशेष श्रेणी के लोगों के लिए

खुला रहेगा। 28 मार्च को किसानों, 29 मार्च को दिव्यांग, 30 मार्च को रक्षा बल, अर्धसैनिक बल और पुलिसकर्मी तथा 31 मार्च को महिला तथा आदिवासी महिलाओं के स्वयं सहायता समूह के लिए खुला रहेगा। अमृत उद्यान में प्रवेश निःशुल्क है। लोग वॉक-इन या अपनी यात्रा को ऑनलाइन बुक कर सकते हैं। प्रवेश राष्ट्रपति संपदा के गेट नंबर 35 से होगा, जहां नॉर्थ एवेन्यू राष्ट्रपति भवन से मिलता है।

दिल्ली मेट्रो ने एयरटेल पेमेंट बैंक से की पार्टनरशिप

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली मेट्रो ने यात्रियों की सुविधा के लिए एयरटेल पेमेंट बैंक से साझेदारी की है। मेट्रो का स्मार्ट कार्ड टॉप-अप (रिचार्ज) में अब एयरटेल पेमेंट्स बैंक के जरिए भी हो सकेगा। एयरटेल पेमेंट बैंक देश की एकमात्र मल्टी-सेगमेंट फिनटेक कंपनी है जो बड़े पैमाने पर बैंकिंग लाइसेंस के साथ काम कर रही है। दिल्ली मेट्रो और एयरटेल पेमेंट्स बैंक की यह नई पहल डिजिटल लेन-देन सेवाओं को हर शख्स तक डिजिटल इंडिया के माध्यम से पहुंच रही है। क्योंकि इससे वो अपने स्मार्ट कार्ड को अपने मोबाइल फोन से आसानी से रिचार्ज कर सकेंगे। एयरटेल पेमेंट बैंक के मुताबिक, ये लेन-देन पूरी तरह से सुरक्षित होगा और कार्ड या नेट बैंकिंग के जरिए आप इसे इस्तेमाल कर सकेंगे।

दिल्ली मेट्रो स्मार्ट कार्ड को एयरटेल पेमेंट बैंक के जरिए ऐसे रिचार्ज करे- एयरटेल थैंक्स ऐप के बैंक सेक्शन में मेट्रो रिचार्ज ऑप्शन चुनें। डीएमआरसी स्मार्ट कार्ड नंबर दर्ज करें, उसके बाद जितने का रिचार्ज करना है उतना अमाउंट दर्ज करने के बाद पेमेंट के लिए आगे बढ़ें। अब कार्ड का इस्तेमाल करने से पहले इसे मेट्रो स्टेशन पर ऐड वैल्यू मशीन पर रिचार्ज को कम्पलीट करें। वहीं हाल ही में डीएमआरसी ने स्टेशन पर टोकन के लिए लगने वाली लंबी भीड़ को कम करने के लिए स्मार्ट कार्ड को रिचार्ज करने के लिए कई अन्य पहलें शुरू की हैं। इसमें टीवीएम के माध्यम से स्मार्ट कार्ड टॉप अप का ऑप्शन, अन्य बैंकों के साथ मेट्रो कॉम्बो कार्ड लॉन्च करना, स्टेशनों पर क्रेडिट/डेबिट कार्ड के जरिए स्मार्ट कार्ड रिचार्ज करने की सुविधा लांच की है।

मुख्यमंत्री ने 811वें वार्षिक उर्स पर ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह के लिए पेश की चादर

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती के 811वें वार्षिक उर्स के अवसर अपने नाम से दरगाह अजमेर शरीफ में विशेष तरह की चादर पेश की। उन्होंने चादर पेश करते हुए दिल्ली और पूरे देश में रह रहे उनके अनुयायियों को बधाई और शुभकामनाएं भी दी। केजरीवाल ने चादर पेश करने के दौरान अपने संदेश में कहा कि देश भर में सामाजिक भाई-चारे को बढ़ावा मिलना चाहिए, इससे देश मजबूत होता है। ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती ने यही संदेश दिया है। उन्होंने कामना की है कि दिल्ली के साथ-

साथ पूरे भारत में रहने वाले लोगों की जिंदगी आसान हो। सरकारें लोगों के लिए काम करें और लोगों की जिंदगी को आसान बनाएं। केजरीवाल ने कामना की है कि दिल्ली और पूरे देश की तरक्की हो और भारत पूरी दुनिया में अपना नाम रौशन करे। मुख्यमंत्री कार्यालय ने ट्वीट कर कहा, "मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 811वें वार्षिक उर्स के अवसर पर हजरत ख़्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह अजमेर शरीफ के लिए पवित्र चादर पेश की। उन्होंने देश में आपसी भाईचारे, अमन चैन एवं देश की तरक़्की की कामना की।" उल्लेखनीय है कि पिछले साल फरवरी के महीने में भी केजरीवाल द्वारा हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती के 810वें वार्षिक उर्स के अवसर पर विशेष तरह की चादर पेश की गई थी। केजरीवाल परंपरा के तौर पर हर साल उर्स पर चादर पेश करते हैं। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती को ख्वाजा गरीब नवाज के नाम से भी जाना जाता है।

उमा भारती ने भोपाल में शराब दुकान के सामने मंदिर में डाला डेरा

-कहा- 31 जनवरी को यहीं बैठकर प्रदेश सरकार की शराब नीति सुनूंगी

भोपाल, (हि.स.)। भाजपा की फायर ब्रांड नेता और मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने शराब बंदी को लेकर एक बार फिर मोर्चा खोल दिया है। वह शनिवार देर शाम को भोपाल के अयोध्या नगर स्थित दुर्गा मंदिर में तीन दिवसीय धरने पर बैठ गईं हैं। उनका कहना है कि 31 जनवरी को नई शराब नीति घोषित होना है। मैं यहीं पर बैठी रहूंगी तो सबको याद रहेगा कि किसने क्या बोला था। मैं यहीं बैठकर प्रदेश सरकार की शराब नीति सुनूंगी। दरअसल, भोपाल के अयोध्यानगर में मंदिर के सामने शराब की दुकान और एक बड़ा आहता स्थित है। जिसको लेकर वह पहले भी धरना-प्रदर्शन कर चुकी हैं, लेकिन शराब दुकान का ठेकेदार कोर्ट से स्टे लेकर आ गया था। इस वजह से शासन को कार्रवाई बीच में रोकना पड़ी थी। उमा भारती शनिवार शाम को मंदिर पहुंची थी। यहां उन्होंने पूजा अर्चना की और भाजपा संगठन के साथ ही सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि तीन दिन तक मैं यहां पर रहूंगी और 31 जनवरी को मध्यप्रदेश सरकार की शराब नीति भी घोषित हो जाएगी, उसको यहीं बैठकर मैं सुनूंगी। मुझे लगा कि यह सबसे अच्छी जगह है यह बहुत सिद्ध स्थान है। 50 साल से ज्यादा पुराना हनुमान जी का मंदिर है और 20 साल से ज्यादा पुराना दुर्गा जी का मंदिर है। ठीक सामने सारी मयार्दाओं का उल्लंघन करता हुआ शराब का बहुत बड़ा अहाता है, जो आज की शराब नीति का भी उल्लंघन कर रहा है। 50 मीटर की मयार्दा को

वह तोडे.हुए है। इसलिए हमने यह सोचा कि हम तीन दिन यहीं रहेंगे। उमा भारती ने मंदिर परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि कुछ समय पहले तक जब हम विपक्ष में थे, तब हमने अवैध उत्खनन और शराब नीति का खुलकर विरोध किया। सत्ता में आने के बाद अचानक हम वह बातें भूल गए हैं। अब हमें वह बातें याद करनी पड़ेंगी। मुझे विश्वास है कि अगर मेरे कहने पर नियंत्रित शराब वितरण प्रणाली लागू हो गई तो मध्यप्रदेश में 2003 का रिकॉर्ड रिपीट हो जाएगा। भाजपा को बड़ी संख्या में महिलाएं वोट देंगी, क्योंकि शराब में सब बह जाता है। लाडली लक्ष्मी सड़क पर बह जाती है, जननी सुरक्षा भी सड़क पर नहीं चल पाती, आवास कुटीर भी नहीं टिक पाती। सारी योजनाएं शराब में बह जाती हैं। इसलिए हमें एक स्वस्थ समाज का निर्माण करना पड़ेगा। उमा भारती ने कहा कि नियंत्रित शराब वितरण प्रणाली में मध्यप्रदेश ही मॉडल स्टेट बन सकता है। गैर भाजपाई सरकारों ने भी हमारी सरकार की कई चीजें कॉपी की हैं। वे नियंत्रित शराब वितरण प्रणाली पर भी हमें कॉपी करेंगे। हमने दिल्ली और छत्तीसगढ़ में इसका विरोध किया है तो हम दो मुंह नहीं रख सकते। मेरा भरोसा टूटा नहीं है, मैं आशान्वित हूं। शिवराज जी से मेरी बहुत रिलेक्स माइंड से बात हुई है। फिर भी मैं क्या करूं? मेरा दिल ही ऐसा है कि मैं थोड़ी सी आशंकित हो गई हूं, इसलिए मैं यहां हनुमान जी और दुर्गा जी की शरण में आकर बैठ गई हूं। मैं इस बात को लेकर चिंतित हूं कि हमारी सरकार के जो मूल तत्व थे, हमें उनका आधार नहीं छोड़ना चाहिए। हमें उन पर ही चलना है। मुझे भाजपा का ही प्रचार करना है। मुझे पता है कि मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार है। हमारे पास आठ महीने हैं। अभी हम इन चीजों को ठीक कर सकते हैं। उमा भारती ने कहा कि मुझे पता है कि शिवराज जी सतर्क हैं। उन पर मुझे पूरा विश्वास है। मैं पूरी तरह से आशान्वित हूं। इसी बीच में मेरी शिवराज जी से उनके निवास पर जो मुलाकात हुई, उसमें मैंने पूछा था कि आपने मेरे परामर्शों के बारे में क्या विचार किया। उन्होंने मुझसे कहा कि हम आपके परामर्श में को इग्नोर नहीं कर सकते क्योंकि आपके परामर्श अकेले आपकी बात नहीं हैं बल्कि उसमें जनभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि मैंने 8 और 9 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर कहा था कि मैं कुछ दिन तक मध्यप्रदेश के प्रवास पर रहना चाहती हूं। कोई सभा नहीं करना चाहती, लेकिन लोगों से मिलना चाहती हूं। उन्होंने कहा कि नई शराब नीति 31 जनवरी को घोषित होने वाली है। इस वजह से मेरे दिन में धक-धक होने लगी और मैं दुगार्जी - हनुमानजी की शरण में आकर बैठ गई। ऐसा न हो फिर कोई गलती हो जाए। अब मैं यहां बैठी रहूंगी तो सबको याद रहेगा कि किसने क्या बोला था। तीन दिन बाद नीति मैं क्या होगा यह सरकार तय करेगी। मैं चौथे दिन एक फरवरी को बताऊंगी।

राष्ट्रपति भवन के मुगल गार्डन का नाम बदलने पर मायावती ने सरकार को घेरा

लखनऊ, (हि.स.)। राष्ट्रपति भवन के प्रसिद्ध मुगल गार्डन का नाम बदलकर अमृत उद्यान रखा गया है। गार्डेन का नाम बदलने को लेकर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए सरकार को घेरा है। उन्होंने सरकार के इस कदम को मूल मुद्दों से ध्यान हटाने वाला करार दिया है। मायावती ने कहा कि कुछ मुट्ठीभर लोगों को छोड़कर देश की समस्त जनता जबरदस्त महंगाई, गरीबी व बेरोजगारी के तनावपूर्ण जीवन से त्रस्त है। उनकी समस्याओं के निदान पर ध्यान केन्द्रित करने के बजाय धर्मान्तरण, नामान्तरण, बायकाट व नफरती भाषणों के जरिए लोगों का ध्यान बांटने का प्रयास घोर अनुचित व अति-दुःखद है। उन्होंने सवाल किया कि राष्ट्रपति भवन के मशहूर मुगल गार्डेन का नाम बदलने से क्या देश व यहां के करोड़ों लोगों के दिन-प्रतिदिन की ज्वलन्त समस्यायें दूर हो जाएंगी ? वरना फिर आम जनता इसे भी सरकार द्वारा अपनी कमियों व विफलताओं पर पर्दा डालने का प्रयास ही मानेगी। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति भवन का प्रसिद्ध मुगल गार्डन अब अमृत उद्यान के नाम से जाना जाएगा। अमृत उद्यान साल में एक बार जनता के लिए खुलता है और लोग 31 जनवरी से इस उद्यान को देखने जा सकते हैं।

दुनिया के कई देशों के यंग लीडर्स से मुख्यमंत्री योगी की हुई मुलाकात

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जापान, इंडोनेशिया समेत कई देशों के यंग लीडर्स से मुलाकात करते हुए कहा कि दुनिया के यंग लीडर्स लोकतंत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं को दोहराते हुए मिलकर कार्य करेंगे तो न केवल अपने देश का बल्कि दुनिया के अंदर हम मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त कर पाएंगे। भारत के प्राचीन ध्येय वाक्य वसुधैव कुटुम्बकम के साथ दुनिया के सभी देश मिलकर काम कर रहे हैं तो स्वाभाविक रूप से दुनिया के इन देशों ने लोकतंत्र को किसी न किसी रूप में अंगीकार किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जेन नेक्स्ट डेमोक्रेसी नेटवर्क प्रोग्राम में सम्मिलित होने वाले प्रतिभागियों के साथ रविवार को अपने सरकारी आवास पर बैठक की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अर्जेंटीना, बोत्सवाना, कनाडा, हंगरी, इंडोनेशिया, जापान और लिथुआनिया से आए यंग लीडर्स का उत्तर प्रदेश सरकार और नागरिकों की ओर से अभिनंदन भी किया।

प्राचीन काल से लोकतंत्र की जननी है भारत - अपने संबोधन की शुरूआत करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हमारा देश वर्तमान में अपनी आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है लेकिन लोकतंत्र की जड़ें भारत के अंदर इतनी गहराई से जुड़ी हुई हैं कि यह प्राचीन काल से ही लोकतंत्र की जननी रहा है। लोकतंत्र की जननी के इस सबसे बड़े राज्य में आप सबका आगमन हुआ है। भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक व्यवस्था का प्रतिनिधित्व करने वाला यह राज्य कई मायनों में महत्वपूर्ण है। भारत के खाद्यान्न उत्पादन की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका उत्तर प्रदेश की है। 11 फीसदी कृषि योग्य भूमि के साथ हम 20 फीसदी भारत के कुल खाद्यान्न का उत्पादन करते हैं। खाद्यान्न उत्पादन में भारत में उत्तर प्रदेश नंबर एक है। साथ ही गन्ना, सब्जी और दुग्ध उत्पादन में भी नंबर एक पर है।

भारत से जुड़ी हैं जापान की स्मृतियां - मुख्यमंत्री बोले कि मुझे प्रसन्नता है कि आप दुनिया की सबसे प्राचीन नगरी काशी का भ्रमण करके आए हैं। काशी भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान की नगरी है। सृष्टि की शुरूआत से इस नगरी की पहचान है। यही नहीं, काशी के साथ ही दुनिया का सबसे प्राचीन ग्रंथ ऋग्वेद भी भारत ने दुनिया को दिया है। मुझे प्रसन्नता है कि जापान के यंग लीडर्स भी यहां आए हुए हैं। जापान की स्मृतियां भारत से जुड़ी हुई हैं, क्योंकि भगवान बुद्ध के ज्ञान प्राप्ति की भूमि हो या उनके सिद्धि प्राप्ति की भूमि, उनके महापरिनिर्वाण स्थली हो या उनकी पावन धरा के रूप में भारत और उसमें उत्तर प्रदेश की धरती महत्वपूर्ण भूमिका रखती है। भारत और जापान के बीच में ये सांस्कृतिक संबंध बहुत प्राचीन हैं। इंडोनेशिया के साथ भारत और उत्तर प्रदेश के संबंधों का जिक्र करते हुए योगी ने कहा कि इंडोनेशिया की रामलीला दुनिया के अंदर प्रसिद्ध है। मैं प्रतिवर्ष इंडोनेशिया की रामलीला को यहां पर भगवान राम की जन्मभूमि में आमंत्रित करता हूं, मुझे खुशी होती है इंडोनेशिया से आई रामलीला पूरे उप्र वासियों को मोह लेती है।

वसुधैव कुटुम्बकम के भाव से जुड़कर काम कर रही दुनिया - आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में यह हम सबके लिए अत्यंत गौरव का विषय है कि भारत प्राचीन काल से ही जिन मूल्यों, आदर्शों और सिद्धांतों के लिए जाना जाता है, वसुधैव कुटुम्बकम की उस भावना को ध्यान में रखते हुए आज जी-20 देशों की अध्यक्षता का अवसर भी भारत और प्रधानमंत्री मोदी को प्राप्त हुआ है। जब दुनिया के प्रमुख लोकतंत्रों से जुड़े हुए यंग लीडर्स आईसीसीआर के द्वारा इस आयोजन के माध्यम से भारत आ रहे हैं तब जी-20 समिट भी भारत में अलग-अलग स्थानों पर होने जा रहे हैं। उसका थीम भी है वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर है।

यंग लीडर्स लोकतंत्र की भावना को आगे बढ़ाएंगे - उत्तर प्रदेश और भारत के अंदर लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ कार्य करने का परिमाण इस सदी की महामारी के दौरान देखने को मिला है। भारत की आबादी 140 करोड़ की है और कोरोना महामारी में आपने देखा होगा कि 80 करोड़ लोगों को फ्री में राशन की व्यवस्था की गई। भारत अब तक 220 करोड़ से अधिक वैक्सीन अपने लोगों को फ्री में उपलब्ध करा चुका है। दुनिया के 25 से अधिक देशों में फ्री में वैक्सीन भी उपलब्ध कराई है।

87वें बैच की मेजबानी कर रहा है भारत - जेन नेक्स्ट डेमोक्रेसी नेटवर्क नामक एक नई पहल के रूप में भारत 22 से 31 जनवरी 2023 तक युवा नेताओं के 7वें बैच की मेजबानी कर रहा है। इस कार्यक्रम की योजना भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर), भारत के विदेश मंत्रालय ने बनाई है। इसके तहत वैश्विक मंचों के युवा उभरते नेता भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं, इसकी सांस्कृतिक विरासत, इसकी विकासात्मक पहलों और संघ और राज्य स्तर पर भारतीय लोकतांत्रिक परंपराओं का व्यापक अवलोकन करने के लिए भारत का दौरा करेंगे। कार्यक्रम को विभिन्न समूहों में विभाजित किया गया है, जिसमें प्रत्येक समूह में प्रत्येक देश के दो से पांच प्रतिनिधियों के साथ लगभग सात से आठ देश शामिल हैं। आईसीसीआर ने अब तक 31 देशों के जेन-नेक्स्ट डेमोक्रेसी नेटवर्क प्रोग्राम प्रतिनिधियों के छह बैचों की मेजबानी की थी। ये यात्राएं बहुत सफल रहीं और समूहों ने संसद सहित कई जगहों पर बैठकें कीं।

बेटियों को सक्षम बनाने के लिए सरकार शुरू करने जा रही आरोहिणी इनीशिएटिव ट्रेनिंग

-कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों के अध्यापकों की एक फरवरी से होगी ट्रेनिंग

लखनऊ, (हि.स.)। एक एनजीओ के साथ मिलकर प्रदेश के सभी 746 कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में बेटियों की सुरक्षा और संरक्षा के लिए आरोहिणी इनीशिएटिव ट्रेनिंग दिया जाएगा। इसके माध्यम से वंचित वर्ग की बेटियों को उनके जीवन में होने वाली घटनाओं की समझ पैदा करने के साथ ही अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने के लिए सक्षम बनाने का प्रयास किया जाएगा। बेटियों को सक्षम बनाने के लिए कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों की फुल टाइम टीचर्स को ट्रेनिंग प्रदान की जाएगी, जो न सिर्फ बेटियों को शिक्षित करेंगी बल्कि उनके लिए मददगार भी होंगी। टीचर्स की ट्रेनिंग एक फरवरी से लखनऊ में शुरू होगी। महानिदेशक स्कूल शिक्षा विजय किरण आनंद ने बताया कि आरोहिणी कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जेंडर सेंसटाइजेशन है जो कि तीन स्टेज में है। इसके तहत पहले टीचर्स को प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके लिए एक फरवरी से हर कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों की दो टीचर्स की ट्रेनिंग कराई जाएगी। इसमें लोगों को जेंडर सेंसटाइजेशन के मुद्दे पर अवेयर किया जाएगा। बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत पूरे प्रदेश में 746 कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय हैं, जिनमें से 56 को 12वीं कक्षा तक अपग्रेड किया गया है। स्टडी हाल एजुकेशन फाउंडेशन की ओर से इस कार्यक्रम को लीड कर रहीं प्रियंका ने बताया कि आरोहिणी जेंडर आधारित कार्यक्रम है। कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में वंचित वर्ग की बेटियां पढ़ने आती हैं, जिनके परिवारों में जेंडर गैप काफी ज्यादा होता है। समाधान तलाशने के लिए बच्चों को तैयार करना ही इस पूरे कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। इसकी मदद से बच्चे अपने जीवन में होने वाली अलग-अलग घटनाओं जैसे चाइल्ड मैरिज, डॉमेस्टिक वॉयलेंस, शिक्षा पूरी न कर पाना या किसी भी तरीके की समस्या का नियोजित ढंग से सामना कर सकें और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठा पाएं। समग्र शिक्षा अभियान और एनजीओ के बीच जो एमओयू हुआ है उसके अनुसार, संस्था द्वारा समस्त 746 कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों से दो फुलटाइम टीचर्स (1492 टीचर्स को वरीयता के आधार पर) को राज्य स्तरीय बालिका सुरक्षा एवं संरक्षण तथा सामुदायिक जागरूकता के मुद्दे पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। संस्था द्वारा टीचर्स को जनपद स्तर पर सहयोग प्रदान करने के लिए प्रत्येक जिले के बालिका शिक्षा समन्वयक को मुख्य प्रशिक्षणकर्ता के रूप में राज्य स्तर पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

महिलाएं आत्मबल से ला सकती हैं कुटीर उद्योगों में क्रांति : सिद्धार्थ नाथ सिंह

प्रयागराज, (हि.स.)। महिलाओं को अपने हुनर को स्वयं पहचानना होगा और अपना उद्यम लगाकर लोगों को रोजगार देने का संकल्प लेना होगा। महिलाएं समूह में एकजुट होकर एक लक्ष्य बनाकर चलें तो प्रदेश सरकार हर संभव सहायता के लिए कृत संकल्पित है। महिलाएं आत्मबल के जरिए कुटीर उद्योगों में क्रांति ला सकती हैं। यह बातें पूर्व कैबिनेट मंत्री व शहर पश्चिमी विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी प्रशिक्षण केंद्र मंदर, भगवतपुर में ललिता शास्त्री स्नेही सेवा संस्थान की महिला समूहों को सम्बोधित करते हुए कहीं। उन्होंने महिला समूह के साथ बैठ कर महिलाओं की बात को सुना। महिलाओं ने बताया कि हम उद्यम लगाना चाहते हैं।उद्यम के जरिए कई महिलाओं को रोजगार देकर जीवन में खुशहाली लाने का संकल्प है। सिलाई करने, पापड़ बनाने, आलू का चिप्स, डेयरी उद्योग, मसाला, वाशिंग पाउडर बनाने आदि क्षेत्रों में उद्यम स्थापित करने की बातें महिलाओं ने कहीं। साथ ही पैकेजिंग और मार्केटिंग भी करने में हिस्सा बनने को तैयार है। इस कार्य में महिलाओं को बड़ी कठिनाइयां है। बाजार में बेचने की प्रतिस्पर्धा है जहां हम महिलाओं के हाथों से निर्मित वस्तुओं को अच्छा वेंडर नहीं मिल पाता है। शिवानी शर्मा ने कहा कि चप्पल उद्योग मैंने आगे बढ़कर बैंक से लोन लेकर व्यापार शुरू किया, मगर प्रतिस्पर्धा में पिछड़ रहे हैं। सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि हम कठिनाइयों का समाधान करेंगे। सहायक उद्योग अधिकारी अमित शुक्ल ने केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा चल रही योजनाओं से रूबरू कराया और कहा कि सरकार आपके द्वार पर खड़ी है।

मार्ग दुर्घटना से बचने के लिए सभी करें यातायात नियमों का पालन : शैलेश पाण्डेय

मथुरा, (हि.स.)। अक्षय पात्र फाउण्डेशन वृन्दावन की ओर से यातायात प्रशिक्षण एवं चिकित्सा शिविर का रविवार दोपहर आयोजन हुआ। इस मौके पर पहुंचे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश पाण्डेय ने कहा कि यातायात नियमों की सही जानकरी एवं उनके पालन से ही सड़क दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। इस दौरान उन्होंने संस्था में कार्यरत सभी व्यक्तियों को यातायात नियमों के पालन की शपथ भी दिलायी। कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक यातायात देवेश कुमार शर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय वर्मा, एआरटीओ मनोज वर्मा और अक्षय पात्र वृन्दावन के ऑपरेशन हेड सुरेश्वर दास ने दीप प्रज्जवलित कर एवं श्री राधा वृन्दावन चंद्र के चित्रपट पर माल्यार्पण कर किया। इस दौरान सीओ सदर प्रवीण मलिक, सीओ यातायात, धर्मेन्द्र सिंह चौहान, मुकेश शर्मा समाजसेवी मौजूद रहे। सहायक क्षेत्रिय परिवाहन अधिकारी मनोज वर्मा ने समस्त कर्मचारियों को यातायात नियमों के विषय में विस्तार पूर्वक समझाया। इसके अतिरिक्त उन्होंने वाहन चालकों को समय-समय पर अपने स्वास्थ्य का नियमित चेकअप कराने की भी सलाह दी। अक्षय पात्र फाउण्डेशन वृन्दावन के ऑपरेशन हेड सुरेश्वर दास ने कहा कि संस्था के सभी कर्मचारियों का दायित्व है कि वह यातायात नियमों का जिम्मेदारी के साथ पालन करें। उन्होंने कहा कि हम समय-समय पर सभी वाहन चालकों एवं कर्मचारियों का चिकित्सकों के माध्यम से उनके स्वाथ्य का परिक्षण कराते रहते हैं।

देवघर के दलित बस्ती में लगी भीषण आग, 12 से अधिक झोपड़ियां जलकर राख

देवघर, (हि.स.)। देवघर के प्राइवेट बस स्टैंड के पीछे स्थित क्लब ग्राउंड के दलित बस्ती में शनिवार-रविवार की दरमियान रात करीब 2:30 बजे भीषण आग लग गयी। इसमें 12 से अधिक झोपड़ियां जलकर राख हो गईं। इस हादसे में कई मवेशियों की भी मौत हो गई है। हादसे की सूचना पर पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और अग्निशमन विभाग को सूचित किया। अग्निशमन की टीम ने आग पर काबू पाया। फिलहाल, आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अलाव से आग लगी है, तो कुछ लोग आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बता रहे हैं। इस हादसे में जिन लोगों की झोपड़ियां जली हैं, वह दलित सफाईकर्मियों की हैं। ये झोपड़ियां प्लास्टिक और बांस आदि से बने थे। स्थानीय लोगों के अनुसार इस घटना में कई मवेशियों की जलकर मौत हो गयी है। इस घटना में साइकिल, स्कूटी, बाइक, टीवी, अनाज, कपड़ा सहित अन्य सामान जलकर नष्ट हो गए।

जम्हार के कैंची मोड़ और जरियागढ़ में स्थापित होगी ठाकुर महेंद्र नाथ शाहदेव की प्रतिमा

खूंटी, (हि.स.)। छोटानागपुर की पुरानी रियासत जरियागढ़ स्टेट के अंतिम राजा ठाकुर महेंद्र नाथ शाहदेव की 40वीं पुण्यतिथि पर कर्रा प्रखंड के जलंगा गांव के कैंची गति मोड़ पर रविवार को स्व ठाकुर महेंद्र नाथ शाहदेव और उनके तीन भाइयों की प्रतिमा स्थापित करने का निर्णय ग्रामीणों और राजपरिवार के सदस्यों ने लिया। इसके अलावा जरियागढ़ के देवी मंडप के समीप स्थित चौक का नामकरण शाहदेव चौक करने की भी घोषणा ग्रामीणों ने की। मौके पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में लोगों ने ठाकुर महेंद्र नाथ शाहदेव के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके कृतित्व और व्यक्तित्व को याद किया। राजपरिवार के सदस्य ठाकुर धर्मेंद्र नाथ शाहदेव, लाल गुणेंद्र नाथ शाहदेव, लाल ज्ञानेंद्र नाथ शाहदेव, लाल ज्योतिंद्र नाथ शाहदेव ने स्व ठाकुर की जीवनी पर प्रकाश डाला। जलंगा गांव के ग्राम प्रधान सुदेश होरो उर्फ नागा मुंडा ने प्रतिमा स्थापित करने की घोषणा की। राज परिवार के सदस्य सदस्य लाल विजय नाथ शाहदेव और लाल ज्योतिंद्र नाथ शाहदेव ने बताया कि कैची मोड़ पर ठाकुर महेंद्र नाथ शाहदेव और उनके तीनों पुत्रों लाल बृजेंद्र नाथ शाहदेव, लाल हरेंद्र नाथ शाहदेव और लाल विश्वनाथ शाहदेव की प्रतिमा लगाई जाएगी, जबकि जरियागढ़ देवीगुड़ी के पास महेंद्र नाथ शाहदेव के अलावा उनके भाई मांझीलाल वीरेंद्र नाथ शाहदेव सांझीलाल जितेंद्र नाथ शाहदेव, छोटेलाल नागेंद्र नाथ शाहदेव और चचेरे भाई राजेंद्र नाथ शाहदेव की संयुक्त प्रतिमा लगाई जाएगी।

मुख्यमंत्री 30 जनवरी को सरायकेला में लोगों को करेंगे संबोधित

रांची, (हि.स.)। झारखंड सरकार की ओर से चलाये जा रहे खितयानी जोहार यात्रा का पांचवां पड़ाव 30 जनवरी को सरायकेल में है। मुख्यमंत्री हेंमत सोरेन इस यात्रा में शामिल होकर लोगों को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन का लेकर जिला प्रशासन अलर्ट है। कार्यक्रम में आदिवासी कल्याण मंत्री चंपई सोरेन सहित कई मंत्री भी शामिल होंगे। डीसी और एसपी ने रविवार को कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निदेश दिया। निरीक्षण क्रम में सबसे पहले कुंवर विजय प्रताप सिंहदेव राज्य संपोषित बालिका उच्च विद्यालय, सरायकेला का निरीक्षण करते हुए विद्यालय परिसर, कक्षा रूम, कंप्यूटर लैब, बायोलॉजी लैब, पार्किंग स्टैंड, किचन शौचालय आदि का जायजा लिया और स्कूल परिसर में साफ-सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के बाद डीसी ने जनसभा कार्यक्रम के लिए बिरसा मुंडा स्टेडियम का निरीक्षण कर साफ-सफाई, पेयजल एवं चलंत शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित करने, लॉ एंड आर्डर, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात परिचालन आदि के संबंध में बिंदुवार चर्चा करते हुए कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

झारखंड के सरकारी स्कूलों में पांच जनजातीय भाषाओं की होगी पढ़ाई

रांची, (हि.स.)। राज्य के सरकारी प्राथमिक स्कूलों में अब अनिवार्य रूप से जनजातीय भाषाओं की पढ़ाई करायी जाएगी। जनजातीय भाषाओं की पढ़ाई क्लास एक से तीन तक के बच्चों को करायी जाएगी। यह फंडामेंटल लिटरेसी और न्यूमेरेसी प्रोग्राम के तहत चालू किया जाएगा। तीसरी क्लास के बच्चे को हो, मुंडारी, खड़िया, कुड़ूख और संथाली भाषा पढ़ाई जाएगी। राज्य के सभी सरकारी स्कूलों में पहली से तीसरी तक के छात्र-छात्राओं के लिए फंडामेंटल लिटरेसी और न्यूमेरेसी कार्यक्रम चल रहा है। यह ऐसा प्रोग्राम है, जिसमें गणित और भाषा की पढ़ाई पर विशेष जोर दिया जा रहा है। गणित की पढ़ाई तो आरंभिक स्तर से चल रही है। वहीं, अगले साल से पांच जनजातीय भाषाओं को इसमें जोड़ा गया है। स्कूलों में जनजातीय भाषाओं की पढ़ाई हो सके इसके लिए झारखंड राज्य शिक्षा परियोजना को जिम्मेदारी दी गयी है। यही इन भाषाओं की किताबें भी तैयार करा रहा है। 20 से अधिक कहानियां इन भाषाओं की किताब में होगी। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के मुताबिक जिन स्कूलों में इसकी शुरूआत की जाएगी, वहां 10-10 किताबों का सेट दिया जाएगा। ये किताबें बाइलिंग्वल होंगी, जहां पिक्चर और टैक्स्ट दोनों के माध्यम से बच्चों को संबंधित भाषा लिखना, पढ़ना सिखाया जाएगा। जरूरत पड़ने पर शिक्षकों को ट्रेनिंग भी दी जाएगी। नयी शिक्षा नीति में भी लोकल लैंग्वेज पर जोर दिया जा रहा है। वहीं, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग लंबे समय से प्राइमरी स्तर पर लोकल लैंग्वेज को सिलेबस में जोड़ने के लिए प्रयासरत है। इसके पीछे का मकसद रहा है कि जिस क्षेत्र में जो लैंग्वेज पॉपुलर है, वहां उसी लैंग्वेज में पढ़ाई करायी जाए। इससे बच्चों में लर्निंग कैपेसिटी बढ़ेगी।

भविष्य में नीतीश कुमार से कोई समझौता नहीं : विनोद तावड़े

दरभंगा, (हि.स.)। भाजपा ने प्रदेश कार्यसमिति के दूसरे दिन रविवार को एक बड़ा फैसला लिया है। भाजपा ने अपनी प्रदेश कार्यसमिति में प्रस्ताव पारित कर ये फैसला लिया कि अब आगे किसी सूरत में नीतीश कुमार से कोई समझौता नहीं किया जायेगा। बिहार भाजपा प्रभारी विनोद तावड़े ने कार्यसमिति में इस बात की जानकारी देते हुए कहा कि मैंने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा एवं गृह मंत्री अमित शाह से बात की है और उन्होंने स्पष्टता से कहा है की हम किसी भी सूरत में जदयू एवं नीतीश कुमार जी से गठबंधन नहीं करेंगे। नीतीश कुमार आर्थिक - सामाजिक विकास के विरोधी हैं। केंद्र सरकार द्वारा लगातार राशि उपलब्ध कराए जाने के बाद भी बिहार का विकास रुका हुआ है। दरभंगा में हो रही भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के दूसरे दिन बिहार भाजपा के प्रभारी विनोद तावड़े ने आलाकमान के फैसले से यहां के नेताओं को अवगत कराया। विनोद तावड़े ने कहा कि भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने ये तय किया है कि भविष्य में अब किसी सूरत में नीतीश कुमार के साथ कोई तालमेल नहीं किया जायेगा। नीतीश कुमार के पास समर्थन नहीं था फिर भी भाजपा ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाया था। लेकिन वे धोखा देकर भाग खड़े हुए। ऐसे में अब उनसे आगे कोई बात नहीं होगी। तावड़े ने कहा कि नीतीश जी के साथ एक राजनीतिक स्थिति है की वो किसी के सगे नहीं हैं।'

ऐसा कोई सगा नहीं नीतीश ने जिसको ठगा नहीं'। सर्वप्रथम देवीलाल, लालू यादव, रामविलास पासवान, जॉर्ज फर्नांडिस, शरद यादव के बाद अब भाजपा उनकी शिकार बनी है। भाजपा प्रभारी विनोद तावड़े ने कहा कि महागठबंधन के सत्ता में आने के बाद बिहार में हमारे महापुरुषों एवं महत्वपूर्ण धार्मिक ग्रंथों पर आघात हो रहे हैं। सामाजिक वैमनस्व को बढ़ाया जा रहा है एवं विकास के मुद्दो से ध्यान भटकाने की कोशिश हो रही है। नीतीश जी के साथ एक राजनीतिक स्थिति है की वो किसी के सगे नहीं हैं।' ऐसा कोई सगा नहीं नीतीश ने जिसको ठगा नहीं'। सर्वप्रथम देवीलाल,लालू यादव, रामविलास पासवान, जॉर्ज फर्नांडिस, शरद यादव के बाद अब भाजपा उनकी शिकार बनी है। भाजपा कार्यसमिति की बैठक में आलाकमान के फैसले का समर्थन किया गया। बिहार भाजपा के नेताओं ने कहा कि नीतीश कुमार के साथ रहने से बिहार में पार्टी को सिर्फ नुकसान हुआ। नीतीश कुमार के खिलाफ जनाक्रोश का खामियाजा भाजपा को भुगतना पड़ रहा था। नीतीश से अलग होने के बाद भाजपा और मजबूत हुई है।

सामाजिक नेता शरद यादव का अस्थि कलश 4 फरवरी को आयेगा पटना

-मधेपुरा में 6 फरवरी को होगा प्रार्थना सभा का आयोजन

पटना, (हि.स.)। सामाजिक नेता शरद यादव का अस्थि कलश 4 फरवरी को विमान से पटना आयेगा। यहां से यात्रा के रूप में 5 फरवरी के शाम को मधेपुरा पहुंचेगा जहां 6 फरवरी को रासबिहारी हाई स्कूल के मैदान में प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया है। राजद प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने बताया कि 4 फरवरी को सुबह 10 .30 बजे हवाई अड्डे से अस्थि कलश को राजद के प्रदेश कार्यालय लाया जाएगा। जहां से उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव एवं पार्टी के अन्य नेताओं और कार्यकताओं की उपस्थिति में अस्थि कलश यात्रा को मधेपुरा के लिए रवाना किया जाएगा। प्रवक्ता ने कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया कि शरद यादव का अस्थि कलश सुबह पटना पहुंचने के बाद यहां से महात्मा गांधी सेतु, वैशाली एवं मुजफ्फरपुर जिला होते हुए 4 फरवरी की शाम दरभंगा पहुंचेगा। रात्रि विश्राम दरभंगा में करने के बाद 5 फरवरी को 11 बजे पूर्वाह्न गांधी चौक दरभंगा से अस्थि कलश यात्रा शुरू होकर मधुबनी, सुपौल एवं सहरसा जिला होते हुए 6 बजे शाम को मधेपुरा स्थित स्व. शरद यादव के आवास पहुंचेगा जहां आम लोगों के दर्शनार्थ रखा जाएगा।

6 फरवरी को 11 बजे दिन में मधेपुरा स्थित रासबिहारी हाई स्कूल के मैदान में प्रार्थना सभा होगी जिसे उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव सम्बोधित करेंगे। राजद प्रवक्ता ने कहा कि यात्रा के दौरान रास्ते में विभिन्न स्थानों पर शरद के प्रशंसकों द्वारा अस्थि कलश पर पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी एवं दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि दी जाएगी। इसकी तैयारी की जा रही है।

कीट सिल्वर जुबली मिनी मैराथन प्रतियोगिता, 300 एथलीट ने लिया हिस्सा

भागलपुर, (हि.स.)। भागलपुर के सैंडीस कंपाउंड में रविवार सुबह कीट यूनिवर्सिटी के तत्वावधान में आयोजित कीट सिल्वर जुबली मिनी मैराथन का शुभारंभ भागलपुर के सांसद अजय मंडल, इंटरनेशनल एथलीट कृष्ण कुमार शर्मा, समाजसेवी विजय यादव, कार्यक्रम के संयोजक नील कमल राय, जिला वॉलीबॉल संघ के सचिव अजय राय एवम् एथलेटिक्स सचिव नसर आलम ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर किया। उल्लेखनीय है कि कीट के संस्थापक सांसद अच्युत सामंत के दर्शन, शिक्षा एवं खेल सबके लिए की सोच को लेकर इस मिनी मैराथन की शुरूआत की गई है। इस मिनी मैराथन को लेकर भागलपुर एवम इसके आसपास के खिलाड़ियों में काफी उत्साह था। 300 से अधिक एथलीट एवम 100 ऑफिशियल्स ने इस दौड़ में हिस्सा लिया। कीट सिल्वर जुबली के अवसर पर सांसद को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। विजयी प्रतिभागियों को संसद, जिला खेल अधिकारी, आयोजन समिति के निखिल कुमार और उत्सव मजूमदार ने सम्मानित किया। भागलपुर जिला वॉलीबॉल संघ, भागलपुर जिला एथलेटिक्स संघ, एवम आर्ट ऑफ गिविंग के तमाम पदाधिकारी कार्यक्रम को सफल बनाने में लगे हुए थे।

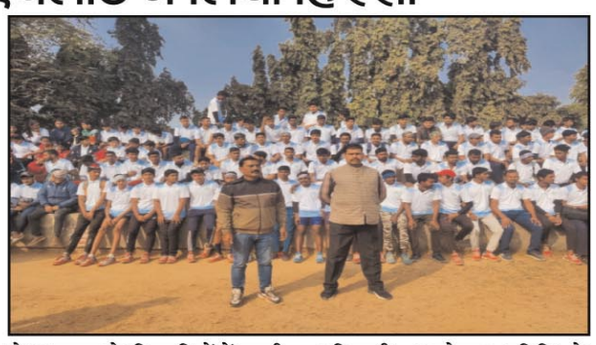

संपादकीय

आसान हुई इच्छा मृत्यु

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इच्छा मृत्यु पर दिए गए अपने 2018 के आदेश में सुधार का जो फैसला किया है, उससे अब उस आदेश के अमल में आने की संभावना बढ़ गई है। मूल आदेश के पीछे भावना तो बहुत अच्छी थी, लेकिन उसकी प्रक्रिया बेहद जटिल हो गई थी। उसी वजह से आदेश को करीब पांच साल होने को आए, लेकिन देश में एक भी इच्छा मृत्यु का मामला सामने नहीं आया। अब सुप्रीम कोर्ट ने डीएम द्वारा मेडिकल बोर्ड गठित किए जाने की कानूनी अनिवार्यता खत्म कर दी है। अब प्राइमरी और रिव्यू दोनों बोर्ड हॉस्पिटल की ओर से गठित किए जा सकेंगे। इससे बहुत सारा समय बचेगा। दूसरा डॉक्टरों के अनुभव से जुड़ा संशोधन भी खासा अहम है। मूल आदेश के मुताबिक, समिति के डॉक्टरों के पास कम से कम 20 साल का अनुभव होना जरूरी था। नए आदेश के मुताबिक, पांच साल का अनुभव काफी होगा। जाहिर है, इससे हॉस्पिटल के लिए समिति का गठन करना आसान होगा और कोई भी मामला जेनुइन है या नहीं, इसका फैसला जल्दी हो सकेगा। समझने की बात है कि ऐसे मामलों में समय बहुत मायने रखता है क्योंकि मरीज के लिए एक-एक पल काटना कठिन होता है। असल में इच्छा मृत्यु की इजाजत के ऐसे मामलों के पीछे सोच ही यह है कि गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार इसके बिना अधूरा है। कोई इस कदर बीमार है कि कुछ कर नहीं सकता सिवाय असह्य तकलीफ झेलने के, और इलाज से उसके ठीक हो जाने की भी कोई संभावना नहीं रह गई है, ऐसे में इच्छा न होने के बावजूद अगर उसे सिर्फ इसलिए जीवित रहने को मजबूर किया जाए कि कानून में किसी को स्वेच्छा से मरने की इजाजत नहीं है तो उसके जीवन में कोई गरिमा नहीं रह जाती। इसी सोच के तहत सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में ऐसे मामलों में इच्छामृत्यु को वैध घोषित किया। लेकिन सबसे बड़ा डर यह था कि कहीं इस आदेश का दुरुपयोग न होने लगे। इसी आशंका को दूर करने के लिए इजाजत की प्रक्रिया कठिन बनाई गई थी। पांच साल के अनुभव से साफ हुआ कि यह कठिन प्रक्रिया कर सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश को ही निरर्थक बना रही है। आदेश में संशोधन का फैसला कर सुप्रीम कोर्ट ने अपने कार्यों पर भी जरूरत के मुताबिक पुनर्विचार करने की उसी भावना का परिचय दिया है, जो न्यायपरक दृष्टि से सबसे बड़ी विशेषता होती है। चूंकि यह एक नया क्षेत्र है, इसलिए किसी भी कानून या आदेश की उपयोगिता व्यवहार से ही तय होगी। हो सकता है आगे इस आदेश में भी संशोधन की जरूरत महसूस की जाए। लेकिन इसकी संशोधित वही रहेंगी, जो सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश में झलकती हैं। एक, प्रक्रिया जितनी हो सके सहज हो और दो, दुरुपयोग की कोई गुंजाइश न रह जाए।

समझने की बात है कि ऐसे मामलों में समय बहुत मायने रखता है क्योंकि मरीज के लिए एक-एक पल काटना कठिन होता है। असल में इच्छा मृत्यु की इजाजत के ऐसे मामलों के पीछे सोच ही यह है कि गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार इसके बिना अधूरा है। कोई इस कदर बीमार है कि कुछ कर नहीं सकता सिवाय असह्य तकलीफ झेलने के, और इलाज से उसके ठीक हो जाने की भी कोई संभावना नहीं रह गई है, ऐसे में इच्छा न होने के बावजूद अगर उसे सिर्फ इसलिए जीवित रहने को मजबूर किया जाए कि कानून में किसी को स्वेच्छा से मरने की इजाजत नहीं है तो उसके जीवन में कोई गरिमा नहीं रह जाती। इसी सोच के तहत सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में ऐसे मामलों में इच्छामृत्यु को वैध घोषित किया। लेकिन सबसे बड़ा डर यह था कि कहीं इस आदेश का दुरुपयोग न होने लगे।

बोध कथा

मन में रखें यह विश्वास, ईश्वर की इच्छा से पूरे होंगे आपके सभी कार्य

भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण हमें समझाते हैं कि हमारा मोल किसी बाहरी वस्तु, कारण या स्थिति से नहीं आता है। हम जैसे हैं, वैसे ही भगवान के लिए अमूल्य हैं। इसलिए हमें भी अपना मोल किसी बाहरी वस्तु, स्थिति या इंसान के आधार पर नहीं करना चाहिए। सोचिए, कितनी बार हम अपना पूरा मन लगा लेते हैं किसी नौकरी पर प्रमोशन पर या किसी रिश्ते पर। हमारी इच्छा इतनी प्रबल हो जाती है कि हमें लगने लगता है, जब हमें वह चीज मिल जाएगी, तभी हम सफल होंगे। इस प्रकार हममें और हमारी इच्छा या हमारे लक्ष्य में कोई अंतर नहीं रहता है। भगवान श्रीकृष्ण हमें समझाते हैं कि यह गलत है, क्योंकि मनुष्य के मन में अनेक इच्छाओं और लक्ष्यों का आना अनिवार्य है। लेकिन ऐसा कोई मनुष्य नहीं जिसकी सारी इच्छाएं पूरी हों। याद करिए, भगवान श्रीकृष्ण भी मनुष्य जीवन में अपनी सारी इच्छाओं को पूरा नहीं कर पाए थे। उन्हें भी गोकुल और यशोदा मैया को छोड़ कर मथुरा जाना पड़ा था। इस सहज कार्य में अगर वह अपनी इच्छा और अपने अस्तित्व में अंतर नहीं करते, तो वह जीवन के महत्वपूर्ण निर्णय नहीं ले पाते। यही बात हम मनुष्यों पर भी उतनी ही लागू होती है। अगर इच्छा पूरी नहीं हुई या लक्ष्य हाथ न लगे, तो इसका मतलब यह नहीं कि हम असफल हैं या हममें सामर्थ्य नहीं। इसका केवल यह अर्थ है कि इस समय शायद जो हम चाहते हैं, वह हमारे लिए उचित नहीं। जब हम किसी भी बाहरी वस्तु के लिए अपना मन छोटा करते हैं, उसके न मिलने पर दुखी होते हैं तो समझना चाहिए कि ऐसा करके हम एक तरह से भगवान का अपमान करते हैं, क्योंकि हम यह मानते हैं कि उस वस्तु या उपलब्धि के मिलने से हमारा मोल होता है। यह विचार ही गलत है, क्योंकि हम सबको भगवान ने बनाया है और उन्होंने जैसा भी बनाया है, कुछ सोच कर ही बनाया होगा। हम सब जो कुछ करते हैं, उस सब में उनकी इच्छा है और उसे अच्छे से, पूरे मन से करने से हम उनकी सोच को पूरा कर रहे हैं। हमेशा यह मान कर चलिए कि इच्छा पूरी हो, तो अच्छा और पूरी ना हो तो और भी अच्छा, क्योंकि इसमें कहीं ना कहीं भगवान की लीला है। इसलिए भगवान की लीला की मर्यादा पर सब छोड़कर हम दुखी न होवें। वह कभी आपका बुरा नहीं चाहेंगे। इसका यह अर्थ नहीं कि आप महत्वकांक्षी ना हों या जीवन में आगे बढ़ने की इच्छा ना रखें। ऐसा बिल्कुल नहीं। भगवान ने जो कहा है उसका अर्थ है कि आगे बढ़ने का जो प्रयास हम कर सकते हों, जरूर करें। लेकिन जब हमारे प्रयास का फल वैसा नहीं निकलता, जैसा हम चाहते हैं तब हमें अपने आपको दोष नहीं देना चाहिए। जो भी फल आता है, उस पर अलग-अलग व्यक्तियों, परिस्थितियों का प्रभाव होता है। उन पर हमारा नियंत्रण नहीं होता। अगर रिश्तों की बात करें, तो हम जिसे प्यार करें जरूरी नहीं कि उसके मन में हमारे लिए वही भावना हो। आप इस बात में क्या कर सकते हैं? इसलिए आप वह कीजिए, जो आपके मन को सही लगे और आगे के लिए यह अडिग विश्वास रखिए कि जो कुछ भी होगा, अच्छे के लिए ही होगा। दूसरा कोई रास्ता नहीं, जब आपके साथ भगवान स्वयं हैं।

भगवान श्रीकृष्ण हमें समझाते हैं कि यह गलत है, क्योंकि मनुष्य के मन में अनेक इच्छाओं और लक्ष्यों का आना अनिवार्य है। लेकिन ऐसा कोई मनुष्य नहीं जिसकी सारी इच्छाएं पूरी हों। याद करिए, भगवान श्रीकृष्ण भी मनुष्य जीवन में अपनी सारी इच्छाओं को पूरा नहीं कर पाए थे।उन्हें भी गोकुल और यशोदा मैया को छोड़ कर मथुरा जाना पड़ा था। इस सहज कार्य में अगर वह अपनी इच्छा और अपने अस्तित्व में अंतर नहीं करते, तो वह जीवन के महत्वपूर्ण निर्णय नहीं ले पाते।यही बात हम मनुष्यों पर भी उतनी ही लागू होती है। अगर इच्छा पूरी नहीं हुई या लक्ष्य हाथ न लगे, तो इसका मतलब यह नहीं कि हम असफल हैं या हममें सामर्थ्य नहीं। इसका केवल यह अर्थ है कि इस समय शायद जो हम चाहते हैं, वह हमारे लिए उचित नहीं।

दुर्भाग्य रहा है कि उससे जुड़े राजनेता अक्सर विवादित बयानों से अपनी राजनीति चमकाने की कुचेष्टा करते रहे

रामचरितमानस हिंदुओं के लिए सिर्फ धार्मिक ग्रंथ ही नहीं बल्कि जीवन दर्शन भी है

ललित गर्ग

देश के प्रमुख राजनेता ने सच्चाई को जानते हुए जानबूझकर भड़काऊ एवं उन्मादी बयानों से देश की मिली-जुली संस्कृति को झुलसाने का काम किया है। मौर्य के ऐसे हिंसक एवं उन्मादी विचारों को क्या हिन्दू हाथ पर हाथ धरे देखते रहेंगे? क्यों ऐसे बयानों से देश की एकता एवं सर्वधर्म संस्कृति को तोड़ने की कुचेष्ठाएं की जाती हैं? रामचरितमानस को पिछले करीब पांच सौ वर्षों में सम्पूर्ण भारत के करोड़ों लोग जिस श्रद्धा और प्रेम से पाठ करते रहे हैं, वह इसका दर्जा बहुत ऊंचा कर देता है। अब इस तरह इस अमर कृति का अनादर एवं बेवजह का विवाद खड़ा करना समझ से परे हैं।

देश में अनेक राजनीति एवं गैर-राजनीतिक स्वार्थों से प्रेरित अराष्ट्रवादी एवं अराजक शक्तियां हैं जो अपने तथाकथित संकीर्ण एवं देश तोड़क बयानों से देश की एकता, शांति एवं अमन-चैन को छीनने के लिये तत्पर रहती हैं, ऐसी ही शक्तियों में शुमार बिहार के शिक्षा मंत्री श्री चन्द्रशेखर एवं समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने हिन्दू धर्म की आस्था को आहत करने वाले बयान दिये हैं, संत शिरोमणि तुलसीदास रचित रामचरितमानस की कुछ पंक्तियों को लेकर उन्होंने तथ्यहीन, घटिया, सिद्धान्तहीन एवं हास्यास्पद टिप्पणी करके धर्म-विशेष की आस्था को आहत करते हुए विवाद को जन्म दिया है। हालांकि सपा ने मौर्य की इस टिप्पणी से खुद को यह कहते हुए अलग कर लिया है कि यह उनकी व्यक्तिगत टिप्पणी थी। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण तो यह है कि देश के प्रमुख राजनेता ने सच्चाई को जानते हुए जानबूझकर भड़काऊ एवं उन्मादी बयानों से देश की मिली-जुली संस्कृति को झुलसाने का काम किया है। मौर्य के ऐसे हिंसक एवं उन्मादी विचारों को क्या हिन्दू हाथ पर हाथ धरे देखते रहेंगे? क्यों ऐसे बयानों से देश की एकता एवं सर्वधर्म संस्कृति को तोड़ने की कुचेष्ठाएं की जाती हैं? रामचरितमानस को पिछले करीब पांच सौ वर्षों में सम्पूर्ण भारत के करोड़ों लोग जिस श्रद्धा और प्रेम से पाठ करते रहे हैं, वह इसका दर्जा बहुत ऊंचा कर देता है। अब इस तरह इस अमर कृति का अनादर एवं बेवजह का विवाद खड़ा करना समझ से परे हैं। आखिर बहुसंख्य हिन्दू समाज कब तक सहिष्णु बन ऐसे हमलों को सहता रहेगा? कब तक 'सर्वधर्म समभाव' के नाम पर बहुसंख्य समाज ऐसे अपमान के घूंट पीता रहेगा? राजनीतिक दलों में एक वर्ग-विशेष के प्रति बढ़ते धार्मिक उन्माद पर तुरन्त नियन्त्रण किये जाने की जरूरत है क्योंकि अभी यदि इसे नियंत्रित नहीं किया गया तो उसके भयंकर परिणाम हो सकते हैं जिनसे राष्ट्रीय एकता को ही गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। रामचरितमानस हिन्दू धर्म के अनुयायियों का सर्वोच्च आस्था ग्रंथ है। करोड़ों लोग इस ग्रंथ का हर दिन स्वाध्याय करते हैं। मौर्य ने इस ग्रंथ को लेकर सरकार से दुर्भाग्यपूर्ण एवं हास्यास्पद यह मांग कर दी है कि इस रचना में से कुछ पंक्तियों को हटा दिया जाए या फिर यह पूरी रचना को ही

पाबंद कर दिया जाये। यह मांग बताती है कि कोई बहस विवेक के धागे से बंधी न रहे तो वह किस हास्यास्पद स्थिति तक पहुंच सकती है। भले ही यह विवाद बिहार के शिक्षा मंत्री और आरजेडी नेता चंद्रशेखर के इस बयान से शुरू हुआ कि रामचरितमानस के कुछ दोहे समाज के कुछ खास तबकों के खिलाफ हैं। देखा जाए तो रामचरितमानस के कई दोहों पर बहस बहुत पहले से चली आ रही है। उनमें से कुछ को दलित विरोधी बताया जाता है तो कुछ को स्त्री विरोधी। इसके पक्ष-विपक्ष में लंबी-चौड़ी दलीलें दी जाती रही हैं। लेकिन सैंकड़ों वर्षों से घर-घर में मन्दिर की भांति पूजनीय यह कोरा ग्रंथ नहीं है बल्कि एक सम्पूर्ण जीवनशैली है। संस्कारों एवं मूल्यों की पाठशाला है। रामचरितमानस में भले रामकथा हो, किन्तु कवि का मूल उद्देश्य श्रीराम के चरित्र के माध्यम से नैतिकता एवं सदाचार की शिक्षा देना रहा है। रामचरितमानस भारतीय संस्कृति का वाहक महाकाव्य ही नहीं अपितु विश्वजनीन आचारशास्त्र का बोधक महान्-ग्रन्थ भी है। यह मानव धर्म के सिद्धान्तों के प्रयोगात्मक पक्ष का आदर्श रूप प्रस्तुत करने वाला ग्रन्थ है। रामचरित मानस हिंदुओं के लिए सिर्फ धार्मिक ग्रंथ ही नहीं, बल्कि जीवन दर्शन है और संस्कारों से जुड़ा हुआ है। मानस कोई पुस्तक नहीं, बल्कि मनुष्य के चरित्र निर्माण का विश्वविद्यालय है और लोगों के कार्य व्यवहार में इसे स्पष्टता से देखा जा सकता है। यह मानने की बात नहीं कि स्वामी प्रसाद मौर्य ने अपने जीवन में मानस की चौपाइयों और दोहों का पाठ न किया हो। इसलिए कहा जा सकता है कि राजनीति में इस समय हाशिये पर चल रहे मौर्य ने चर्चा में रहने के लिए एक बेवजह का विवाद खड़ा किया है। राजनीतिक लाभ के लिए जनभावनाओं का अपमान एवं तिरस्कार करना किसी भी कोण से उचित नहीं। इसीलिए मौर्य का प्रबल विरोध भी हो रहा है। उनकी पार्टी के ही लोग उनके विचारों से सहमत नहीं हैं। भारतीय राजनीति का यह दुर्भाग्य रहा है कि उससे जुड़े राजनेता अक्सर विवादित बयानों से अपनी राजनीति चमकाने की कुचेष्टा करते रहे हैं। लेकिन समझदार एवं अनुभवी राजनेता धार्मिक आस्थाओं पर चोट करने से बचते रहे हैं। मौर्य ने रामचरित मानस पर विवादित टिप्पणी कर न सिर्फ अपनी अपरिपक्व राजनीतिक सोच का परिचय दिया है बल्कि करोड़ों हिंदुओं की भावनाओं को आहत किया है। बल्कि अपने सनातन संस्कारों को भी तिरस्कृत किया है। यह विडम्बना है कि राजनेता इस बात की कतई परवाह नहीं करते कि उनके शब्दों का जनमानस पर क्या प्रभाव पड़ेगा। रामचरित मानस पर तथाकथित प्रगतिशील पहले भी अधकचरी टिप्पणियां करते रहे हैं लेकिन इससे इस ग्रंथ की सर्वस्वीकार्यता, प्रतिष्ठा एवं उपयोगिता पर कोई असर नहीं पड़ा, ना ही गोस्वामी तुलसीदास के प्रति लोगों की श्रद्धा कम हुई। स्वामी प्रसाद ने यदि कुछ चौपाइयों पर आपत्ति जताई है तो या तो उन्होंने मानस का अध्ययन नहीं किया या फिर उन्होंने जानबूझकर यह वितंडा खड़ा किया। रामचरित मानस के महानायक श्रीराम के चरित्र पर विवाद उठाने वाले वृहद रूप से श्रीराम को नहीं समझते हैं। क्या कोई यह जानने का प्रयास नहीं करता कि श्रीराम ने शबरी के झूठे बेर खाए थे और केवट को गले लगाकर अपना परम मित्र बनाया था। उन्होंने ही तो गिद्ध का अपने पिता के सामान श्राद्ध किया था। वे कोल, भील, किरात, आदिवासी, वनवासी, गिरीवासी, कपिश अन्य कई जातियों के साथ जंगल में रहे और उन्हीं के दम पर उन्होंने रावण को हराया भी था तब उस महानायक को क्यों जाति के खंडों में बांटा जा रहा है? सार्वजनिक जीवन विशेषकर राजनीति में धर्म एवं उससे जुड़े विषयों के बारे में शब्द प्रयोगों में मर्यादाओं का अतिक्रमण कई कारणों से चर्चा में रहता है। ऐसे नेताओं से मतभेद, असहमति स्वाभाविक है। विचारधारा के स्तर पर टकराव और संघर्ष भी अस्वाभाविक नहीं है। किंतु शब्द और व्यवहार की मर्यादा ही लोकतांत्रिक समाज की सच्ची पहचान है।

आर्थिक असमानता की चौड़ी होती खाई

भारत को लेकर रिपोर्ट का सबसे चौंकाने वाला हिस्सा यही है कि देश में महज एक फीसद लोगों के पास देश की कुल संपत्ति का चालीस फीसद हिस्सा है, जबकि देश की करीब पचास फीसद आबादी, जिनमें निचले तबके के लोग शामिल हैं, उनके पास महज तीन फीसद हिस्सा है। इस रिपोर्ट के मुताबिक विश्व के एक फीसद अमीरों की दौलत बीते दो सालों में दुनिया के बाकी निन्यानबे फीसद लोगों की तुलना में करीब दोगुनी तेजी से बढ़ी है। 'सर्वाइवल आफ द रिचेस्ट' शीर्षक वार्षिक असमानता की इस रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर के अमीरों की दौलत प्रतिदिन बाईस हजार करोड़ रुपए बढ़ी है, जबकि विश्व के एक सौ सत्तर करोड़ मजदूर उन देशों में रहते हैं, जहां महंगाई मजदूरी से ज्यादा है। चिंताजनक स्थिति यही है कि दुनियाभर में जितनी तेजी से अमीरी बढ़ रही है, उतनी ही तेजी से गरीबी भी बढ़ जा रही है। आक्सफैम इंटरनेशनल द्वारा हर साल विश्व आर्थिक मंच की बैठक में आर्थिक असमानता रिपोर्ट प्रस्तुत की जाती है। इस वर्ष जारी अपनी रिपोर्ट में उसने स्पष्ट कहा है कि बीते दो वर्ष अमीरों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद रहे हैं। एक ओर जहां आम आदमी अपनी रोजमर्रा की जरूरतें पूरा करने में ही खुद को खपा रहा है, वहीं अमीर लोग दिन-प्रतिदिन अमीर होते जा रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र वैश्विक स्तर पर गरीबी खत्म करने का संकल्प लेते हुए प्रतिवर्ष नए लक्ष्य निर्धारित करता है, उसी प्रकार भारत में भी गरीबी उन्मूलन के लिए संकल्प लिए जाते हैं, लेकिन जिस प्रकार पिछले दो वर्षों में अधिसंख्य आबादी के संसाधन तेजी से सिकुड़े हैं और चंद अमीरों की संपत्ति तेजी से बढ़ रही है, उससे बढ़ती असमानता शांति की राह में बाधक बन सकती है। स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच पर पेश की गई आक्सफैम इंटरनेशनल की रिपोर्ट ने दुनिया भर में अमीरी और गरीबी के बीच बढ़ती खाई को लेकर कई सनसनीखेज खुलासे किए हैं। भारत को लेकर रिपोर्ट का सबसे चौंकाने वाला हिस्सा यही है कि देश में महज एक फीसद लोगों के पास देश की कुल संपत्ति का चालीस फीसद हिस्सा है, जबकि देश की करीब पचास फीसद आबादी, जिनमें निचले तबके के लोग शामिल हैं, उनके पास महज तीन फीसद हिस्सा है। इस रिपोर्ट के मुताबिक विश्व के एक फीसद अमीरों की दौलत बीते दो सालों में दुनिया के बाकी निन्यानबे फीसद लोगों की तुलना में करीब दोगुनी तेजी से बढ़ी है। 'सर्वाइवल आफ द रिचेस्ट' शीर्षक वार्षिक असमानता की इस रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर के अमीरों की दौलत प्रतिदिन बाईस हजार करोड़ रुपए बढ़ी है, जबकि विश्व के एक सौ सत्तर करोड़ मजदूर उन देशों में रहते हैं, जहां महंगाई मजदूरी से ज्यादा है। चिंताजनक स्थिति यही है कि दुनियाभर में जितनी तेजी से अमीरी बढ़ रही है, उतनी ही तेजी से गरीबी भी बढ़ जा रही है। आक्सफैम इंटरनेशनल द्वारा हर साल विश्व आर्थिक मंच की बैठक में आर्थिक असमानता रिपोर्ट प्रस्तुत की जाती है। इस वर्ष जारी अपनी रिपोर्ट में उसने स्पष्ट कहा है कि बीते दो वर्ष अमीरों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद रहे हैं। एक ओर जहां आम आदमी अपनी रोजमर्रा की जरूरतें पूरा करने में ही खुद को खपा रहा है, वहीं अमीर लोग दिन-प्रतिदिन अमीर होते जा रहे हैं। भारत के संदर्भ में आक्सफैम इंडिया की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कोरोना के बाद से पिछले वर्ष नवंबर तक अमीरों की दौलत में एक सौ इक्कीस फीसद की बढ़ोतरी हुई है और इस दौरान अरबपतियों की संख्या में भी बहुत तेजी आई है। इस दौरान देश के शीर्ष अमीरों की प्रतिदिन की कमाई 3608 करोड़ रुपए रही। रिपोर्ट की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि 2021 में पांच फीसद भारतीयों के पास देश की बासठ फीसद से भी ज्यादा दौलत थी, जबकि पचास फीसद गरीब आबादी के पास केवल तीन फीसद संपत्ति थी और इस समय देश के शीर्ष इक्कीस धनाढ्यों के पास ही भारत के सत्तर करोड़ लोगों की कुल संपत्ति से भी ज्यादा दौलत है। देश में अरबपतियों की संख्या 2020 की 102 से बढ़कर 2022 में 166 हो गई है और इनमें ऐसे लोग शामिल हैं, जिनकी संपत्ति एक अरब डालर (करीब आठ हजार करोड़ रुपए) है। देश के सौ सबसे अमीर लोगों की कुल संपत्ति छह सौ साठ अरब डालर (करीब 54.12 लाख करोड़ रुपए) हो गई है, जो पूरे अठारह महीने के भारत के केंद्रीय बजट के बराबर है। आक्सफैम इंडिया का कहना है कि गरीब लोग ज्यादा कर दे रहे हैं और उन्हें अमीरों की तुलना में जरूरी चीजों और सेवाओं पर ज्यादा खर्च करना पड़ रहा है, इसलिए अब अमीरों पर कर लगाने का समय आ गया है। हैरानी की बात है कि जहां सबसे अमीर दस फीसद लोग केवल तीन प्रतिशत कर देते हैं, वहीं इनके मुकाबले देश के पचास फीसद लोग छह गुना कर चुकाते हैं और इन्हीं पचास फीसद लोगों से सरकार जीएसटी का करीब चौंसठ फीसद हिस्सा वसूलती है। ऐसे में यह गंभीर सवाल खड़ा होता है कि आखिर देश का यह कैसा विकास है, जहां अमीर बेहद कम और गरीब प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सबसे ज्यादा कर चुकाते हैं? रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया के अमीरों पर पांच फीसद कर लगाने से एक वर्ष में 1.7 लाख करोड़ रुपए इकट्ठे किए जा सकते हैं, जिससे दुनिया भर में दो अरब लोगों को आसानी से गरीबी रेखा से बाहर निकाला जा सकता है। भारत के संबंध में रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि अगर यहां के अरबपतियों पर केवल दो फीसद कर लगा दिया जाए तो सरकारी खजाने में एक साल में 40423 करोड़ रुपए इकट्ठा हो जाएंगे, जिससे पूरे तीन वर्षों तक कुपोषित लोगों को भोजन दिया जा सकता है। देश के शीर्ष दस अमीरों के पास ही इतनी दौलत है कि वे चाहें तो देशभर के तमाम स्कूल-कालेजों को पच्चीस वर्षों तक नियमित चला सकते हैं। आर्थिक विशेषज्ञ इसीलिए सलाह देते रहे हैं कि अगर इन धन कुबेरों पर थोड़ा ज्यादा कर लगाते हुए उपभोक्ता वस्तुओं का कर घटा दिया जाए तो इसका सर्वाधिक लाभ देश की गरीब जनता को होगा, जिससे अमीरी-गरीबी के बीच बढ़ती खाई को कम करने में मदद मिलेगी। रिपोर्ट में पहले भी बताया जा चुका है कि पिछले कुछ वर्षों में कारपोरेट कर के अनुपात में गिरावट आई है, वहीं केंद्र सरकार के राजस्व के हिस्से के रूप में परोक्ष कर बढ़ रहा है। दूसरी ओर अमीरों की संपत्ति पर लगाए जाने वाले कर को 2016 में ही खत्म कर दिया गया था और कोरोना काल में कारपोरेट कर को तीस से घटाकर बाईस फीसद कर दिया गया था, जिससे सरकार को डेढ़ लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। आक्सफैम के मुताबिक अगर भारत के शीर्ष दस फीसद अमीरों पर महज एक फीसद अतिरिक्त कर भी लगाया जाए तो उस धन से 17.7 लाख अतिरिक्त आक्सीजन सिलेंडर मिल जाएंगे और अगर सौ शीर्ष अरबपतियों पर एक फीसद अतिरिक्त कर लगाया जाए तो उससे एकत्रित राशि से दुनिया के सबसे बड़े स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम 'आयुष्मान भारत' को सात वर्षों तक चलाया जा सकता है। इस राशि से सरकार का स्वास्थ्य बजट 270 फीसद से भी ज्यादा बढ़ सकता है। दुनिया में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में भी धनिकों की बड़ी भूमिका है। दुनिया के 125 सबसे अमीर अरबपतियों के निवेश से ही प्रतिवर्ष तीस लाख टन से ज्यादा कार्बन डाइआक्साइड का उत्सर्जन होता है, जो आम आदमी की तुलना में दस लाख गुना ज्यादा है। ये अरबपति प्रतिवर्ष करीब 39.3 करोड़ टन कार्बन डाइआक्साइड का वित्तपोषण करते हैं, जो कि 6.7 करोड़ की आबादी वाले देश फ्रांस के वार्षिक कार्बन उत्सर्जन के बराबर है। जीवाश्म ईंधन और सीमेंट जैसे प्रदूषणकारी उद्योगों में अमीर अरबपतियों का निवेश मानक कमजोर समूह वाली पांच सौ कंपनियों के औसत से दोगुना है। दरअसल, दुनिया भर में सरकारें अपने अनुसार लक्ष्य तो तय कर लेती हैं, लेकिन अरबपति निवेशकों की लापरवाही को रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठातीं, जिस पर गंभीरता से विचार करने और इसमें बदलाव लाने की जरूरत है। बहरहाल, जिस प्रकार चंद हाथों में पूंजी सिमटती जा रही है, उसके भावी खतरों की अनदेखी करना उचित नहीं होगा। असमानता बढ़ने से सामाजिक अस्थिरता भी बढ़ रही है।

देश दुनीया से

अरे, अब अंधविश्वास भी मेड इन चाइना

चंद ए'तिबार में धोके भी हैं मगर
ये तो नहीं किसी पे भरोसा किया न जाए

हर भरोसा, भक्ति या विश्वास सब अच्छा है। पर यह सच है कि धोखा, फरेब और विश्वासघात भी वहीं होता है- जहां ये तीनों हों। गैर वाजिब भरोसा, अंधभक्ति और जरूरत से ज्यादा विश्वास हमेशा से बहस के सबब रहे हैं। अपने देश में ही देख लीजिए। राजनीतिक विचारों, धर्म, मजहब, संप्रदाय, जाति और कुनबे के आधार पर लोग कितने ज्यादा बंटे हुए हैं। सबका अपना-अपना भरोसा होता है। अपने आराध्य या आदर्श की भक्ति करना, विश्वास करना अपनी-अपनी पसंद पर आधारित है। जिस तरह से कहा जाता है कि भरोसे या विश्वास पर दुनिया कायम है। उसी तरह दुनिया जबसे कायम है, तभी से तरह-तरह के अंधविश्वास भी हैं। आजकल भांति-भांति प्रकार के बाबा, मौलवी, औलिया, प्रीस्ट और फादरों के प्रति लोगों के कथित अंधविश्वासों से भरे वीडियो सामने आ रहे हैं। कहीं कोई सिर पटक रहा है तो कहीं कोई नाच रहा है। कोई बेहोश होकर गिर पड़ रहा है तो कहीं कोई इसी बात से अभिभूत है कि बाबा जी ने उनके भूत की घटनाएं बता दीं। यह हाल सिर्फ अपने देश का ही नहीं है। एक परिचित भारतीय पैरिस में रहते हैं। हाल ही में 22 जनवरी को चीन के नए साल की शुरुआत हुई। भारतीय मित्र ने अपने चीनी दोस्त को शुभकामनाएं दीं। बातचीत शुरू हुई तो चीनी दोस्त ने बताया कि उनके नए साल का कोई न कोई जानवर प्रतीक होता है, जैसे इस बार खरगोश का साल है। चीनी राशियों के हिसाब से हर व्यक्ति के जन्म के आधार पर कोई न कोई जानवर उसकी राशि का प्रतीक होता है। साथ ही यह भी बताया कि अगर कोई खरगोश राशि वाला व्यक्ति हुआ तो 2023 उसके लिए अपशगुनी माना जाएगा। इत्तेफाक से भारतीय मित्र की भी राशि चीनियों के हिसाब से खरगोश ही थी। अब चीनी भाई उसे डराने लगा कि अगर उसने चीन के मंदिरों में जाकर चीनी टोटके न किए तो उसका कुछ न कुछ नुकसान जरूर हो जाएगा। यह सुनते ही भारतीय हंस पड़ा। बोला, भाई आप हमारे देश में दिवाली के पटाखों से लेकर होली की पिचकारी तक में घुसे हो। दवाइयों, बिजली के सामान, गैजट्स और जीवन से लेकर मरण तक की हर चीज में चीन हमारे बाजारों में पकड़ बनाई है। हां, अंधविश्वास एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें आप लोग अपने ही देश तक सीमित रहो तो अच्छा। अरे भाई, हम लोग आप के मंदिरों में क्यों जाएं, जब हमारे देश की एक बड़ी आबादी के पास अपने तैंतीस लाख देवी-देवता हैं। लाखों मंदिर, मस्जिद, चर्च, गुरुद्वारे, मजारें और आश्रम हैं। मित्र को जोश आ चुका था। वह बोला, हम ऐसे माहौल में बड़े होते हैं, जहां घर से निकलते वक्त कोई छींक दे तो लोग यात्रा टाल देते हैं। बिल्ली रास्ता काट दे तो रास्ता बदल देते हैं, बिना चीनी-दही खाए एग्जाम देने जाओ तो परचा बिगड़ जाता है और कुंडली में ग्रह न मिलें तो विवाह टूटना अवश्यंभावी होता है। चीनी फिर रैबिट-रैबिट करने लगा तो भारतीय बोला कि क्या रैबिट-रैबिट कर रहे हो। हमारे यहां तो अगर रात में बेचारा कुत्ता भूख या ठंड से चिल्ला रहा हो तो लोग उसे रोना करार देते हैं और अनिष्ट की आशंकाओं से ग्रस्त हो जाते हैं। लड़की मंगली हो तो दूल्हे से पहले बेचारी का किसी पेड़ या काले कुत्ते से ब्याह करने जैसे टोटके भी हैं, कुछ लोगों के। तुम चीनी लोग क्या खाकर हमारे अंधविश्वासों का मुकाबला करोगे। यहां अंतरिक्ष में उपग्रह भी भेजते हैं तो नारियल फोड़कर और राफेल भी खरीदकर लाते हैं तो उसके पहिए के नीचे से पहले नीबू कुचलवाते हैं। दिवाली की रात अगर घर में पारा हुआ काजल आंखों में न लगाओ तो अच्छे-खासे आदमी के अगले जन्म में छछूंदर होने का खतरा रहता है। चीनी भाई अब नतमस्तक हो चुका था। बोला, भाई गलती हो गई। यह सुनकर भारतीय बोला, अरे नहीं भाई माफी की क्या बात है। हिंदी चीनी भाई-भाई, तुम लोगों ने भी अपने बहुत से अंधविश्वास छोड़े, तभी तरक्की कर पाए। हमारे नौजवान भी अब वैज्ञानिक सोच वाले हो रहे हैं। पॉजिटिव एनर्जी लाने के लिए वह कुछ टोटकों को मानते हैं, लेकिन अंधविश्वास अब धीरे-धीरे कम हो रहे हैं। यह कहते हुए उसने अपने मोबाइल फोन पर चीनी को एक वीडियो दिखाया, जिसमें एक भारतीय लड़की बड़े बाबाओं और नजूमियों का दिमाग पढ़कर बता रही थी कि वह क्या सोच रहे हैं।

आजकल भांति-भांति प्रकार के बाबा, मौलवी, औलिया, प्रीस्ट और फादरों के प्रति लोगों के कथित अंधविश्वासों से भरे वीडियो सामने आ रहे हैं। कहीं कोई सिर पटक रहा है तो कहीं कोई नाच रहा है। कोई बेहोश होकर गिर पड़ रहा है तो कहीं कोई इसी बात से अभिभूत है कि बाबा जी ने उनके भूत की घटनाएं बता दीं। यह हाल सिर्फ अपने देश का ही नहीं है। एक परिचित भारतीय पैरिस में रहते हैं। हाल ही में 22 जनवरी को चीन के नए साल की शुरुआत हुई। भारतीय मित्र ने अपने चीनी दोस्त को शुभकामनाएं दीं। बातचीत शुरू हुई तो चीनी दोस्त ने बताया कि उनके नए साल का कोई न कोई जानवर प्रतीक होता है, जैसे इस बार खरगोश का साल है।

नागरिक बोध

सफलता जरूर मिलेगी अभी यह शुरूआत है

गत चार दिनी वाद-विवाद में बहुत सी महत्वपूर्ण बातें कही गई हैं और बहुत से अच्छे सुझाव भी दिए गए हैं। मैं देखता हूं कि विरोधी दल के कुछ माननीय सदस्य अपने लिए तो यह चाहते हैं कि कोई उनके सद्भाव पर लांछन न लगाए, परंतु वे दूसरों के सद्भाव पर संदेह करने को सदैव तैयार रहते हैं। यदि बात ऐसी नहीं होती, तो वह ऐसे न बोलते, जैसे बोले हैं। ...दूसरी कठिनाई आंकड़ों आदि के संबंध में है। विरोधी पक्ष के माननीय सदस्य स्वयं तो जब चाहें, आंकड़े प्रस्तुत कर देते हैं, परंतु जब कोई आंकड़े उनकी बात का खंडन करने के लिए दूसरी ओर से प्रस्तुत किए जाते हैं, तो वह कहते हैं कि यह तो आंकड़ों का हेर-फेर मात्र है, परंतु मैं समझता हूं कि साल भर की आय तथा व्यय का विवरण देने में आंकड़ों की सहायता लिए बिना काम नहीं चल सकता है। कुछ लोग हमसे रूस और चीन की ओर देखने के लिए कहते हैं। उनका कहना है कि रूस और चीन कितनी उन्नति कर रहे हैं। ...हो सकता है, उनका खंडन करने के लिए हमारे पास कुछ प्रमाण हों और हमारे लिए उन्हें प्रकट करना संभव न हो। खैर, मैं इस प्रश्न पर अधिक तर्क नहीं करना चाहता। ...अध्ययन करें, तो आप देखेंगे कि वहां भी कुछ वैसी ही असफलताएं मिली हैं, जैसी हमारे देश में बतलाई जाती हैं। ...मुझे यही कहना है कि अभी हम जो योजना तैयार कर रहे हैं, वह एक प्रकार की शुरुआती कार्रवाई है। इस बारे में प्रायः शिकायत है कि इसकी प्रगति बहुत मंद गति से हो रही है। मैं इसे महसूस करता हूं और शायद सब से ज्यादा; परंतु सारी कठिनाई यह है कि बिना रुपया लगाए कोई विशेष प्रगति नहीं हो सकती और यदि हम मुद्रास्फीति की वर्तमान स्थिति में विनियोजन करें, तो उसके जो परिणाम होंगे, उनके लिए हम उत्तरदायी होंगे। ...मेरा यह दावा अब भी ठीक है कि बम्बई और अहमदाबाद को छोड़कर, जहां की परिस्थिति ही विशेष है, और जगह राशन में आने वाले खाद्यों के मूल्य में जो वृद्धि हुई है, वह अन्य वस्तुओं की कीमतों में कमी होने से पूरी हो गई है। ...यदि हम मान लेते हैं कि लागत में कमी नहीं हो सकती है, तो इसका अर्थ यह हुआ कि हम हमेशा के लिए अधिक कीमतों को स्वीकार कर रहे हैं। ...आलोचकों से सहमत नहीं हूं तथा मैं आशा करता हूं कि कीमतों का स्तर जरूर नीचे गिरेगा। ...कुछ समय में हम बेरोजगारी दूर कर सकेंगे। ...भारत में परोक्ष करों का अनुपात बहुत अधिक है। ...आयकरदाताओं की संख्या जनसंख्या का चौथाई भाग है, जबकि ब्रिटेन में यह 40 प्रतिशत तथा संयुक्त राज्य अमेरिका में 45 प्रतिशत हैं।...करारोपण के संबंध में कुछ आंकड़े इस प्रकार हैं : 5,000 रुपये की आय पर कर की दर है 2.3 प्रतिशत। 30,000 रुपये की आय पर कर की दर 18.7 प्रतिशत और तीन लाख पर 70.8 प्रतिशत है। ...करों की ये दरें पूंजीपतियों के साथ कुछ पक्षपात करने की दृष्टि से नहीं निश्चित की गई हैं। ...अब मैं खाद्य को सस्ते भावों पर बेचने के लिए दी जाने वाली आर्थिक सहायता के बारे में कुछ कहूंगा। मैं चाहता हूं कि सदन इस बात को समझे कि वास्तविक कठिनाई अतिरिक्त धन प्राप्त करने में है। इस वर्ष और गत वर्ष की परिस्थितियों में बहुत अंतर है। पहले मैंने इस संबंध में 25 करोड़ रुपये रखे थे, ... 25 करोड़ के स्थान पर 15 करोड़ कर दिए। बस यही परिवर्तन हुआ है, जिसके बारे में न जाने क्या-क्या कहा गया है। जैसा कि डॉक्टर मुखर्जी ने कहा, वास्तविक समस्या बिल्कुल अलग है और वह है।

किम जोंग-जिनपिंग व पुतिन के बीच सबसे बड़े धोखेबाज थे अशरफ गनी...पूर्व अमेरिकी मंत्री का दावा

वाशिंगटन ।
अमेरिका के पूर्व विदेश सचिव माइक पोम्पिओ ने अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अशरफ गनी को लेकर बड़ा दावा किया है। अपनी पुस्तक नेवर गिव एन इंच: फाइटिंग फॉर द अमेरिका आई लव ने लिखा है कि मैं जितने भी वैश्विक नेताओं से मिला हूं, उसमें अशरफ गनी सबसे बड़े धोखेबाज थे।

माइक पोम्पिओ ने कहा, अशरफ गनी किसी भी तरह से सत्ता में बना रहना चाहते थे और इसके लिए वह किसी भी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहते थे। उन्होंने कहा, तालिबान के साथ शांति वार्ता में गनी सबसे बड़ी बाधा थे। बता दें, अमेरिकी सेना की अफगानिस्तान से वापसी के बाद तालिबान ने काबुल पर कब्जा कर लिया, जिसके बाद अशरफ गनी देश छोड़कर भाग गए थे।

धोखाधड़ी से गनी ने जीता था चुनाव

पोम्पिओ ने अपनी किताब में दावा किया कि गनी ने चुनाव बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी के कारण जीता था। गणना के अनुसार गनी ने देश के मुख्य कार्यकारी अब्दुल्ला अब्दुल्ला को हराया था, लेकिन सच्चाई यह थी कि गनी ने अन्य उम्मीदवारों की तुलना में मतदाताओं और वोट काउंटरों को अधिक रिश्वत दी थी। पोम्पियो ने कहा, गनी और अब्दुल्ला अब्दुल्ला दोनों उच्चतम स्तर पर भ्रष्टाचार में शामिल थे और दोनों किसी भी तरह से सत्ता चाहते थे। उन्होंने कहा, बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार ने अमेरिका की युद्ध से सफलतापूर्वक बाहर निकलने की क्षमता को सीमित कर दिया था।

शांतिवार्ता में सबसे बड़ी बाधा थे गनी

पोम्पिओं ने कहा, मैं दुनिया के कई नेताओं से मिला, यह मेरा पसंदीदा काम था। उन्होंने कहा, तालिबान के साथ शांतिवार्ता में गनी हमेशा एक बाधा बने रहे। जब आपके पास किम जोंग-उन, शी जिनपिंग) और व्लादिमीर पुतिन जैसे नेता हैं, फिर भी इन सबके बीच गनी बहुत बड़े धोखेबाज थे। उन्होंने अपनी किताब में लिखा कि मुझे कभी नहीं लगा कि वह अपने देश के लिए जोखिम उठाने के लिए तैयार हैं, जो उनकी सत्ता को खतरे में डाल सकता है। इससे मुझे घृणा हुई। उन्होंने कहा, जबकि तालिबान एक वास्तविक खतरा था और ट्रंप प्रशासन ने तालिबान से बातचीत के लिए पूर्व राजनयिक जलमय खलीलजाद को विशेष दूत नियुक्त किया था।

न्यूज ब्रीफ

ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कंजर्वेटिव पार्टी के प्रमुख को पद से हटाया, टैक्स में हेराफेरी का आरोप

लंदन । ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कंजर्वेटिव पार्टी के प्रमुख नदीम जहावी को राजकोष के चांसलर पद से बर्खास्त कर दिया है। नदीम पर टैक्स में हेराफेरी का आरोप लगा था। उनके खिलाफ सरकार ने जांच शुरू की और उन्हें मंत्रिस्तरीय संहिता का गंभीर उल्लंघन करते हुए पाया। सुनक ने अपने स्वतंत्र सलाहकार को जहावी के खिलाफ लगे टैक्स में हेराफेरी आरोप पर जांच करने का आदेश दिया था, जो पिछले साल ब्रिटेन में राजनीतिक उथल-पुथल के दौरान कुछ समय के लिए वित्त मंत्री थे। जहावी ने कहा कि ब्रिटेन के टैक्स अधिकारियों ने जो फैसला सुनाया है कि वह अपनी घोषणाणों के प्रति लापरवाह थे। लेकिन उन्होंने जानबूझकर कम टैक्स का भुगतान करने में कोई गलती नहीं की थी। सुनक ने जहावी को लिखे एक पत्र में कहा कि स्वतंत्र सलाहकार की जांच पूरी होने के बाद निष्कर्ष निकाला गया है और उन्हें हमारे साथ साझा किया गया है। स्पष्ट है कि मंत्रिस्तरीय संहिता का गंभीर उल्लंघन हुआ है। परिणास्वरूप, मैंने आपको आपके पद से हटाने के फैसले के फैसे के बारे में सूचित किया है।

भारी बारिश से न्यूजीलैंड का ऑकलैंड शहर बेहाल, तीन मौतें, हवाईअड्डे पर फंसे रहे सैकड़ों यात्री

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के सबसे बड़े शहर ऑकलैंड शहर में लगातार जारी मूसलाधार बारिश और उससे उत्पन्न बाढ़ जैसी स्थिति के चलते तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य लापता हैं। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। इस बीच, अधिकारियों ने ऑकलैंड में आपात स्थिति की घोषणा की। शुक्रवार रात को कुछ स्थानों पर महज तीन घंटे में 15 सेंटीमीटर (6 इंच) से ज्यादा बारिश हुई है। न्यूजीलैंड के नए प्रधानमंत्री क्रिस हिपकिंस ने बारिश से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए सैन्य विमान से शहर का निरीक्षण किया। जैसिंडा अर्डर्न के इस्तीफे के बाद हिपकिंस ने बुधवार को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। हिपकिंस ने कहा, बारिश ने ऑकलैंड को बुरी तरह से प्रभावित किया है। शहर के लोगों को इस बात के लिए तैयार रहने की जरूरत है कि वहां और अधिक बारिश हो सकती है। इससे पहले, ऑकलैंड हवाई अड्डे के टर्मिनल के कुछ हिस्सों में पानी भर जाने और सभी उड़ानें रद्द किए जाने के कारण सैकड़ों यात्री रातभर हवाईअड्डे पर फंसे रहे। उधर, रेमुएरा के उपनगर में भूस्खलन में एक घर के धंसने के कारण एक व्यक्ति का पता नहीं चल पा रहा है। जिला प्रबंधक ब्रैड मोरबी ने कहा कि क्षेत्र में आपदा राहत एजेंसी ने 126 लोगों को बचाया है जो घरों या कारों में फंसे हुए थे।

ईरान के सैन्य संयंत्र में जोरदार धमाका, रक्षा मंत्रालय ने बताया नाकाम ड्रोन हमला

ईरान । ईरान के केंद्रीय शहर इस्फहान से बड़ी खबर सामने आ रही है जहां एक सैन्य संयंत्र में एक जोरदार धमाका हुआ है। ईरानी राज्य प्रसारक आईआरआईबी ने रविवार तड़के अपनी वेबसाइट पर ये जानकारी दी। वहीं रक्षा मंत्रालय ने इसे एक नाकाम ड्रोन हमला बताया। मंत्रालय ने यह नहीं बताया कि हमले को अंजाम देने का संदेह किस पर है। इससे पहले आईआरआईबी ने अधिक विवरण दिए बिना बताया कि विस्फोट रक्षा मंत्रालय के गोला-बारूद निर्माण केंद्रों में से एक में हुआ। इस दौरान एक ड्रोन को मार गिराया गया और अन्य ड्रोन को पकड़ लिया गया था और इसे भी नष्ट कर दिया गया। मंत्रालय ने कहा कि इस असफल हमले में ज्यादा नुकसान नहीं हुआ है और किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। हालांकि, इस दौरान फैक्ट्री की छत को मामूली क्षति पहुंची है। ईरानी रक्षा मंत्रालय ने अपने बयान में आगे कहा कि हमले ने उनकी मिलिट्री फैक्ट्री को प्रभावित नहीं किया है। मंत्रालय ने आगे कहा कि हमले की साजिश से देश के विकास पर कोई प्रभाव नहीं पड़ने वाला है।

डोनाल्ड ट्रम्प ने दोबारा राष्ट्रपति बनने कैंपेन शुरू की

इलेक्ट्रिक गाड़ियां यूज करने वालों का मजाक उड़ाया, ट्रांसजेंडरों पर भद्दे कमेंट किए

वॉशिंगटन।
अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दोबारा से राष्ट्रपति बनने के लिए कैंपेन शुरू कर दी है। शनिवार को उन्होंने अमेरिका की उन जगहों का दौरा किया जहां 2024 के चुनाव में सबसे पहले वोटिंग होगी। इनमें न्यू हैम्पशायर और साउथ कैरोलिना शामिल हैं। इस बार ट्रम्प की कैंपेन इतनी भव्य नहीं है।

वो पार्टी के लोगों के साथ छोटी-छोटी बैठकें कर रहे हैं। हालांकि उनके भाषण देने के तरीके और दावों में कोई ज्यादा फर्क नहीं आया है। न्यू हैम्पशायर में ट्रम्प ने इलेक्ट्रिक गाड़ियों का इस्तेमाल करने वाले लोगों को मजाक उड़ाया साथ ही उन्होंने ट्रांसजेंडर लोगों के बारे में भद्दे कमेंट किए। ट्रम्प ने कहा कि वो सत्ता में आने के बाद ट्रांसजेंडर्स को महिलाओं के खेल में हिस्सा नहीं लेने देंगे।

मुझमें अब और भी गुस्सा- ट्रम्प

ट्रम्प ने भले ही कैंपेन की शुरुआत छोटे स्तर पर की हो लेकिन उनके तेवर में कोई कमी नहीं आई है। साउथ कैरोलिना में डोनाल्ड ट्रम्प ने अपनी पार्टी के लीडरों को कहा- अब मुझ में और भी गुस्सा है, मैं पहले से कहीं ज्यादा समर्पित हूं। उन्होंने ये भी कहा कि ये सिर्फ शुरुआत है हम आगे और भी भव्य रैलियां करेंगे। साथ ही यह भी बताया कि अमेरिका के लिए उनका एजेंडा बाइडेन से ठीक उलटा होगा। उन्होंने क्राइम और प्रवासियों को लेकर डेमोक्रेटिक पार्टी की आलोचना की।

पहले अपनी पार्टी को साधना होगा

डोनाल्ड ट्रम्प को फिर से अमेरिका

का राष्ट्रपति बनने के लिए पहले तो अपनी ही पार्टी से उम्मीदवारी की रेस जीतनी होगी। दरअसल रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से ट्रंप ही नहीं बल्कि फ्लोरिडा के गवर्नर रोन डिसांटिस ने भी राष्ट्रपति चुनाव का उम्मीदवार बनने के लिए दावेदारी पेश की है। जिसे लेकर वो लगातार डिसांटिस पर हमलावर हैं।

साथ ही इसकी भी संभावनाएं काफी ज्यादा हैं कि ट्रम्प की सरकार के दौरान ह में अमेरिका का प्रतिनिधित्व करने वाली भारतीय मूल की निक्की हेली भी रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से अपनी दावेदारी पेश कर सकती हैं। सोशल मीडिया पर अकाउंट बहाल होने की घोषणा के बाद कैंपेन की शुरुआत ट्रम्प ने कैंपेन की शुरुआत फेसबुक और इंस्टाग्राम पर उनका अकाउंट बहाल करने की घोषणा के बाद की है। ट्रम्प के सोशल मीडिया अकाउंट 6 जनवरी 2021 को अमेरिकी संसद में हुई हिंसा के बाद ब्लॉक कर दिए गए थे। हालांकि इसके बाद ट्रम्प ने अपना खुद का सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल बनाया था।

ट्रम्प के सामने कई चुनौतियां

राष्ट्रपति चुनाव लड़ने से पहले ट्रम्प के सामने कई चुनौतियां हैं। नवंबर में डोनाल्ड ट्रम्प को अरबों कमाकर देने वाली उनकी खानदानी रिएल एस्टेट कंपनी द ट्रम्प ऑर्गेनाइजेशन को टैक्स फ्रॉड समेत कई अपराधों का दोषी पाया गया था। लगभग एक महीने तक चली सुनवाई में ज्यूरी ने ट्रम्प की कंपनी को 17 मामलों में दोषी करार दिया था। जाहिर है कि पार्टी में ही उनके प्रतिद्वंद्वी और डेमोक्रेट्स चुनाव के दौरान इस मामले को लेकर ट्रम्प को घेरेंगे। इसके अलावा अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने कैपिटोल हिल अटैक के मामले में ट्रंप को बड़ी साजिश का आरोपी माना है। पिछले महीने जारी रिपोर्ट में कहा गया था कि 2020 के अंत में राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों को बदलने के लिए 6 जनवरी को ट्रम्प के समर्थकों ने अमेरिकी संसद पर हमला कर दिया था। इस पूरी घटना को अंजाम देने के लिए ट्रम्प ने ही उन्हें भड़काया था। टैक्स चोरी और कैपिटोल हिंसा मामले के अलावा ट्रम्प खुफिया फाइलें अपने पास रखने के मामले में भी घिरे हुए हैं। द वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, नेशनल आर्काइव ने कहा था कि राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद ट्रम्प व्हाइट हाउस छोड़ते वक्त कागजात से भरे 15 बॉक्स अपने साथ ले गए थे।

बलूचिस्तान में गहरे नाले में गिर गई तेज रफ्तार बस, 39 की मौत, कई घायल

क्वेटा । पाकिस्तान के लास्बेला में एक बड़ा हादसा हुआ। यहां यात्रियों से भरी एक तेज रफ्तार बस गहरे नाले में गिर गई। इस दुर्घटना में 39 लोगों की मौत हुई है, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। बताया गया है कि एक्सीडेंट इतना भीषण था कि नाले में गिरते ही बस में आग लग गई। यह बस कराची से क्वेटा जा रही थी। क्षेत्र की सहायक कमिश्नर हमजा अंजुम नदीम ने कहा कि बस में 48 लोग सवार थे। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के तुरंत बाद ही राहत-बचाव कार्य शुरू कर दिए गए थे और सभी शवों को निकाल लिया गया है। वहीं, घायलों को पास के ही सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, बचावकर्मियों को रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी दिक्कतें आईं, क्योंकि हादसा रविवार देर रात हुआ और अंधेरे की वजह से पुलिस को मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

भारत की परमाणु नीति का फोकस पाक नहीं चीन

अमेरिकी रिपोर्ट में दावा- भारतीय मिसाइलों की रेंज में चीनी शहर, जल्द तैनात होंगे एडवांस हथियार

वॉशिंगटन।
भारत लगातार अपने परमाणु हथियार और उन्हें ऑपरेट करने की टेक्नोलॉजी को एडवांस कर रहा है। फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स की एक हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की परमाणु रणनीति का फोकस चीन पर बढ़ता जा रहा है। पहले यह रणनीति पाकिस्तान को ध्यान में रखते हुए बनाई जाती थी। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में कम से कम चार नए वेपन सिस्टम डेवलप किए जा रहे हैं। ये मौजूदा हथियारों को रिप्लेस करेंगे या उन्हें बेहतर बनाएंगे। इनमें परमाणु क्षमता वाले विमान, लैंड-बेस्ड डिलीवरी सिस्टम और पनडुब्बी से छोड़ी जाने वाली मिसाइलें शामिल हैं।

अभी भारत के पास 8 न्यूक्लियर सिस्टम

अमेरिकी रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फिलहाल देश के पास परमाणु क्षमता से लैस 8 सिस्टम हैं। इनमें 2 एयरक्राफ्ट, 4 लैंड-बेस्ड बैलिस्टिक मिसाइल और 2 सी-बेस्ड बैलिस्टिक मिसाइल हैं। फिलहाल विकसित किए जा रहे 4 नए सिस्टम जल्द ही मैदान में उतरने के लिए तैयार हो जाएंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन, भारतीय बैलिस्टिक मिसाइलों की रेंज में है।

देश के पास 160 परमाणु हथियारों का भंडार

भारत ने फिलहाल 160 परमाणु हथियारों का स्टॉक रखा हुआ है। नए मिसाइल सिस्टम को ऑपरेट करने के लिए और परमाणु हथियार भी बनाने पड़ेंगे। इसके लिए देश ने 700 किलोग्राम वेपन-ग्रेड प्लूटोनियम का प्रोडक्शन किया है। इससे 138 से 213 परमाणु हथियार बनाए जा सकते हैं।

पाकिस्तान के पास भारत से ज्यादा न्यूक्लियर वेपन

इस वक्त पाकिस्तान के पास परमाणु हथियार ज्यादा हैं। रिपोर्ट की मानें तो पाकिस्तान के पास 165 हथियार हैं। वहीं चीन के पास 350, अमेरिका के पास 5,428 और रूस के पास 5,977 परमाणु हथियारों का भंडार है। यही वजह है कि भारत अपनी सैन्य ताकत को मजबूत करने के लिए कम कर रहा है।

तालिबान सरकार का फरमान, निजी विश्वविद्यालय लड़कियों के लिए पंजीकरण की न दें अनुमति

काबुल ।
अफगानिस्तान में तालिबान सरकार ने निजी विश्वविद्यालयों को आदेश दिया है कि वयस्क होने तक लड़कियों को प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण की अनुमति न दी जाए। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, निजी विश्वविद्यालयों की एसोसिएशन ने कहा कि तालिबान के उच्च शिक्षा मंत्रालय ने उन्हें एक चिट्ठी लिखकर लड़कियों के नामांकन स्थगित करने के लिए कहा है। पत्र में कहा गया है कि अगली सूचना तक छात्राओं को पंजीकरण की अनुमति नहीं है और इस फैसले का उल्लंघन करने पर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अफगानिस्तान में निजी विश्वविद्यालयों में दाखिला लेने के लिए सरकार अलग से परीक्षा लेती है, जिसकी निगरानी उच्च शिक्षा मंत्रालय करता है। हर साल मंत्रालय प्रवेश परीक्षा की तारीख भी तय करता है। मालूम हो कि पिछले साल 20 दिसंबर को तालिबान के उच्च शिक्षा मंत्रालय ने सार्वजनिक और निजी विश्वविद्यालयों में लड़कियों की शिक्षा को निलंबित कर दिया था।

म्यांमार सैन्य सरकार ने सियासी दलों के लिए बनाया नया कानून, आंग सान सू की की पार्टी ने किया खारिज

बैंकॉक।
म्यांमार की सैन्य सरकार ने राजनीतिक दलों के पंजीकरण को लेकर एक नया कानून बनाया है। इस कानून की वजह से साल के अंत में होने वाले आम चुनाव में विपक्षी समूहों के लिए सेना समर्थित उम्मीदवारों को कड़ी चुनौती देना मुश्किल हो जाएगा। इस कानून को सू की की पार्टी ने खारिज कर दिया है।

नए कानून में उन दलों या उम्मीदवारों के चुनाव लड़ने पर रोक लगाई गई है, जिन्हें सैन्य शासन गैर-कानूनी मानता है या उनका संबंध ऐसे संगठनों से है, जिन्हें सैन्य सरकार ने आतंकवादी समूह घोषित कर रखा है। नया कानून दलों को संघीय निर्वाचन आयोग में पंजीकरण कराने के लिए दो महीने का वक्त देता है और ऐसा न करने वाले दल अमान्य हो जाएंगे और उन्हें भंग मान लिया जाएगा। पूरे देश में चुनाव लड़ना चाह रहे दलों के लिए जरूरी होगा कि वे पंजीकरण के बाद तीन महीने में कम से कम एक लाख सदस्य बनाएं, जो 2020 के चुनाव के लिए

तय किए गए न्यूनतम स्तर से 100 गुना ज्यादा है। दलों को छह महीने के अंदर देश के आधे नगरों में अपने दफ्तर खोलने होंगे और कम से कम आधी सीटों पर चुनाव लड़ना होगा। उधर, आंग सान सू की के नेतृत्व वाली 'नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी' ने नए कानून को खारिज किया है।

सू की की सरकार के शीर्ष सदस्य गिरफ्तार

सेना ने फरवरी 2021 में आंग सांग सू की की लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार का तख्तापलट कर उन्हें व उनकी 'नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी पार्टी' के शीर्ष सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया था। सैन्य तख्तापलट के विरोध में देशभर में हुए प्रदर्शनों को सुरक्षाबलों ने कुचल दिया था, जिसमें करीब 2,900 आम नागरिकों की मौत हुई थी और हज़ारों लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया था।

रेडियोएक्टिव कैप्सूल' गायब होने से मचा हड़कंप, सिर्फ छूने के हो सकते है गंभीर नतीजे

कैनबरा ।
पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में 'रेडियोएक्टिव कैप्सूल' के गायब होने से हड़कंप मच गया है। सूचना फैलते ही लोगों में दहशत का माहौल पैदा हो गया है। सरकार ने सावधान रहने के लिए अलर्ट जारी कर दिया है। अधिकारियों के मुताबिक खनन में इस्तेमाल होने वाला एक रेडियोधर्मी कैप्सूल इस महीने 10-16 जनवरी के बीच ट्रक से खनन साइट पर ले जाते समय न्यूमैन शहर और पर्थ शहर के बीच कहीं गिर गया था।

सुरक्षाबल और रिसर्च टीम इसे ढूंढ रही है। सरकार को इस बात का डर है कि कहीं इसे कोई गलती से छू न ले क्योंकि यह बेहद खतरनाक है। इसे छूने भर से गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का खतरा

अग्निशमन और आपातकालीन सेवा विभाग ने कहा कि सीजियम -137 युक्त छोटा सिल्वर कैप्सूल न्यूमैन के उत्तर से परिवहन के दौरान खो गया। इस रेडियोएक्टिव पदार्थ का इस्तेमाल खनन कार्यों में किया जाता है। इस पदार्थ के संपर्क में आने से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी हो सकती है।

इसे छूने भर से भुगतने होंगे गंभीर परिणाम

कैप्सूल कथित तौर पर एक रियो टिंटो लिमिटेड खदान से था। कंपनी ने टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी एंड्रयू रॉबर्टसन ने कहा कि अगर कैप्सूल को शरीर के करीब रखा जाता है, तो त्वचा बुरी तरह जल सकती है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि अगर इसे लंबे समय तक रखा गया और उन्हें लंबे समय तक उजागर किया गया, तो उनके कुछ और गंभीर प्रभाव हो सकते हैं, जिसमें उनकी प्रतिरक्षा प्रणाली पर प्रभाव भी शामिल है। उन्होंने कहा कि ऐसा सोचा गया था कि ट्रक के कंपन के कारण गेज अलग हो गया और फिर वस्तु उसमें से निकल गई।

डिपार्टमेंट ने एक तस्वीर भी जारी की

डिपार्टमेंट ने एक तस्वीर भी जारी की है जिसमे कैप्सूल लंबाई 8 एमएम और चौड़ाई 6 एमएम है। इसका साइज ऑस्ट्रेलियाई 10 सेंट के सिक्के से भी छोटा दिख रहा है। दरअसल, ये रेडियोएक्टिव कैप्सूल पर्थ से न्यूमैन के बीच 1,400 किलोमीटर के दायरे में कहीं गिर गया है। हालांकि सुरक्षा टीम जांच में जुटी है लेकिन कोई कामयाबी हाथ नहीं लगी है।

हेल्पलाइन नंबर जारी

वहीं लोगों को अलर्ट करते हुए डीएफईएस ने कहा कि यदि उन्हें ऐसा कोई वस्तु दिखता है तो तुरंत डिपार्टमेंट को कॉल करें और उस वस्तु से कम से कम 5 मीटर दूर रहे। डीएफईएस ने 133337 नंबर जारी करते हुए, इस पर कॉल कर सूचना देने की अपील की है।

पेपर लीक मामला

सीबीआई जांच की मांग को ले किरोड़ी लाल मीणा बारिश के मौसम में डटे रहे

जयपुर (हिंस)। पेपर लीक के मामलों की सीबीआई जांच एवं सरकारी नौकरियों में राजस्थान के युवाओं को 95 प्रतिषत आरक्षण आदि मांगों को लेकर राज्य सभा सांसद डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा रविवार छठे दिन रविवार को भी इस कड़ाके की ठंड में प्रदेश के सैकड़ों युवाओं के साथ धरने पर बैठे रहे। इस दौरान रविवार को धरना स्थल पर राष्ट्रीय मंत्री भाजपा अलका सिंह गुर्जर, नगर निगम उपमहापौर पुनीत कर्णावत, पूर्व उप महापौर मनीष पारीक मौके पर मौजुद रह कर समर्थन किया। डॉ. किरोड़ी लाल

मीणा ने कहा की युवाओं की समस्याओं के समाधान के लिए क्या सर्दी, क्या गर्मी और क्या बारिश। युवाओं के साथ जब तक न्याय नहीं होगा, वह धरने पर डटे रहेगं। भगवान की कृपा व गरीब की दुआ और युवाओ का प्यार से कोई अहित नहीं हो सकता। इन सबकी सद्भावना उनकी पूंजी है, उनका बल व शक्ति है। इस अंधी-बहरी सरकार को वह जगा कर रहेगे। डॉक्टर मीणा ने रामचरितमानस की चौपाई का जिक्र करते हुए अशोक गहलोत पर वार कर कहा कि गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस में लिखा है....

चीन ने लगभग दो हजार वर्ग किमी भारतीय क्षेत्र को हड़प लिया : राहुल गांधी

श्रीनगर (हिंस)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि चीन के मामले में उन्होंने चुप्पी साध रखी है, जबकि चीन ने लगभग दो हजार वर्ग किमी भारतीय क्षेत्र को हड़प लिया है। सिर्फ देश के प्रधानमंत्री को लगता है कि चीन ने देश की जमीन नहीं हड़पी है। राहुल गांधी रविवार को भारत जोड़ो यात्रा के श्रीनगर पहुंचने पर यहां पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री देश के एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं, जिन्हें लगता है कि चीनियों ने भारत की कोई जमीन नहीं ली है। राहुल ने कहा कि उनसे आसाम और लद्दाख के लोग मिले हैं, जिन्होंने इस पर उनसे चर्चा की। एक लद्दाखी प्रतिनिधिमंडल ने स्पष्ट रूप से कहा कि दो हजार वर्ग किमी भारतीय क्षेत्र को चीन ने हड़प लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि

कई पेट्रोलिंग पॉइंट, जो भारत में हुआ करते थे, अब चीन के हाथों में हैं। सरकार पूरी तरह से इससे इंकार कर रही है, जो अच्छी बात नहीं है। यह खतरनाक है और यह चीन को और अधिक आक्रामक चीजें करने के लिए आत्मविश्वास देगा। राहुल गांधी ने कहा कि हमें चीन से सख्ती से निपटना होगा और उन्हें बताना होगा कि वे हमारी जमीन पर बैठे हैं, इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि भारत जोड़ो यात्रा का सोमवार को शेरे-कश्मीर क्रिकेट स्टेडियम में समापन होगा। इस मौके पर यहां एक बड़ी रैली का आयोजन किया गया है।

जजपा का बड़ा कुनबा, महिलाओं ने ज्वाइन की पार्टी

रोहतक (हिंस)। जननायक जनता पार्टी द्वारा कलानौर हलके के गांव भाली में समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर गांव की सैकड़ों महिलाएं जजपा में शामिल हुई। जिला अध्यक्ष दलबीर भराण व उपप्रधान संतोष अहलावत ने पार्टी में शामिल होने वाली महिलाओं को पूरा मान सम्मान देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर पार्टी नेताओं ने कहा कि आज प्रदेश में पार्टी की नीतियों में लोगों का विश्वास बढ़ता जा रहा है और लोग उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला मे अपनी आस्था प्रकट रहे है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वह पार्टी की नीतियों को जन जन तक पहुंचाए और ज्यादा से ज्यादा लोगों को पार्टी के साथ जोड़ें, क्योकि संगठन जितना मजबूत होगा पार्टी उतनी अधिक मजबूत होगी। आने वाला समय जननायक जनता पार्टी का होगा।

अंतर्राष्ट्रीय आर्य सम्मेलन के लिए कमेटियां गठित

जोधपुर (हिंस)। शहर में पहली बार 26 से 28 मई-2023 तक होने वाले अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन के लिए आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के पदाधिकारियों की विशेष बैठक रविवार को हाईकोर्ट कॉलोनी स्थित कर्मवीर रामसिंह आर्य स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हुई। बैठक में 50 सदस्यों की अलग-अलग कमेटियों का गठन किया गया। आर्य वीर दल राजस्थान के अधिष्ठाता भंवरलाल आर्य ने बताया कि महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती व जोधपुर आगमन के 140 वर्ष पूर्ण होने पर तीन दिवसीय महासम्मेलन आयोजित किया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय स्तर का आर्य सम्मेलन आर्य युवक परिषद हरियाणा के प्रधान व मिशन आर्यवृत के संयोजक स्वामी आदित्यवेश की देखरेख में किया जाएगा। इसमें राजस्थान के साथ मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट्र, पूना के साथ अमेरिका, दक्षिण अफ्रीका, आस्ट्रेलिया, जर्मनी सहित अन्य देशों से बड़ी संख्या में आर्य सन्यासी व गुरुकुल के शिष्य व आर्य समाज से जुड़े लोग भाग लेंगे। प्रतिनिधि सभा के मंत्री कमलेश आर्य की अध्यक्षता में हुई इस विशेष बैठक में जयपुर, जोधपुर, बहरोड, जालोर, शिवगंज, बालोतरा, पाली सहित अन्य क्षेत्रों से आए आर्य समाज से जुड़े लोग मौजूद रहे।

जोश और जज्बे के जश्न का आगाज एयू जयपुर मैराथन पांच फरवरी को

जयपुर (हिंस)। वर्ल्ड ट्रेड पार्क ओर संस्कृति युवा संस्था की ओर से एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के साथ आगामी पांच फरवरी को होने वाली एयू जयपुर मैराथन के उत्सव के लिए जयपुर तैयार होने लगा है, इसी कड़ी में रविवार को टॉर्च सेरेमनी का आयोजन वर्ल्ड ट्रेड पार्क प्रांगण में किया गया। इस दौरान स्वच्छ भारत और फिट इंडिया का संदेश देते हुए प्री इवेंट्स का आगाज किया। कार्यक्रम में अनूप बरतरिया, चेयरमैन वर्ल्ड ट्रेड पार्क, पंडित सुरेश मिश्रा, अध्यक्ष संस्कृति युवा संस्था, उपमहापौर पुनीत कर्णावट, सांसद रामचरण बोहरा, एगजीक्यूटिव प्रेजिडेंट, सौरभ तांबी, पूर्व जयपुर महापौर ज्योति खंडेलवाल अतिथि मौजूद रहे, जिन्होंने मैरेथन की टार्च को प्रज्वलित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एयू जयपुर मैराथन के आयोजक पंडित सुरेश मिश्रा ने कहा कि देश भर में स्वच्छता सर्वेक्षण में जयपुर को पहले स्थान पर लाने के लिए जरुरी है की हर जयपुरवासी इस मुहीम से जुड़े। अनूप बरतरिया, चेयरमैन वर्ल्ड ट्रेड पार्क, ने इस अवसर पर कहा कि एयू जयपुर मैराथन में जिस तरह से ज्यादा से ज्यादा लोग जुड़ रहे है इस वर्ष ये मैराथन भारत की ही नहीं अपितु विश्व की सबसे बड़ी मेराथन के रूप में स्थापित हो जाएगी।

राशन कार्ड बनवाने गया तो थमा दिया मौत का दस्तावेज

जींद (हिंस)। उपमंडल सफीदों के गांव सिंघाना का 72 वर्षीय व्यक्ति सूरत सिंह भले ही आज भी ना केवल जिंदा बल्कि स्वस्थ है, लेकिन एक सरकारी रिकार्ड में उसकी मौत हो चुकी है। सूरत सिंह ने बताया कि उसके पास पिछले 15 वर्षों से राशन कार्ड नहीं है। कई दिन पहले जब वह राशन कार्ड बनवाने के लिए संबंधित कार्यालय द्वारा मांगे जाने पर एक सीएससी सेंटर पर अपना परिवार पहचान पत्र निकलवाने को गया तो सेंटर पर बैठे युवक ने उसे उसकी मौत का दस्तावेज प्रिंटर से निकाल कर उसके हाथ में थमा दिया जिसमें लिखा था कि इस परिवार पहचान पत्र के व्यक्ति की पहले ही मौत हो चुकी है। इस पर हैरान सूरत सिंह कई दफ्तरों के चक्कर कट चुका है। उसका कहना है कि उसे यह भी नहीं बताया गया है कि वह किससे इस बात का सबूत ले कि वह मरा नहीं, जिंदा है ताकि उसका परिवार पहचान पत्र बहाल हो सके और फिर वह अपना राशन कार्ड बनवा सके। उसने बताया कि उसके दो-सदस्यीय परिवार में उसकी पत्नी मेवा देवी भी है।

भोजन के बहाने ओबीसी कार्यकर्ताओं को मजबूत बना रही बीजेपी

गुरुग्राम (हिंस)। ओबीसी कार्यकर्ताओं को मजबूत बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने क्षेत्र में सक्रियता बढ़ा दी है। रविवार को गुरुग्राम के 11 मंडलों में भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों का प्रवास रहा। इस दौरान उन्होंने गुरुग्राम में ओबीसी बाहुल्य बूथों को चिन्हित करने का काम किया। आगामी समय में होने वाले नगर निगम चुनावों की एक तरह से यह तैयारी है। हर मंडल में ओबीसी कार्यकर्ता के घर पर राष्ट्रीय नेताओं ने भोजन किया। फरूखनगर में पूर्व सांसद एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चंदू लाल साहू, खेड़की दौला में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बेलभाई कांजीभाई मसानी, बादशाहपुर में पूर्व सांसद एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सागर रायका, नवीन मंडल में सांसद एवं राष्ट्रीय महामंत्री संगम लाल गुप्ता का प्रवास रहा। इसके अलावा डूंडाहेड़ा मंडल में राष्ट्रीय महामंत्री निखिल आनंद, दयानंद मंडल में राष्ट्रीय मंत्री यशपाल

सूवर्णा, सरस्वती मंडल में राष्ट्रीय मंत्री कृष्ण महतो, अर्जुन मंडल में राष्ट्रीय मंत्री राष्ट्रीय आईटी प्रमुख राहुल नागर व अजय सहरावत, शीतला मंडल में राष्ट्रीय मंत्री रशपाल वर्मा, मानेसर में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एवं हरियाणा प्रभारी गजेंद्र यादव, सोहना में प्रदेश सह प्रभारी सुरेंद्र सैन का प्रवास रहा। पूर्व मंत्री एवं ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कर्णदेव कांबोज के मुताबिक प्रवास के दौरान राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सामूहिक रूप से सुना। साथ ही पदाधिकारियों की बैठक ली। बैठक में पदाधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने-अपने मंडल में ओबीसी बाहूल्य बूथों को चिह्नित करने का काम करें। इसके साथ-साथ जो ओबीसी के की-वोटर हैं, उनकी एक सूची बनाई जाए तथा उनको भाजपा से जोड़ा जाए। पूर्व मंत्री कांबोज ने कहा कि प्रवास के दौरान राष्ट्रीय नेताओं ने पदाधिकारियों को पन्ना समिति बनाने, पार्टी का सहयोग करने और हर पन्ना समिति में अपने कम से कम एक ओबीसी कार्यकर्ता को शामिल करने का काम करें। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने अपने-अपने मंडल में स्थित ओबीसी वोटरों की बैठक भी ली और उनका भाजपा से जुड़ने का आह्वान किया।

एजीटीएफ ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के खास गुर्गे राजवीर को किया गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस की एजीटीएफ ने एक बड़ी सफलता प्राप्त की है। एजीटीफ ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग के खास सदस्य राजवीर सिंह को चाईनीज पिस्तौल और छह कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। डीजीपी पंजाब गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान खन्ना जिले के राजगढ़ गांव निवासी राजवीर सिंह उर्फ रवि राजगढ़ के रूप में हुई है। राजवीर पिछले कई सालों से लॉरेंस बिश्नोई और कनाडा के आतंकी गोल्डी बराड़ के कहने पर आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहा था। उसके खिलाफ राज्य में हत्या, हत्या के प्रयास जैसे गंभीर मामले दर्ज हैं। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि एडीजीपी प्रमोद बान के नेतृत्व में एजीटीएफ को मिली सूचना के आधार पर डीएसपी राजन परमिंदर और डीएसपी दीपिका सिंह के नेतृत्व में एआईजी एजीटीएफ संदीप गोयल की निगरानी में एक पुलिस टीम गठित की और एसएएस

नगर के सेक्टर-79 से राजवीर को कार चलाते हुए गिरफ्तार कर लिया। शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपी राजवीर लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के गुर्गों को रहने की व्यवस्था, खाने-पीने और पैसे की सहायता, हथियार और वाहनों का इंतजाम करता था।

यमराज के साथ यातायात पुलिस ने सड़क सुरक्षा के प्रति किया जागरुक

गुरुग्राम (हिंस)। गुरुग्राम यातायात पुलिस ने सड़क सुरक्षा के प्रति जागरुकता के लिए रविवार को लेजरवैली पार्क क्षेत्र में यमराज बने कलाकार के साथ लोगों को जागरुक किया। सुबह 7 बजे से 9 बजे तक जागरुकता का यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में शहरवासियों को हेल्थ चेकअप और योगा के साथ सड़क सुरक्षा नियमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। लोगों को यातायात के नियमों का पालन करने के लिए अनुरोध किया गया, ताकि यात्रा को सुरक्षित व सुगम बनाया जा सके। इस दौरान रात्रि के समय होने वाली दुर्घटनाओं से बचाव के लिए वाहनों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगाए गए।

मनुष्य विरोधी व्यवस्था का प्रतिरोध ही साहित्य का मूल सरोकार है : ओम थानवी

उदयपुर (हिंस)। *वर्तमान समय में मनुष्य विरोधी व्यवस्था का स्वर अब भी विद्यमान है, हालांकि यह अलग बात है कि लोग अधिकांशत: खुल कर बोलने में झिझकते हैं लेकिन हमारे लिए चिन्ता की बात तब हो जाती है कि जब लेखक भी मौन धारण कर लें। यह संतोष की बात है कि हमारे लेखक लगातार गलत चीजों तथा मानवीय स्वतंत्र अभिव्यक्ति पर अघोषित प्रतिबंध को लेकर मुखर रहे हैं।* ये विचार प्रसिद्ध पत्रकार एवं साहित्यकार ओम थानवी ने राजस्थान साहित्य अकादमी के 65वें स्थापना दिवस एवं अमृत सम्मान समारोह के अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हमारे समय में साहित्य की जगह लगातार सिकुड़ती जा रही है। खास करके मुद्रित मीडिया के स्तर पर यह तथ्य स्वयं स्पष्ट है। अब साहित्यिक समारोह भी बाजार की चीज हो गए हैं और यह बात साहित्य के नैतिक मापदंडों के प्रतिकूल है। मुख्य अतिथि के रूप में

संबोधित करते हुए हिन्दी एवं राजस्थानी के प्रसिद्ध रचनाकार डॉ. चंद्रप्रकाश देवल ने कहा कि विश्व की सभी सभ्यताओं में सबसे पहले कविता का प्रादुर्भाव भारत में ही हुआ। उनके अनुसार कविता हमेशा प्रतिपक्ष में ही ख?ी होती है और उसका प्रयोजन तथा तेवर सत्य की खोज पर ही केंद्रित होता है। सत्ता-व्यवस्था के प्रति विरोध का सर्वप्रथम स्वर राजस्थान में कवयित्री मीरां बाई ने बुलंद किया जो कि राजस्थान के गर्व की बात है। अकादमी अध्यक्ष डॉ. दुलाराम सहारण ने अकादमी की वर्तमान तथा भावी गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अकादमी सभी साहित्यकारों की है तथा उनके प्रति ही समर्पित है। उन्होंने वैचारिक कट्टरता से दूर रह कर पारदर्शी तथा तथ्याधारित नीतियों पर चलने का दृढ़ संकल्प व्यक्त किया तथा सभी साहित्यकारों से सक्रिय सहयोग की अपील की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि दिव्यप्रभा नागर ने भी अपने विचार प्रकट किए। अमृत सम्मान समारोह में 75 वर्ष की आयु प्राप्त साहित्यकार ग्यारसी लाल सेन (झालावाड़), सरल विशारद (बीकानेर), शिव कुमार शर्मा मधुप (चूरू), भारती भावसार (बांसवाड़ा) तथा कल्याण प्रसाद वर्मा (जयपुर) को शॉल, सम्मान पत्र, प्रतीक चिह्न तथा 31 हजार रुपए की राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। लक्ष्मीनारायण रंगा, सुलोचना रांगेय राघव तथा पुष्पा शरद देवड़ा को उनके निवास पर जा कर अकादमी द्वारा सम्मान प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्षों के परिजनों तथा सेवानिवृत्त एवं वर्तमान सचिवों, अधिकारियों तथा पूर्व एवं वर्तमान कार्मिकों का उनकी उल्लेखनीय सेवाओं को रेखांकित करते हुए सम्मान किया गया। कार्यक्रम में संचालिका एवं सरस्वती सभा के सदस्य सुनिता घोगरा (उपाध्यक्ष), किशन दाधीच, उम्मेद गोठवाल, मंजू चतुर्वेदी, हेमेंद्र चंडालिया सहित उदयपुर के प्रसिद्ध साहित्यकार कुंदन माली, ज्योति पुंज, केके शर्मा, अशोक मंथन, खुर्शीद शेख, इकबाल हुसैन, जगदीश तिवारी, गोविन्दराम गौड़ तथा कई साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे। आयोजन में प्रांत के प्रतिनिधि कवियों की चयनित कविताओं एवं चित्रांकनों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इन काव्यचित्रों की रचना चेतन औदिच्य, दीपल सालवी, दिलीप डामोर, नीलोफर मुनीर के द्वारा की गई। कार्य के अंत में डॉ. बंसत सिंह सोलंकी ने आभार व्यक्त किया।

अमृतसर सीआई ने पकड़ा अंतर्राष्ट्रीय तस्कर

अमृतसर। पंजाब पुलिस ने नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। तारों पार पाकिस्तान से हेरोइन मंगवा भारत में सप्लाई करने वाला बड़ा तस्कर अमृतसर काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) ने पकड़ने में सफलता हासिल की है। फिलहाल आरोपी के खिलाफ अमृतसर में मामला दर्ज करके कार्रवाई शुरू कर दी गई है। यादव ने जानकारी दी कि सीआई की तरफ से पकड़े गए रछपाल सिंह ने पूछताछ में अपने नेटवर्क की जानकारी दी है। रछपाल सिंह पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए हेरोइन मंगवाता था। फिलहाल पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज करके उसके अगले व पिछले नेटवर्क के बारे में पूछताछ शुरू कर दी है।

जालंधर में नशे के खिलाफ बोलने वाले नंबरदार का कत्ल

जालंधर। जालंधर में पुलिस थाना सदर के तहत आते गांव लखनपाल में नशा तस्करों ने गांव के नंबरदार राम गोपाल शर्मा पर देर रात तेजधार हथियारों से हत्या कर दी गई। इसके बाद गुस्साए लोगों ने नकोदर जाने वाला रोड बंद कर दिया। लोग सड़क मार्ग पर धरना लगाकर बैठ गए। लोगों का कहना था कि लखनपाल गांव का नंबरदार राम गोपाल शर्मा नशा तस्करों के खिलाफ मुहिम छेड़े हुए थे। उसे तस्कर धमकियां दे रहे थे लेकिन वह पीछे नहीं हटा तो उन्होंने उसका कत्ल करवा दिया। राम गोपाला के परिजनों ने बताया कि गांव में कुछ लोग नशे का व्यापार करते है और राम गोपाल नशे के खिलाफ था। इस कारण पहले भी राम गोपाल को मारने की धमकियां मिलीं थीं। शनिवार देर रात एक गाड़ी में सवार होकर तीन लोग आए और आते ही तेजधार हथियारों से हमला कर दिया। रामगोपाल को बुरी तरह से लहूलुहान करके फरार हो गए। धरने में शामिल होने पहुंचे जालंधर कैंट से कांग्रेस के विधायक परगट सिंह ने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय कानून व्यवस्था पर अंगुलियां उठाने वाले अब बताएं

कि उनके शासन में क्या हो रहा है। राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। परगट ने कहा कि कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा था कि चार हफ्ते में नशा खत्म कर दूंगा, सत्ताधारी दल के नेताओं ने कहा था कि 2 महीने में पंजाब को नशामुक्त कर देंगे। पंजाब से नशा तो खत्म नहीं हुआ बल्कि लखनपाल गांव का एक गणमान्य व्यक्ति नशा तस्करों के खिलाफ आवाज उठाते हुए जरूर खत्म हो गया। यह बहुत दुखद और चिंतनीय है।

राजस्थान में ओले-बारिश का कहर-फसलें चौपट, सड़क पर बिछी सफेद चादर

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में देर रात से बदले मौसम ने कहर बरपा दिया है। प्रदेश के कई जिलों में भारी मात्रा में ओले गिरने से किसानों की फसल चौपट हो गई है, सड़कों पर ओलों की वजह से सफेद चादर बिछ गई है। राजधानी जयपुर में भी देर रात से रुक-रुककर हल्की बारिश हो रही है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने की वजह से मौसम में बदलाव हुआ है। रविवार को दिन भर जयपुर, उदयपुर, अजमेर, कोटा, जोधपुर और बीकानेर संभागों में हल्की से मध्यम बारिश जारी रहने की संभावना है। इसके साथ ही कहीं-कहीं जगहों पर ओलावृष्टि और हो सकती है। जयपुर मौसम केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि 30 जनवरी केवल उत्तर और उत्तर-पूर्वी भागों में बारिश होने की संभावना है। इससे पहले शनिवार शाम करीब 6.30 बजे के बाद बाद मौसम पलट गया। बादल घिरने के साथ कई जगहों पर बिजली चमकने के साथ देर रात तेज बारिश हुई। चित्तौड़गढ़ में देर रात करीब 3 बजे से चित्तौड़गढ़ जिले में तेज बरसात शुरू हो गई, जो सुबह 9 बजे तक

भी चली। मौसम विभाग ने प्रदेश के अजमेर, भीलवाड़ा, बारां, झालावाड़, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, राजसमंद, सिरोही, उदयपुर, बीकानेर, जालोर, पाली और श्रीगंगानगर में बादल गर्जन के साथ ही बारिश होने के आसार जताए है। मौसम विभाग की ओर से इन जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। जबकि, प्रदेश के अलवर, भरतपुर, दौसा, धौलपुर, बूंदी, जयपुर, करौली, झुंझुनूं, कोटा, सवाई माधोपुर, टोंक, सीकर, चूरू, हनुमानगढ़ और नागौर में भी बादल चमकने के साथ बारिश और ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है। इन जिलों के लिए मौसम विभाग की ओर से ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। बीती रात से डूंगरपुर, बूंदी, अलवर, चित्तौड़गढ़, टोंक, जयपुर, अजमेर, भीलवाड़ा में अच्छी बारिश हुई है। जिसमें बूंदी में 11 मिमी, डूंगरपुर के कई शहरों में 2-3 मिमी तक, जयपुर शहर के सांगानेर, आमेर, जमावारामगढ़, शाहपुरा, कोटखावदा, चाकूस, जोबनेर, नरेना, बस्सी और मोजमाबाद में 2-4 मिमी तक बारिश हुई। मौसम विभाग ने जयपुर में 6, डूंगरपुर में 2, बूंदी में 11, दौसा में 2, चित्तौडगढ़ में 16, जालोर में 5, भीलवाड़ा में 14, करौली में 19, सवाई माधोपुर में 3, अजमेर में 9 मिमी तक बारिश हुई।

भारतीयों के लिए 2023 में 'रिकॉर्ड' संख्या में वीजा जारी करेगा अमेरिका, देरी पर ये बोले महावाणिज्य दूत

नई दिल्ली ।
भारत में अमेरिकी दूतावास और इसके वाणिज्य दूतावासों ने वर्ष 2023 में भारतीयों के लिए रिकॉर्ड संख्या में वीजा जारी करने की योजना बनाई है। मुंबई के 'महावाणिज्य दूत' जॉन बलार्ड ने वीजा की करीब-करीब हर श्रेणी में बड़ी संख्या में आवेदन लंबित होने के मुद्दे पर यह बात कही है। फिलहाल, वर्किंग वीजा के लिए आवेदन करने वाले भारतीयों की प्रतीक्षा अवधि 60 से 280 दिनों के बीच की है, जबकि यात्री वीजा के लिए यह अवधि करीब एक से डेढ़ साल है। विदेश मंत्रालय ने कई मौकों पर अमेरिकी अधिकारियों के साथ वीजा संबंधित मामलों में देरी का मुद्दा उठाया है और साथ ही सभी श्रेणियों में भारतीय यात्रियों के लिए वीजा जारी करने को आसान करने से संबंधित मुद्दे भी उठाए गए हैं। बलार्ड ने बताया कि दूतावास ने पिछले साल 1,25,000 से अधिक छात्र वीज़ा का निपटान किया था, जो भारतीयों के लिए एक रिकॉर्ड संख्या है तथा उम्मीद है कि इस साल और भी अधिक भारतीय छात्र वीजा के लिए आवेदन करेंगे। अमेरिकी अधिकारी ने मीडिया को यह भी बताया कि दूतावास वीज़ा संसाधित करने को लेकर महामारी के पहले वाले स्तर पर तकरीबन पहुंच गया है और उम्मीद है कि इस साल इस स्तर को पार कर लेगा। बलार्ड ने कहा कि बीते साल आठ लाख से ज्यादा वीज़ा आवेदनों का निपटारा किया गया था। उन्होंने कहा कि दूतावास सिर्फ एक श्रेणी में लंबित आवेदनों की संख्या को कम करना चाहता है और यह श्रेणी पहली बार बी1 और बी2 पर्यटन व कारोबारी वीजा के लिए आवेदन करने वालों की है। उन्होंने कहा, हमने पूरे भारत में हाल में बी1/बी2 वीज़ा के ढाई लाख आवेदकों को समय दिया है और हमारे पास दर्जनों अधिकारी हैं जो दुनिया भर में स्थित हमारे दूतावासों और वाशिंगटन से आए हैं। वे खासकर पहली बार बी1/बी2 श्रेणी में आवेदन करने वाले आवेदकों के साक्षात्कार में हमारी मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि वीज़ा का नवीनीकरण कराने के लिए आवेदक ई-मेल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं और दूतावास ने पहली बार आवेदन करने वाले आवेदकों के साक्षात्कार के लिए विशेष व्यवस्था की है। बलार्ड ने कहा कि वीज़ा को लेकर प्रतीक्षा अवधि में कमी लाने के लिए काम किया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

सीमा शुल्क चोरी मामले में ईडी ने 24 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की, छत्तीसगढ़ में चार गिरफ्तार

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चीन से आयातित वस्तुओं पर सीमा शुल्क की चोरी करने वाले आंध्र प्रदेश के एक व्यापारी की 24 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की है। धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक अस्थायी आदेश जारी होने के बाद आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले में स्थित कुछ आवासीय परिसरों और भवानी डायमंड टूल्स के मालिक एम हरि बाबू की अन्य अचल संपत्तियों को फ्रीज कर दिया गया है। कुर्क की गई संपत्तियों का कुल मूल्य 24.13 करोड़ रुपये है। ईडी ने एक बयान में दावा किया कि बाबू ने आरा ब्लैंक और आरा ब्लेड (भवानी डायमंड टूल्स के नाम पर आयातित) जैसे सामानों के खिलाफ सीमा शुल्क का कम भुगतान करने के इरादे से चीन के विदेशी आपूर्तिकर्ताओं के प्रतिनिधियों के साथ सहयोग किया और माल के कम मूल्य के साथ चालान का दूसरा सेट तैयार किया और आयात के समय सीमा शुल्क के भुगतान में गड़बड़ी की। वहीं दूसरी ओर, ईडी ने छत्तीसगढ़ के अवैध कोयला लेवी घोटाले में पीएमएलए के तहत 4 और आरोपितों दीपेश टोंक, संदीप कुमार नायक, शिव शंकर नाग और राजेश चौधरी को गिरफ्तार किया है।

यूपी में नई आबकारी नीति के तहत 2023-24 में 45,000 करोड़ रुपए का राजस्व जुटाने का लक्ष्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार ने नई आबकारी नीति को मंजूरी दे दी है, जिसमें शराब और बीयर की दुकानों की लाइसेंस फीस में 10 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। सरकार ने अगले वित्त वर्ष 2023-24 में आबकारी विभाग से करीब 45,000 करोड़ रुपए का राजस्व जुटाने का लक्ष्य रखा है, जो पिछले साल के लक्ष्य से 5000 करोड़ रुपए अधिक है।आबकारी नीति में किए गए इन प्रावधानों से देशी, अंग्रेजी और प्रीमियम ब्रांड की शराब के दाम 5-10 रुपए तक बढ़ सकते हैं। नई आबकारी नीति के तहत मॉडल दुकानों की लाइसेंस फीस दो लाख से बढ़ाकर तीन लाख कर दी गई है, जिसका मतलब है कि ऐसे में लोगों को शराब पीने के लिए अधिक कीमत चुकानी पड़ सकती है। गोदामों की लाइसेंस फीस और सिक्योरिटी फीस भी बढ़ा दी गई है। लखनऊ नगर निगम क्षेत्र की परिधि में पांच किलोमीटर तक स्थित होटल, रेस्टोरेंट और क्लब की लाइसेंस फीस भी बढ़ा दी गई है। आबकारी नीति में देशी व अंग्रेजी शराब, बीयर की दुकान व माडल शॉप के खुलने व बंद होने का समय यथावत रखा गया है, लेकिन विशेष अवसर पर सरकार की पूर्व अनुमति से बिक्री का समय बढ़ाया जा सकता है।

एफ-22 में अशनीर ग्रोवर को मिला 1.69 करोड़ रुपये वेतन, कंपनी के चेयरमैन की सैलरी जान चौंक जाएंगे

नई दिल्ली । भारतपे के सह-संस्थापक अशनीर ग्रोवर को वित्तीय वर्ष 2022 के दौरान वेतन के रूप में 1.69 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। उनकी पत्नी और कंपनी की पूर्व हेड ऑफ कंट्रोल्स माधुरी जैन को उक्त अवधि के दौरान वेतन मद में 63 लाख रुपये का भुगतान किया गया था। कंपनी की ओर से एक रेग्युलेटरी फाइलिंग के दौरान यह जानकारी दी गई। बता दें कि पिछले साल की शुरुआत में वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों के बाद दंपति को कंपनी से बाहर कर दिया गया था। कंपनी के वित्तीय दस्तावेजों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2022 के दौरान उसके पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुहैल समीर को 2.1 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया, जबकि भारतपे के वर्तमान चेयरमैन और भारतीय स्टेट बैंक के पूर्व चीफ रजनीश कुमार को पारिश्रमिक के तौर पर महज 21.4 लाख रुपये दिए गए। बता दें कि इसी महीने की शुरुआत में समीर ने भारत पे के सीईओ का पद छोड़ दिया था। कंपनी के अन्य प्रमुख लोगों की बात करें तो संस्थापक और बोर्ड सदस्य शास्वत नकरानी को उक्त अवधि में 29.8 लाख रुपये जबकि निदेशक मंडल के सदस्य केवल हांडा को 36 लाख रुपये का भुगतान किया गया।

तंगहाली से जूझ रहे पाकिस्तान को अब विदेशी कर्ज भी नहीं मिल पा रहा, क्यों बिगड़ रहे हालात

नई दिल्ली ।
नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में केवल 5.6 अरब डॉलर का विदेशी ऋण मिला जो सालाना बजट अनुमान के करीब एक चौथाई के बराबर है। खबर के अनुसार आर्थिक मामलों के मंत्रालय की ओर से संकलित आंकड़ों से पता चलता है कि जुलाई से दिसंबर 2022 तक विदेशी ऋण वितरण केवल 5.6 अरब डॉलर रहा, जिससे केंद्रीय बैंक के पास मौजूद विदेशी मुद्रा भंडार में भारी गिरावट आई। ऐसे में हमारा पड़ोसी पाकिस्तान एक बार फिर तंगहाली के कगार पर है और इसका भविष्य अंधकारमय नजर आ रहा है।

आईएमएफ की शर्तों को पूरा नहीं कर पाने के कारण बिगड़े हालात – पाकिस्तान के लिए वैश्विक ऋणों के कम संवितरण का मुख्य कारण आईएमएफ कार्यक्रम की नौवीं समीक्षा को समय पर पूरा करने में सरकार की विफलता है। नतीजतन, पाक को 5.6 अरब डॉलर के विदेशी ऋण की प्राप्ति हुई। यह राशि 22.8 अरब डॉलर के वार्षिक बजट अनुमान के केवल एक चौथाई के बराबर थी। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने गुरुवार को घोषणा की कि वह अपने मिशन को बातचीत के लिए पाकिस्तान भेजेगा। हालांकि उसके बयान में सूचीबद्ध शर्तों से संकेत मिलता है कि सरकार को नौ फरवरी तक वार्ता पूरी करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे।

पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 3.1 अरब डॉलर रह गया – पाकिस्तान को दिसंबर में सिर्फ 53.2 करोड़ डॉलर का कर्ज मिला, जो बड़े पुनर्भुगतान के लिए पर्याप्त नहीं था। पिछले सात दिनों में देश ने चीनी वित्तीय संस्थानों को 828 मिलियन अमरीकी डालर का भुगतान किया। इसके परिणामस्वरूप आधिकारिक विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 3.1 अरब डॉलर रह गई। दिसंबर में प्राप्त ऋण का लगभग 44 प्रतिशत एशियाई विकास बैंक (एडीबी) से आया था जिसने 231 मिलियन अमरीकी डालर दिए थे। अब तक एडीबी 1.9 अरब डॉलर के वितरण के साथ सबसे बड़ा ऋणदाता बना हुआ है। यह राशि वार्षिक अनुमान का एक तिहाई है। आईएमएफ ने वित्त वर्ष 2023 के लिए पाकिस्तान की सकल वित्तपोषण जरूरतों को 34 अरब डॉलर और विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने के लिए 6 अरब डॉलर की जरूरत का अनुमान लगाया है। इससे पाकिस्तान की कुल उधारी 40 अरब डॉलर हो जाएगी। हालांकि, सरकार ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए केवल 22.8 अरब डॉलर के विदेशी ऋण का बजट रखा है।

अंतरराष्ट्रीय क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों ने पाकिस्तान के विकास परिदृश्य घटाकर नकारात्मक और ऋण रेटिंग की स्थिति को रद्दी करार दिया है। इससे देश के उधार लेने के विकल्प सीमित बने हुए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इससे फ्लोटिंग यूरोबॉन्ड के दरवाजे लगभग बंद होने के अलावा देश की उधार लागत में भी वृद्धि हुई है।

7.5 अरब डॉलर के वार्षिक अनुमान के मुकाबले अब तक महज 20 करोड़ डॉलर ही मिले – रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि 7.5 अरब डॉलर के वार्षिक अनुमान के मुकाबले पाकिस्तान को चालू वित्त वर्ष में केवल 20 करोड़ डॉलर का विदेशी वाणिज्यिक ऋण मिला है। पाकिस्तान सरकार को अब उम्मीद है कि उसे वाणिज्यिक ऋण के रूप में 6.3 अरब डॉलर मिलेंगे, जो वर्तमान परिस्थितियों में उच्चतम स्तर पर प्रतीत होता है। पाकिस्तान ने सॉवरेन बॉन्ड आधारित उधारी के रूप में दो अरब डॉलर का बजट रखा था लेकिन खराब क्रेडिट रेटिंग और उच्च ब्याज लागत की आशंका के कारण यह योजना मूर्त रूप नहीं ले सकी। सरकार को आईएमएफ से भी तीन अरब डॉलर मिलने की उम्मीद थी जिसे बाद में बढ़ाकर चार अरब डॉलर कर दिया गया। पाकिस्तान ने सबसे महंगे नया पाकिस्तान प्रमाणपत्र के तहत भी 1.6 अरब डॉलर का कर्ज मिलने की उम्मीद जताई थी। इसमें अब तक 19 करोड़ डॉलर यानी सालाना अनुमान का 11 प्रतिशत प्राप्त हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार ने इस सप्ताह इन ऋण साधनों पर ब्याज दरों में संशोधन किया है और ऋण प्राप्त करने की हताशा में जहां भी संभव हो निवेश सीमा को घटाकर 1,000 डॉलर कर दिया है।

चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में विश्व बैंक ने करीब 69.1 करोड़ डॉलर डिस्बर्स किए – चालू वित्त वर्ष के लिए सरकार ने बहुपक्षीय एजेंसियों से ऋण में 7.7 बिलियन अमरीकी डालर के प्रवाह का अनुमान लगाया है। बीते छह महीने में 3.3 अरब डॉलर यानी 44 प्रतिशत राशि डिस्बर्स की गई है। ऐसे में एडीबी की बदौलत बहुपक्षीय एजेंसियों की ओर से किया गया डिस्बर्समेंट छमाही अनुमान से बेहतर रहा है। चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में विश्व बैंक ने करीब 69.1 करोड़ डॉलर डिस्बर्स किए हैं जो सालाना अनुमान का 26 प्रतिशत है। विश्व बैंक के एक प्रवक्ता ने इस महीने बताया था कि बैंक का निदेशक मंडल अगले वित्त वर्ष में 45 करोड़ डॉलर के राइज-2 ऋण पर विचार कर सकता है। बैंक की वेबसाइट से पता चला है कि 60 करोड़ डॉलर का एक और कर्ज अगले वित्त वर्ष के लिए टाल दिया गया है। इसके अलावा इस्लामिक विकास बैंक (आईडीबी) ने 1.2 अरब डॉलर के सालाना अनुमान के मुकाबले 17.6 करोड़ डॉलर दिए। रिपोर्ट में कहा गया है कि जिनेवा सम्मेलन में आईडीबी ने 4.2 अरब डॉलर के ऋण की घोषणा की, लेकिन सूत्रों के अनुसार, 3.6 अरब डॉलर इसके नियमित तेल वित्तपोषण संचालन का हिस्सा था जिसकी गणना भी तीन बार की गई थी।

पाकिस्तान पर एक और आफतः पेट्रोल-डीजल के दाम 35 रुपये प्रति लीटर और बढ़े

इस्लामाबाद ।
पाकिस्तान में रोटी के लिए हाहाकार मचाती जनता के बीच शहबाज सरकार ने एक और संकट खड़ा कर दिया है। दरअसल, यहां की सरकार ने पेट्रोल-डीजल के दामों में बेतहाशा वृद्धि कर दी है। अचानक इतना इजाफा होने से लोग परेशान दिख रहे हैं। वित्त मंत्री इशाक डार ने रविवार सुबह नई कीमतों के लागू होने से कुछ मिनट पहले टीवी पर एक संबोधन में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 35 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की घोषणा कर दी। इस बढ़ोतरी के बाद लोगों को बाइक और कार चलाने पर भी आफत आ गई है। लोग अपने वाहनों को घर में रखने के लिए मजबूर हो गए हैं। संबोधन में, डार ने कीमत संशोधन के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह बढ़ी हुई कीमत प्रभावी होगी। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 50 रुपये की बढ़ोतरी को लेकर अटकलों का बाजार गर्म है लेकिन मैं बताना चाहता हूं कि कीमत में हमने 35 रुपये प्रति लीटर का इजाफा किया है। हाई-स्पीड डीजलः 262.80 रुपये प्रति लीटर मिट्टी का तेलः 189.83 रुपये प्रति लीटर हल्का डीजल तेलः 187 रुपये प्रति लीटर भारत से ढाई गुना अधिक कीमत भारत में फिलहाल पेट्रोल और डीजल के दाम 100 रुपये प्रति लीटर चल रहे हैं वहीं पाकिस्तान में 250 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं। वहीं दोनों देशों की तुलना की जाए तो पाकिस्तान में पेट्रोल-डीजल के दाम भारत से ढाई गुना अधिक है। पिछले चार महीने से दाम नहीं बढ़ाएः इशाक डार मंत्री डार ने कहा कि पाकिस्तानी रुपये में पिछले सप्ताह अवमूल्यन हुआ और अब हम अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में 11 प्रतिशत की वृद्धि देख रहे हैं। मंत्री ने कहा कि पिछले चार महीनों में हमारी सरकार ने पेट्रोल के दाम नहीं बढ़ाए हैं। अंतर्राष्ट्रीय कीमतों और रुपये के अवमूल्यन के बाद प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के निर्देश पर, हमने चार उत्पादों की न्यूनतम कीमत बढ़ाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि हमने पेट्रोल और डीजल के दाम में 35 रुपये प्रति लीटर बढ़ाने का फैसला किया है। मिट्टी के तेल और हल्के डीजल के दाम में 18 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। मंत्री ने आगे उम्मीद जताई कि नई कीमतों की घोषणा से पेट्रोल की आपूर्ति बंद होने की अफवाहें दूर होंगी।

कोरोना, मंदी व महंगाई से बाजार गिरे और सोना चढ़ाः सोने ने 15 साल में शेयर बाजार से 179प्रतिशत और एफडी से 164प्रतिशत ज्यादा रिटर्न

नई दिल्ली ।
सोने की कीमतें आसमान छू रही हैं। 15 साल में सोने ने 366प्रतिशत का रिटर्न दिया, जो शेयर बाजार से 179प्रतिशत व एफडी से 164प्रतिशत तक ज्यादा है। 2020-21 में कोरोना से दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाएं बुरी तरह प्रभावित हुईं। लंबे लॉकडाउन लगे। औद्योगिक उत्पादन थमा। इस दौरान सोने में निवेश बढ़ा। 2022 में बाजार खुले। डिमांड बढ़ी। महंगाई चढ़ी। सरकारों ने सख्त कदम उठाए। बाजार गिरे तो निवेशकों ने फिर सोने में निवेश बढ़ा दिया। बाजार विशेषज्ञ मानते हैं कि 2023 में भी सोना 10प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न देगा। इसके भाव 63 हजार रुपए प्रति दस ग्राम तक जा सकते हैं। आने वाले दिनों में शादियों के सीजन की खरीदारी जोर पकड़ेगी, उसका भी असर पड़ेगा।

महंगाई दुनियाभर के लिए एक चुनौती है। इसे नियंत्रित करने के लिए दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने ब्याज दरों में काफी इजाफा कर दिया है। इससे शेयर बाजार और बॉन्ड दोनों में निवेश करने वालों को खास मुनाफा होने की उम्मीद नहीं है। निवेशक रिटर्न के लिए सोने पर ही ज्यादा भरोसा करते दिख रहे हैं।

कमोडिटी विशेषज्ञ अनिल कुमार भंसाली कहते हैं, मौजूदा दौर को छोड़ भी दें तो भी सोना लंबे समय से शेयर बाजार समेत सभी दूसरी असेट क्लास से ज्यादा रिटर्न दे रहा है।

साल क आखिर तक 62 हजार तक जा सकता है सोना

ब्रोकर फर्म आईसीआईसीआई डायरेक्ट ने अपने अध्ययन में अनुमान जताया कि इस साल सोना 62 हजार रु./10 ग्राम व चांदी 80 हजार रु. प्रति किलो तक पहुंच सकती है। क्वांटम असेट मैनेजमेंट के चीफ इंवेस्टमेंट ऑफिसर (सीआईओ) चिराग मेहता कहते हैं, बढ़ती

हिंडेनबर्ग की रिपोर्ट पर अडाणी ग्रुप का जवाबः अमेरिकी शॉर्ट सेलर के आरोपों को बताया गलत, अडाणी ने कहा-रिपोर्ट का कोई तथ्यात्मक आधार नहीं

नई दिल्ली ।
हिंडेनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट को लेकर अब अडाणी ग्रुप का जवाब सामने आया है। अडाणी एंटरप्राइजेज ने 27 जनवरी (शुक्रवार) को हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर अडाणी ग्रुप के रिस्पांस को कवर करते हुए एक प्रेजेंटेशन दिया। जिसका टाइटल मिश्स ऑफ शॉर्ट सेलर रखा गया। इसमें अडाणी ग्रुप ने अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग के सभी आरोपों को गलत बताया है। अडाणी ग्रुप ने हिंडेनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट को बोगस बताते हुए कहा कि इस रिपोर्ट का कोई तथ्यात्मक आधार नहीं है। यह जानकारी अडानी एग्जेक्युटिव्स के कांफ्रेंस कॉल में हिस्सा लेने वाले बॉन्डहोल्डर्स ने दी है। अडानी ग्रुप ने हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट को लेकर बॉन्डहोल्डर्स के साथ एक कॉल कांफ्रेंसिंग की थी। इस इंवेस्टर कॉल को बार्सलेज, ड्यूश बैंक एजी, मित्सुबिशी यूएफजे फाइनेंसिंग एल ग्रुप और स्टैंडर्ड चार्टर्ड ने आयोजित किया था। हिंडनबर्ग ने अपनी रिपोर्ट में अडानी ग्रुप की

कंपनियों पर मार्केट मैनिपुलेशन और फर्जीवाड़े का आरोप लगाया था। हालांकि, अडाणी ग्रुप ने अब अपने बिजनेस पोर्टफोलियो की एक स्पष्ट तस्वीर देकर रिपोर्ट का जवाब दिया है। हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के कुछ मुद्दों को लेकर अडाणी ग्रुप ने कॉल कांफ्रेंसिंग पर जवाब दिया है। इस कॉल कांफ्रेंसिंग में मिश्स ऑफ शॉर्ट सेलर के रूप में 18 पेज का एक प्रेजेंटेशन पेश किया गया। ग्रुप का कहना है कि इस मामले में वह जवाब के रूप में शुक्रवार को 100 पेज का एक डोजियर जारी करेगा। अडानी ग्रुप ने निवेशकों से कहा कि अकाउंटिंग फ्रॉड सिर्फ तथ्यों को नजरअंदाज करने के चलते दिख रहा है। अडाणी ग्रुप के प्रेजेंटेशन के अनुसार, हिंडनबर्ग ने टोटल 89 सवाल पूछे हैं। जबकि इनमें से कुछ सवाल ग्रुप के रिलेटेड पार्टी ट्रांजैक्शन, (डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस) और कोर्ट केसेस के संबंध में हैं। हालांकि, कुल मिलाकर 21 सवाल ऐसे हैं, जिनके बारे में 2 साल के समय में किसी भी रिसर्च का रिजल्ट होने का दावा नहीं किया जा सकता है। क्योंकि उनके बारे में 2015 के बाद से कई पब्लिक डाक्यूमेंट्स में खुलासा किया गया था। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, प्रेजेंटेशन में जानकारी दी गई कि अडाणी ग्रुप की 9 लिस्टेड कंपनियों में से 8 के पास डेलॉइट हास्किन्स एंड सेल्स, एसआरबीसी एंड कंपनी और धर्मेश पारिख एंड कंपनी (जॉइंट ऑडिटर), शाह धनधरिया एंड कंपनी, अर्न्स्ट एंड यंग, पीकेएफ, वॉकर चंदिओक एंड कंपनी और के एस राव एंड कंपनी जैसे 6 बड़े ऑडिटर हैं।

भारतीय बाजार में 6 ईवी उतारेगी मारुति सुजुकी

गाय के गोबर से बने बायो गैस पर दोड़ेंगी मारुति की कारें, कंपनी ने बताया 2030 तक का प्लान

नई दिल्ली ।
मारुति सुजुकी की पैरेंट कंपनी सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन ने अपने 2030 तक के लॉन्ग-टर्म प्लान शेयर किए हैं। इसमें कंपनी ने बताया कि आने वाले समय में उसका फोकस ग्रीन एनर्जी पर रहेगा। इसके तहत अब वह अपनी कारों को गाय के गोबर से बने बायो गैस पर चलाने की तैयार कर रही है। साथ ही भारतीय कार मार्केट में अपनी 6 इलेक्ट्रिक व्हीकल उतारेगी।

कहना है कि हम अलग-अलग देशों की सरकार के निर्धारित लक्ष्य के आधार पर साल 2070 तक कार्बन न्यूट्रलिटी हासिल करने पर काम कर रहे हैं। इसके लिए जापान-यूरोप में 2050 और भारत में 2070 तक के टारगेट सेट किए हैं। कार्बन न्यूट्रल पोर्टफोलियो को हासिल करने के लिए कंपनी 4.5 ट्रिलियन येन (लगभग 2.82 लाख करोड़ रुपए) का निवेश करेगी। कंपनी का 4.39 लाख करोड़ रुपए के टर्नओवर का लक्ष्य है।

2024 में आएगी पहली इलेक्ट्रिक कार

टोयोटा-सुजुकी साझेदारी के तहत 6 इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने की योजना बनाई है। 2024 में वह अपनी पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी भारत में लॉन्च कर देगी। इसके बाद 2030 तक अगली 5 कारों को भारतीय बाजार में उतारा जाएगा।

हालांकि मारुति ने अभी किसी गाड़ी के नाम का खुलासा नहीं किया है, लेकिन हर इलेक्ट्रिक कार के सिल्हाउट टीजर जारी किए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो मारुति की ईवी लाइनअप में वैगनआर, बलेनो, जिम्नी, फ्रॉन्क्स और ग्रैंड विटारा के इलेक्ट्रिक वैरिएंट हो सकते हैं। कंपनी ने हाल ही में हुए ऑटो एक्सपो के दौरान अपनी पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी को अनवील किया था।

2024 में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर लेकर आएगा सुजुकी

कंपनी मिड-साइज इलेक्ट्रिक बाइक पर भी काम कर रही है। इसे वित्त वर्ष 2024 में पेश किया जाएगा। सुजुकी के 2030 तक के इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर पोर्टपोलियो लाइन अप में 8 गाड़ियां शामिल हैं। कंपनी इस दौरान 25प्रतिशत बैटरी ईवी और 75प्रतिशत इंटरनल कंब्शन इंजन पर बेस्ड टू-व्हीलर बनाएगी।

इन टू-व्हीलर्स को भारतीय बाजार में उतारे जाने पर अभी संशय है। कंपनी बाइकों के लिए कार्बन न्यूट्रलिटी फ्यूल अपनाने पर काम कर रही है। ऑटो एक्सपो 2023 में वह अपनी फ्लेक्स फ्यूल पर चलने वाली बाइक जिक्सर को पेश कर चुकी है।

गाय के गोबर से बने बायो फ्यूल से चलेंगी मारुति की कारें

अब जल्द ही मारुति की कारें गाय के गोबर से बने बायो गैस पर चलती दिखेंगी। इसके लिए कंपनी ने एशिया की सबसे बड़े डेयरी निर्माता बनास डेयरी के साथ एक डील साइन की है। इसके अलावा जापान की फुजीसान असागिरी बायोमास एलएलसी में भी इन्वेस्टमेंट किया है। ये कंपनी गाय के गोबर से बने बायो गैस से बिजली बनाती है और मार्च 2023 तक बिजली की बिक्री शुरू कर देगी। कंपनी ने इस बार ऑटो एक्सपो में वेगनआर के नए फ्लेक्स फ्यूल मॉडल को पेश किया था।

उत्सर्जन से निपटना चाहती है कंपनी

कंपनी व्हीकल से निकलने वाली उत्सर्जन से निपटना चाहती है। सुजुकी न केवल भारत के लिए बायोगैस और सीएनजी ऑटोमोटिव सोल्यूशन डेवलप करने के बारे में सोच रही है, बल्कि भविष्य में अफ्रीका, आसियान और जापान सहित कई देशों में व्यापार निर्यात करने की योजना बना रही है।

बायो गैस का उत्पादन एक बड़ा सेक्टर बन सकता है

बायो गैस उर्जा का एक बेहतर और किफायती स्त्रोत है। भारत में मवेशियों की संख्या विश्व में सर्वाधिक है। इसलिए बायो गैस का उत्पादन एक बड़ा सेक्टर बन सकता है। बायो गैस (मीथेन या गोबर गैस) मवेशियों के गोबर के फर्मेंटेशन से प्राप्त की जाती है।

बिग बी की नातिन नव्या नवेली ने बालीवुड डब्यू पर कहा....मैं अभियन के लिए नहीं बनी हूं

मुंबई (ईएमएस)। महानायक अमिताभ बच्चन के चाहने वाले आज पूरी दुनिया में हैं। बिग बी के फैंस न सिर्फ उनके बल्कि उनके परिवार के बारे में भी जानने के लिए बेताब रहते हैं। इसके बाद बिग बी के फैंस के बीच उनकी नातिन नव्या नवेली नंदा भी काफी चर्चा में रहती हैं। नव्या भले ही फिल्मी दुनिया से दूर रहती हैं लेकिन वह पॉपुलर स्टार बच्चे की लिस्ट में सबसे ज्यादा पसंद की जाती हैं। इसके बाद फैंस ये जानना चाहते हैं कि नव्या ने अभी तक बॉलीवुड में कदम क्यों नहीं रखा है? वहीं बिग बी की नातिन ने इस सवाल का जवाब खुद ही दे दिया है। नव्या नवेली नंदा ने हाल ही में इंटरव्यू में कई बड़े खुलासे किए हैं। इस दौरान नव्या से बॉलीवुड में डेब्यू करने पर भी सवाल पूछा गया। तब नव्या नवेली ने कहा मुझे नहीं पता लोगों को ऐसा क्यों लगता है कि मुझे कई फिल्में ऑफर हुई होंगी। मुझे आज तक एक भी फिल्म ऑफर नहीं हुई है और यह बहुत सरप्राइजिंग है। इंटरव्यू में नव्या नवेली ने बताया ईमानदारी से कहूं तब मैं अभिनय में बहुत अच्छी नहीं हूं। मेरा मानना है कि वहां काम कभी नहीं करना चाहिए जिससे आपका 100 प्रतिशत न जुनून हो। एक्टिंग ऐसी चीज नहीं जिस लेकर मैं जुनूनी हूं। मुझे ऐसा लगता है कि मैं वहां काम कर रही हूं जो मुझे करना पसंद है। बात दें कि नव्या नवेली फिलहाल अपना फैमिली बिजनेस संभाल रही हैं। इसके साथ ही वहां एक एन्टरप्रेन्योर हैं। यही नहीं नव्या को अक्सर हेल्थकेयर पर बात करते भी देखा जाता है। वहां एक ऑनलाइन हेल्थकेयर प्लेटफॉर्म आरा हेल्थ की फाउंडर हैं। नव्या भले ही फिल्मों में डेब्यू न रही हों लेकिन उनका भाई अगस्त्य नंदा जल्द ही बॉलीवुड डेब्यू करने जा रहा है।

बॉबी देओल जब परेशान थे तब दिया सलमान ने साथ

-एक इंटरव्यू में बॉबी ने किया था ये खुलासा

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर बॉबी देओल आज 27 जनवरी को अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। फिल्मी दुनिया में सफल फिल्में देना और फिर उस सफलता को बनाए रखना आसान नहीं होता! जब एक्टर का कॅरियर ग्राफ गिरता है तो वह उसके लिए वह सबसे मुश्किल दौर होता है। ऐसा ही परेशानी भरा समय बॉबी देओल ने भी देखा है। अपने एक इंटरव्यू में बॉबी ने बताया था कि वे जब बहुत परेशान थे तो सलमान खान से मिलने गए थे।बॉबी सलमान को प्यार से मामू बुलाते हैं। जब वे परेशानी भरे दौर में थे तो सलमान से मिलने पहुंचे और बताया कि कोई उनके साथ काम नहीं करना चाह रहा है। सलमान ने बॉबी को सलाह दी कि जब उनके कॅरियर में ऐसा दौर आया था तो वे दूसरे एक्टर्स के कंधों पर कूदे थे।

यानी उन्होंने सोलो की जगह सन्नी देओल और संजय दत्त जैसे कलाकारों के साथ फिल्में की। सलमान की यह बात सुन बॉबी भावुक हो गए और बोले ह्यमुझे अपने कंधे पर कूद लेने दीजिए? साल 2018 में वे सलमान के साथ फिल्म रेस 3 में नजर आए। हालांकि फिल्म पर्दे पर इतना कमाल नहीं कर सकी लेकिन बॉबी की मार्केट वैल्यू बढ़ गई। इसके बाद वे वेब सीरीज आश्रम के जरिए छा गए। जल्द ही वे रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल में नजर आएंगे। मालूम हो कि बॉबी के कॅरियर में एक ऐसा वक्त आया था जब सलमान खान ने उनकी मदद की थी। फिल्मी परिवार से होने के कारण बॉबी भी शुरूआत से ही फिल्मों में कॅरियर बनाना चाहते थे। चाइल्ड एक्टर के तौर पर धर्म वीर में काम करने के बाद बॉबी ने 1995 में फिल्म बरसात से डेब्यू किया। पहली ही फिल्म सुपरहिट रही और बॉबी के पास कई फिल्मों के प्रस्ताव आ गए। गुप्त बादल अजनबी हमराज सोल्जर जैसी फिल्मों ने उनके कॅरियर को आगे पहुंचा दिया। हर एक्टर की तरह बॉबी के कॅरियर में भी वह समय आया जब फिल्में असफल होने लगीं। इसी दौरान उन्हें नशे की लत लगी और कॅरियर ग्राफ तेजी से नीचे गिरने लगा। प्रोड्यूसर्स ने उन पर रुपये लगाना बंद कर दिया। बॉबी का कॅरियर पूरी तरह से बर्बाद हो गया।

आमिर की बड़ी बहन निकहत मौजूद थी पठान में

-शाहरुख के साथ अपने सीन की तस्वीर की साझा

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड सुपर स्टार शाहरुख खान की फिल्म पठान आमिर खान की बड़ी बहन निकहत ने भी काम किया है। निकहत ने फिल्म पठान में शाहरुख खान के साथ दिखाई देने वाले एक दृश्य की तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की। पठान में निकहत खान हेगड़े ने एक अफगान महिला का किरदार निभाया था जिसे सीन में शाहरुख को आशीर्वाद देते देखा जा सकता है। निकहत ने अपने एक प्रशंसक की प्रतिक्रिया भी साझा की जिसने उल्लेख किया कि वह अपने दो पसंदीदा को एक फ्रेम में देख सकता है : सू अमेजिंग मैम एटदरेट निकहत 3628 माई फेवरेट इन वन फ्रेम। एक अन्य इंस्टाग्राम यूजर ने लिखा हमारी निकहत। निकहत ने तुम मेरे हो हम हैं राही प्यार के मदहोश और लगान जैसी फिल्मों का निर्माण किया है। उन्होंने मिशन मंगल सांड की आंख और तान्हाजी : द अनसंग वॉरियर में भी काम किया है। इस फिल्म ने श-ुरूआती दिन पूरे भारत में 57 करोड़ रुपये विदेशों में 55 करोड़ रुपये और डब संस्करणों से 2 करोड़ रुपये कमाए जिससे यह सबसे सफल रही। इस फिल्म ने पहले दिन केजीएफ : चैप्टर 2 के हिंदी डब वर्जन द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। पठान में दीपिका पादुकोण जॉन अब्राहम डिंपल कपाड़िया और आशुतोष राणा भी हैं।

"गांधी गोडसे-एक युद्ध" में इस एक्ट्रेस की एक्टिंग देख हैरान जान्हवी कपूर ने कही ये बात

एक्ट्रेस जान्हवी कपूर अपनी सहेली और अदाकारा तनीषा संतोषी के लिए बेहद खुश हैं। फिल्म गांधी गोडसे-एक युद्ध में तनीषा के उम्दा अभिनय को देख जान्हवी उनकी तारीफ करते नही थक रही हैं। हाल ही में फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग पर जान्हवी अपनी खास दोस्त तनीषा के लिये आयी थी और मीडिया से उनकी एक्टिंग को लेकर खास बात कही। जान्हवी ने कहा कि,"तनीषा के बारे में क्या कहूं, मैं तनीषा को मैं बचपन से जानती हूं। मैंने उसका ये रूप कभी नही देखा था। उसकी आँखों में अभिनय की सादगी है। वह जब-जब स्क्रीन पर आती हैं तब-तब अपनी एक्टिंग से वो एक ज्योति सी बिखेर देती हैं। फिल्म में वह जिस तरह का किरदार निभा रही हैं असल जिंदगी में वह उससे बिल्कुल अलग हैं । मैं उसके लिए बहुत खुश हूं और मुझे तनीषा पर गर्व है कि उसने इस फिल्म के लिए अपना दिल, अपनी आत्मा तक दे दी है और जो स्क्रीन पर साफ नजर भी आ रहा हैं। मैं उम्मीद करती हूं कि दर्शक भी इसे अपना ढेर सारा प्यार दें आपको बता दें कि जान्हवी और तनीषा बचपन की दोस्त हैं, जान्हवी भले एक्टिंग के मामले में तनीषा से सीनियर हैं लेकिन गांधी गोडसे- एक युद्ध मे वे अपनी सहेली के अभिनय की दीवानी हो गयी हैं। दोनों को अक्सर सोशल मीडिया पर एक दूसरे पर प्यार बरसाते देखा जाता है। फिल्म के बारे में जान्हवी ने कहा," ये बहुत दिलचस्प फिल्म हैं मुझे ऐसा लग रहा हैं कि मैंने इस फिल्म के जरिये इतिहास के बारे में थोड़ा और जान लिया हैं भले ही फिल्म का दूसरा हिस्सा फिक्शन था पर फिल्म की विचारधारा पता चलती हैं। फिल्म मेकिंग और सभी स्टार्स का अभिनय कमाल का है।

वेंकटेश की "सैंधव" के साथ नवाजुद्दीन सिद्दीकी करने जा रहे साउथ फिल्मों में डेब्यू

अनुराग कश्यप की "गैंग ऑफ वासेपुर" से सुर्खियों में आने वाले नवाजुद्दीन सिद्दीकी बॉलीवुड फिल्मों में नाम कमाने के बाद अब दक्षिण भारतीय फिल्मों का रुख करने जा रहे हैं। जी हां, इस बात की जानकारी खुद नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने दी है। अभिनेता ने आज ट्विटर पर कई तस्वीरें साझा करते हुए सुपरस्टार वेंकटेश के साथ अपनी तेलुगू डेब्यू फिल्म "सैंधव" की घोषणा की। इस फिल्म का निर्देशन शैलेश कोलानू करेंगे और इसमें राणा दग्गुबाती और नागा चैतन्य भी नजर आएंगे। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने इन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, "अब तक के सबसे ऊजार्वान व्यक्ति वेंकटेश दग्गुबाती की 75वीं फिल्म "सैंधव" के साथ कोलैबोरेट करना बहुत ही शानदार है। उन्होंने अपने पोस्ट में यह भी बताया की इस फिल्म का निर्देशन शैलेश कोलानू करेंगे। हाल ही में निर्देशक शैलेश ने भी ट्विटर पर नवाजुद्दीन के साथ एक फोटो शेयर किया था। उन्होंने लिखा, "देश में हमारे पास सबसे अच्छे अभिनेताओं में से एक नवाजुद्दीन सिद्दीकी को साथ पाकर बहुत उत्साहित हूं। पागलपन होने वाला है, मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं।" नवाज की यह फिल्म एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसमें वेंकटेश मुख्य भूमिका नजर आएंगे। फिल्म निहारिका एंटरटेनमेंट बैनर के तले वेंकट बोयानापल्ली द्वारा निर्मित है। संतोष नारायणन द्वारा संगीत दिया गया है। हालांकि, अभी यह जानकारी सामने नहीं आई है कि फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी कौन सी भूमिका निभाने वाले हैं।

एक साथ बाइक पर सुपर राइड का मजा लेते दिखे अनुपम खेर और नीना गुप्ता!

फिल्म शिव शास्त्री बलबोआ की घोषणा के बाद से नीना गुप्ता और अनुपम खेर की दोस्ती काफी चर्चा में है। फिल्म लीक से हटकर साहसिक अनुभव के लिए सुर्खियां बटोर रही है और अब सुपरबाइक का पोस्टर काफी रोमांचक दिख रहा है। जहा पर दोनों के बीच की बॉन्डिंग कमाल की लग रही है। बॉक्सिंग के लिए अनुपम खेर का जुनून तो पहले के पोस्टर्स में हम देख ही चुके हैं और अब नीना गुप्ता के साथ उनकी बाइकिंग राइड का रोमांच बस देखते बन रहा हैं। ऐसा लग रहा हैं कि उम्र के इस पड़ाव में भी ये दोनों कितने बेखौफ और बिंदास हैं। हाल ही में फिल्म का पोस्टर रिलीज किया गया। ये पहला मोशन पोस्टर हैं जहाँ नीना गुप्ता और अनुपम खेर एक साथ नजर आ रहे हैं। अनुपम खेर, नीना गुप्ता, जुगल हंसराज, नरगिस फाखरी, शारिब हाशमी अभिनीत, शिव शास्त्री बलबोआ, एक आम आदमी के जीवन की मसाला फिल्म है। यूएफआई मोशन पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत - किशोर वरिथ, अनुपम खेर स्टूडियो और तरुण राठी, निमार्ताः किशोर वरिथ, कार्यकारी निमार्ताः आशुतोष बाजपेयी, फिल्म अजयन वेणुगोपालन द्वारा लिखित और निर्देशित है। शिव शास्त्री बलबोआ 10 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी।

पठान की जमकर हो रही है प्रशंसा

-सलमान की भूमिका ने जीता दर्शकों का दिल

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में प्रदर्शित हुई शाहरुख खान की पठान की जमकर प्रशंसा हो रही है। दर्शक सिनेमाघरों में पठान को देखने के लिए उमड़ रहे हैं। अरसे बाद सिंगल स्क्रीन्स सिनेमाघरों पर हाउसफुल के बोर्ड नजर आ रहे हैं। हालांकि फिल्म को समीक्षकों से मिलीजुली प्रतिक्रिया मिल रही है लेकिन दर्शकों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। इस फिल्म में सलमान खान के कैमियो को लेकर काफी बातें हुई थी पर टीजर से लेकर ट्रेलर तक में फैंस को सलमान खान की झलक देखने को नहीं मिली। लेकिन जैसे ही फिल्म रिलीज हुई सलमान खान हर तरफ छा गए। सलमान खान के कैमियो के वीडियो और फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल होने लगे। सलमान खान इन वीडियो और फोटोज में शाहरुख खान के साथ नजर आ रहे हैं। सलमान खान के इस छोटे से रोल ने फैंस का दिल जीत लिया। इसको लेकर सोशल मीडिया पर काफी कुछ लिख रहे है और दिल खोलकर सलमान खान की तारीफ करते नजर आ रहे हैं। एंटरटेनमेंट जगत के जाने-माने स्टार शाहरुख खान की पठान के बाद सलमान खान अपनी फिल्म किसी का भाई किसी की जान में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म का टीजर शाहरुख खान की फिल्म पठान के साथ रिलीज किया गया है। बता दें कि शाहरुख खान की ये फिल्म अपनी रिलीज से पहले ही सोशल मीडिया पर चर्चा में बनी हुई थी।

ड्रीम गर्ल-2 को लेकर सामने आया बड़ा अपडेट

आयुष्मान खुराना और अनन्या पांडे स्टारर ड्रीम गर्ल 2 साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इसे लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आ रहा है। निर्देशक राज शांडिल्य ने बताया कि उन्होंने फिल्म की 95 प्रतिशत शूटिंग पूरी कर ली है। उन्होंने दावा किया है कि फिल्म के पहले पार्ट की तुलना में पूरी तरह से अलग कहानी है। हमारे पास मूल फिल्म के एक या दो पात्र हो सकते हैं, लेकिन बाकी सब कुछ पूरी तरह से अलग है। ड्रीम गर्ल 2 दोगुनी मस्ती और हंसी का वादा करती है।" वह आगे कहते हैं, फिल्म को एक लाइन में बयां करना मुश्किल है क्योंकि इसमें बहुत सारे किरदार हैं। मैंने 2020-2021 में ड्रीम गर्ल 2 को लिखने का काम पूरा कर लिया था, लेकिन सभी को साथ लाने में थोड़ा समय लगा। यह सीक्वल नहीं है जिसमें कहानी को आगे ले जाया जाता है, ड्रीम गर्ल 2 फ्रेंचाइजी का एक हिस्सा है और पूरी तरह से अलग कहानी है।

पहली बार साथ काम करेंगे आयुष्मान खुराना और अनन्या पांडे - यह पहली बार है जब आयुष्मान खुराना और अनन्या पांडे किसी फिल्म के लिए साथ काम कर रहे हैं। राज शांडिल्य ने कहा, हमारा उद्देश्य एक नई जोड़ी को पर्दे पर लाना था। आयुष्मान इससे पहले कई अभिनेत्रियों के साथ काम कर चुके हैं, लेकिन यह जोड़ी पहले कभी एक्सप्लोर नहीं की गई। साथ ही, अनन्या ने इससे पहले कभी भी इस तरह की भूमिका नहीं निभाई है। फिल्म की शूटिंग आगरा और मुंबई में की गई है।"

ओटीटी पर छाई रकुल की "छत्तरीवाली", ट्रेंडिंग में बनी नंबर वन

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस रकुलप्रीत सिंह बहुत खुश हैं क्योंकि उनकी ओटीटी रिलीज छत्तरीवाली नंबर एक स्थान पर ट्रेंड कर रही है। तेजस देअ-ोस्कर द्वारा निर्देशित और रॉनी स्क्र-ूवाला द्वारा निर्मित "छत्तरीवाली" ओटीटी प्लेटफॉर्म पर नंबर वन ट्रेंडिंग फिल्म बन गई है। इस फिल्म में सुमीत व्यास, सतीश कौशिक, डॉली अहलूवालिया और राजेश तैलंग की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। फिल्म का प्रीमियर 20 जनवरी 2023 को जी5 पर किया गया था। फिल्म समीक्षक तरण आदर्श ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक लेटेस्ट पोस्ट शेयर किया है। आपको बता दें कि करनाल में सेट फिल्म सान्या ढींगरा के बारे में है, जो रसायन विज्ञान की एक बेरोजगार महिला है, जो नौकरी की तलाश में है और साथ ही वह अपने कौशल का उपयोग युवाओं को यौन शिक्षा के बारे में शिक्षित करने के एक महत्वपूर्ण सामाजिक वर्जना से लड़ने के लिए करती है। फिल्म का उद्देश्य पुरुष गर्भ निरोधकों और सुरक्षित सेक्स के महत्व को बढ़ावा देना है। फिल्म ने ओटीटी की तमाम वेब सीरीज और फिल्मों में से सबसे ज्यादा दर्शकों को ध्यान खींचा है।

रणबीर कपूर का फैन के साथ सेल्फी वाले वीडियो का सच आया सामने

शुक्रवार को रणबीर कपूर का एक वीडियो सामने आए था जिसमे उन्होंने उनके साथ सेल्फी ले रहे एक फैन का मोबाइल फोन गुस्से में आकर फेंक दिया था। अपने फैन के साथ जिस तरह का व्यवहार रणबीर ने किया था उसके लिए उन्हें कल से खूब ट्रोल किया गया। लेकिन अब इस वायरल वीडियो की सच्चाई सामने आ चुकी है। दरअसल सेल्फी वाला वो वीडियो एक एड फिल्म के लिए शूट किया जा रहा था। एड मेकर्स ने रीयल एड करते हुए प्रचार का ये तरीका आजमाया। जिसकी अधूरी क्लिप को देख कर फैंस रणबीर से नाराज हो गए थे।रणबीर कपूर ने जिनका फोन फेंका उसी वक्त उन्हें नया फोन भी निकाल देते हुए उसका प्रचार किया गया। मतलब कल से रणबीर बिना मतलब ही एक स्क्रिप्टेड एड के लिए ट्रोल हो रहे थे। आपको बता दें कि कल एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ था जिसमें एक फैन रणबीर के साथ सेल्फी लेने की कोशिश कर रहा था। एक्टर भी बिना ना नुकर किए राजी हो गए लेकिन बार-बार क्लिक करने के बाद भी फोटो ना खिंची तो रणबीर ने गुस्से में आकर फैन का फोन ही फेंक दिया था। रणबीर कपूर के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे बहुत जल्द श्रद्धा कपूर के साथ लव रंजन के निर्देशन में बनी फिल्म "तू झूठी मैं मक्कार" में नजर आने वाले है। रणबीर और श्रद्धा की यह फिल्म बड़े पर्दे पर 08 मार्च 2023 को रिलीज होगी।

सूडोकु नवताल- 6327

मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6326 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

शब्दजाल - 7074

बं	म	म	म	न	च	ली	क	म	ल	म
म	वा	ब	लि	दा	न	म	मौ	स	ल	न
र्या	ह	म	र	ते	द	म	त	क	य	की
दा	ब	बं	र	दे	म	ब	द	ल	श	आं
म	इ	म	म	सं	व	क	श	र	मं	खें
हा	म	म	ई	म	र	क	स	ना	जि	ज
रा	बं	द	श	र्द	क	मं	र	द	ल	ब
म	र	ब	र	व	ज	सी	ग	न	प	न
क	म	ल	ज	इं	बा	री	ऐ	ल	प	र
क	शा	ल	म	बू	डि	स	म	ब	पां	जा
का	ल	बं	ध	न	क	या	म	ग	प	डे

शब्द जाल में 'म' नाम से शुरु होनेवाली 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे, नीचे से उपर, दाएं से बाएं एवं तिरछे भी हैं.

मंजिल, मर्यादा, मदर इंडिया, मर्द, मशाल, मरते दम तक, मकसद, मनचली, मंगल पांडे, मन की आंखें

शब्दजाल - 7073 का हल

प्र	उ	त्त	र	प्र	दे	श	ब	ना	क	प्र
ती	क	ती	ति	ल	क	व	जी	ग	कृ	गु
के	इ	रा	त	त	मि	ल	ना	डु	आ	ज
र	क	क	ज	ज	जा	पु	का	प्र	प	रा
ल	प्र	क	का	स्था	ग	प्र	अ	प्र	श	त
झ	झा	का	प्र	ल	न	ह	झ	दे	ना	ण
घ	र	ती	श	षी	म	प्र	प्र	से	क	क
ला	खं	क	ता	तै	ई	ध्य	ब	र्ना	फ	लो
श	ड	प्र	बि	हि	म	ई	ट	प्र	री	प
प	जा	द	र	हा	प	क	जी	उ	ड़ी	सा
प	प्र	क	क	प्र	र	है	या	रा	बा	प्र

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6027

7			4		3	
4	36	2	34		26	1
		6		7		4
6	34		33		30	5
3		7		2		
	27		35	4	36	7
1		3			7	4

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6026 का हल

1	2	3	7	5	6	4
3	24	6	37	2	32	1
6	1	2	5	7	4	3
5	33	1	29	4	30	6
7	6	5	4	1	3	2
2	38	4	31	3	29	7
4	3	7	1	6	2	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

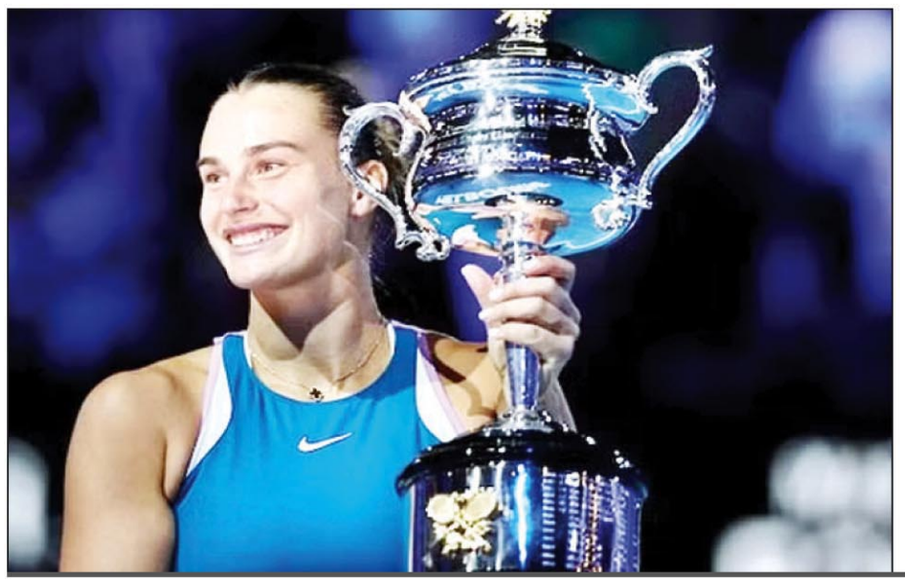

सबालेंका ने जीता ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब, पहला सेट हारने के बाद की जबरदस्त वापसी, रायबाकिना को हराया

मेलबर्न ।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2023 के महिला सिंगल्स इवेंट में बेलारूस की अरीना सबालेंका चैंपियन बन गई हैं। खिताबी मुकाबले में उन्होंने कजाकिस्तान की एलेना रायबाकिना को 4-6, 6-3, 6-4 से हराया। पहला सेट रायबाकिना ने 6-4 से अपने नाम किया, इसके बाद सबालेंका ने जबरदस्त वापसी की। दूसरा सेट सबालेंका ने 6-3 और तीसरा सेट 6-4 से जीता। यह सबालेंका का पहला ग्रैंड स्लैम खिताब है। अब मेंस सिंगल्स का फाइनल सर्बिया के नोवाक जोकोविच और ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास के बीच खेला जाएगा। दोनों के बीच यह चौथा मुकाबला था। चारों मैच सबालेंका ने ही जीते हैं। किसी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में दोनों पहली बार आमने-सामने थीं। इससे पहले रायबाकिना और सबालेंका के बीच जुलाई 2021 में विम्बलडन के चौथे राउंड में मुकाबला हुआ था। इसके अलावा जनवरी 2021 में दोनों अबू धाबी टेनिस ओपन के क्वार्टर फाइनल और सितंबर 2019 में वुहान ओपन के क्वार्टर फाइनल में भिड़ी थीं। 23 साल की रायबाकिना अब तक एक ग्रैंड स्लैम समेत कुल तीन टाइटल्स जीत चुकी हैं। 2022 में विम्बलडन के रूप में रायबाकिना ने पहला ग्रैंड स्लैम जीता था। महिला सिंगल्स में रायबाकिना की मौजूदा रैंकिंग 23 है। वहीं, 24 साल की सबालेंका का यह पहला ग्रैंड स्लैम खिताब है। हालांकि, सिंगल्स में उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन को मिलाकर कुल 12 टाइटल्स जीते हैं। उनकी मौजूदा रैंकिंग पांच है। पांचवीं वरीयता प्राप्त सबालेंका इससे पहले यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची थीं। हाल ही में उन्होंने एडिलेड टूर्नामेंट जीता है। वह फिलहाल बेहतरीन लय में हैं और इस साल रायबाकिना के खिलाफ मैच से पहले तक उन्होंने एक भी सेट नहीं गंवाया था। फाइनल में उन्होंने सिर्फ एक सेट गंवाया और चैंपियन बनीं। वहीं, रायबाकिना मॉस्को में पैदा हुई हैं और 2018 में उन्होंने कजाकिस्तान की ओर से खेलना शुरू किया। रायबाकिना 2001 में जेनिफर कैप्रियाती के बाद पहली ऐसी खिलाड़ी हैं, जिन्होंने मेलबर्न पार्क में तीन पूर्व ग्रैंड स्लैम चैंपियन को पराजित किया है। उन्होंने तीन ग्रैंड स्लैम विजेता इगा स्वियातेक, 2012-13 की ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन विक्टोरिया अजारेंका और 2017 की फ्रेंच ओपन चैंपियन जेलेना ओस्तापेंको को हराया। इसके अलावा पिछले साल यहां उपविजेता रहीं डेनियल कोलिंस भी उनका शिकार बनीं। हालांकि, फाइनल में सबालेंका के खिलाफ उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

न्यूज ब्रीफ

रोहित पर दिए फैक्ट को लेकर ब्रॉडकास्टर्स पर भड़के अश्विनः कहा - आम लोगों के सामने फैक्ट रखने की बात आती है तो जिम्मेदार होना चाहिए

नई दिल्ली । भारत के कप्तान रोहित शर्मा भारत बनाम न्यूजीलैंड वनडे सीरीज के ब्रॉडकास्टर के साथ अपनी निराशा के बारे में निराश थे। रोहित ने जब न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना शतक ज्यादा तब ब्रॉडकास्टर ने स्पष्ट रूप से बताया कि यह 3 साल में इस अनुभवी बल्लेबाज का पहला यह शतक था। इस पर भारतीय क्रिकेटर आर अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि, जब आम लोगों के सामने फैक्ट रखने की बात आती है तो ब्रॉडकास्टर्स को जिम्मेदार होना चाहिए। ब्रॉडकास्टर के बयान पर भारतीय टीम के कप्तान ने निराशा व्यक्त की थी। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में रोहित ने कहा कि, ऐसा कहना ठीक नहीं है। क्योंकि पिछले तीन साल में मैंने ज्यादा वनडे मैच नहीं खेले है। अश्विन ने मुद्दे पर कहा कि, अगर आप कहते रहेंगे कि 3 साल का गैप था या 4 साल का गैप था तो उत्सुक फैंस, सेलेक्टर्स और टीम मैनेजमेंट को तो सच्चाई पता होगी। लेकिन, आम आदमी यहीं सोचेगा कि रोहित ने पिछले तीन साल में कुछ राण नहीं बनाए है। वह टोटल स्कोर को लेकर भ्रमित हो जाएगा। अश्विन ने कहा कि ब्रॉडकास्टर के साथ इस मुद्दे को उठाने के लिए रोहित सही थे, उन्होंने सुझाव दिया कि उन्हें इस तरह के फैक्ट्स को अधिक जिम्मेदारी से उजागर करना चाहिए। ऑफ स्पिनर ने यह भी बताया कि रोहित 50 ओवर के फॉर्मेट में कितने शानदार रहे हैं, खासकर 2019 वर्ल्ड कप में। रोहित शर्मा 2019 वनडे वर्ल्ड कप के प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट थे। उन्होंने 2019 के बाद लगातार एक के बाद एक शतक जड़े। उनके नाम 2019 वर्ल्ड कप में 5 शतक है। अश्विन ने कहा कि, पिछले 10 से 15 साल में रोहित लिमिटेड ओवर क्रिकेट में टॉप प्लेयर्स में रहे है और उनपर किसी भी तरह का सवाल उठाया नहीं जा सकता।

गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में बिरसा मुंडा स्टेडियमः सबसे ज्यादा दर्शक क्षमता वाला स्टेडियम बना; यहीं हॉकी वर्ल्ड कप भी हुआ

राउरकेला। ओडिशा के नाम एक वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। राउरकेला के बिरसा मुंडा स्टेडियम ने गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज कराया। स्टेडियम ने दुनिया के सबसे ज्यादा सीटिंग कैपेसिटी वाले हॉकी स्टेडियम के रूप में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। इसकी दर्शक क्षमता 21 हजार है। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने इस खबर के मिलते ही खुशी जाहिर की। उनके सेक्रेटरी वीके पांडियन ने उनके रिएक्शन का वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किया है। यह वीडियो अब तेजी से इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। ओडिशा के नवीन पटनायक ने रिएक्शन वीडियो में कहा, यह रोमांचित करने वाली खबर है। मैं वास्तव में खुश हूं। बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने दुनिया के सबसे बड़े हॉकी स्टेडियम के रूप में प्रमाणित किया है।

अंजू बॉबी ने कहा- खेलो इंडिया गेम्स जमीनी स्तर के कार्यक्रम और बड़े टूर्नामेंट के बीच सेतु

भोपाल । विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पदक जीतने वालीं पहली भारतीय एथलीट अंजू बॉबी जॉर्ज ने कहा है कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स के जरिए जमीनी स्तर के कार्यक्रम और बड़े टूर्नामेंटों के बीच एक बड़े सेतु का काम कर रहे हैं। खिलाड़ियों के लिए यह एक बड़ा मंच बन गया है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स के आगामी संस्करण का आयोजन 30 जनवरी से मध्यप्रदेश के आठ शहरों में किया जाएगा। इन खेलों में 27 स्पर्धाएं शामिल होंगी। ट्रैक एंड फील्ड भोपाल के टीटी नगर स्टेडियम में तीन से पांच फरवरी तक होगा। इसके अलावा इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, मंडला, खरगौन और बालाघाट में खेल होंगे। सरकार के ओलंपिक अभियान प्रकोष्ठ में शामिल अंजू का मानना है कि खेलो इंडिया गेम्स से प्रतिभाओं का कौशल बढ़ाने में बड़ी मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल और खेल मंत्रालय के प्रयासों के साथ यह एक अनूठी पहल है। इन खेलों के अच्छे परिणाम आने भी शुरू हो गए हैं। यह एक सतत प्रक्रिया है।

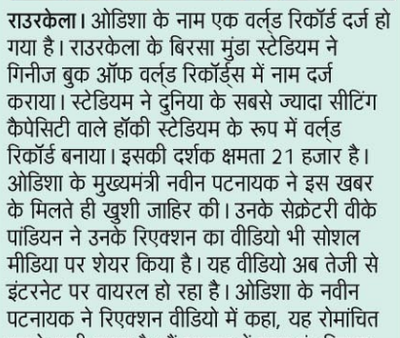

बिहार ने सदी में पहली बार रणजी के प्लेट ग्रुप का फाइनल जीता, अगली बार रणजी मुख्य मुकाबला खेलेगा

पटना ।

सदी का सूखा आखिरकार खत्म हुआ। झारखंड बंटवारे के साथ इस सदी में बिहार के लिए क्रिकेट की मुख्य धारा से जुड़ना एक सपना था। आज उस सपने के हकीकत की पहली सीढ़ी पार हो गई। पटना के मोइनुल हक स्टेडियम में खाली दर्शक दीर्घा के बीच बिहार के खिलाड़ियों ने रणजी के प्लेट ग्रुप का फाइनल मैच अपने नाम किया। पहली पारी में शानदार 546 रनों का स्कोर खड़ा होते ही इसकी उम्मीद जग गई थी, लेकिन चौथे-पांचवें दिन मणिपुर ने मैच को ड्रॉ कराने की भरसक कोशिश से यह उम्मीद कमजोर होती भी नजर आई। अंततः अंतिम दिन मणिपुर के छह विकेट गिराकर बिहार ने 220 रनों की बड़ी जीत से प्लेट ग्रुप की रणजी ट्रॉफी अपने नाम कर ली। डबल सेंचुरी बनाने वाले सकीबुल गनी मैच ऑफ द मैच रहे। फाइनल में पहुंचने वाली दोनों टीमें अगले सीज़न में रणजी ट्रॉफी का मुख्य मुकाबला खेलेंगी, यानी इलिट ग्रुप में शामिल होंगी। इलिट ग्रुप में इस सीजन खराब परफॉर्म करने वाली टीमें अगले सीजन में बिहार और मणिपुर की जगह प्लेट ग्रुप में खेलेंगी। सदी में पहली बार 2018 में बिहार क्रिकेट एकेडमी को मौका मिला कि वह बिहार की टीम रणजी में भेजे। इसके पहले इस सदी में बिहार के खिलाड़ी झारखंड के लिए जाकर खेल रहे थे, जिसमें इस समय के स्टार क्रिकेटर इशान किशन तक शामिल हैं।

बिहार ने टॉस जीत पहले खेलते हुए विशाल स्कोर खड़ा किया - बिहार ने पांच दिनों के मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। बिहार ने पहली पारी में 4.38 की रन गति से 546 रनों का विशाल स्कोर दे दिया। इसके मुकाबले में उतरी मणिपुर की टीम 3.57 रनों की गति से 337 रन ही बना सकी। दूसरी पारी में बिहार का रन ज्यादा नहीं गया और 3.28 की रन गति से 335 रनों पर बिहार की पारी सिमट गई। चौथे दिन मुकाबले में मणिपुर की टीम ने ड्रॉ का लक्ष्य लेकर खेलना शुरू किया। लैंगलोनिअंबा ने 117 रन खड़े किए। बिकाश सिंह ने भी 78 रन बनाए। अंतिम दिन जोतिन फरोजियम ने बिहार को जीत से काफी हद तक रोकने की कोशिश की, लेकिन वह 48 रनों पर अविजीत ही रह गए जबकि टीम ऑल आउट हो गई। दूसरी पारी में सर्वाधिक 5 विकेट बिहार की ओर से नवाज ने लिए, जबकि कप्तान आशुतोष अमन के खाते में मणिपुर के तीन विकेट आए। अंतिम विकेट समेत कुल दो विकेट सचिन कुमार सिंह ने झटके।

सकीबुल की डबल सेंचुरी, सर्वाधिक 10 विकेट नवाज ने झटके - बिहार के लिए तुरुप का पत्ता मुख्य रूप से दो खिलाड़ी रहे। पहली पारी में 205 रनों का विशाल स्कोर खड़ा कर सकीकुल गनी ने मणिपुर का हौंसला तोड़ दिया। पहली पारी में विपिन सौरभ ने भी शानदार 155 रनों की पारी खेली थी। दो खिलाड़ियों के बल्ले ने मणिपुर टीम का पूरा नक्शा बिगाड़ दिया। फिर मणिपुर की बल्लेबाजी शुरू हुई तो बिहार के नवाज ने उसके पांच विकेट गिरा दिए।

एक रन आउट को छोड़ बाकी तीन विकेट कप्तान आशुतोष अमन, वीर प्रताप सिंह, हर्ष विक्रम सिंह ने बांट लिए। दूसरी पारी में बिहार की बल्लेबाजी पहली पारी की तरह नहीं रही। इस बार सिर्फ सचिन कुमार सिंह का बल्ला ठीक से बोला। सचिन ने 132 रन बनाए। मणिपुर की दूसरी पारी की भी कमर बिहार के नवाज ने ही तोड़ी। इस पारी में भी नवाज ने पांच विकेट झटके, यानी पूरे मैच में 10 विकेट अकेले इन्होंने लिए।

कप्तान आशुतोष अमन ने क्या कहा - एपेक्स काउंसिल के सदस्य मेमन मजूमदार ने विजेता टीम के कप्तान आशुतोष अमन को ट्रॉफी प्रदान की। इस मौके पर मैच रेफरी सत्यजीत अजीत सतभाई, बीसीए अध्यक्ष राकेश कुमार तिवारी, उपाध्यक्ष दिलीप सिंह, राष्ट्रीय चयनकर्ता शिव सुंदर और इस मैच के अंपायर ए नंद किशोर व के. श्रीनिवासन अंपायर मौजूद रहे। मैन ऑफ द मैच सकीबुल गनी के अलावा बेस्ट बैट्समैन का अवार्ड दूसरी पारी में बिहार के लिए 132 रन जोड़ने वाले सचिन कुमार सिंह को दिया गया। कप्तान आशुतोष अमन ने इसे टीम की जीत बताया। उन्होंने बाकी खिलाड़ियों के साथ 10 विकेट लेने वाले नवाज खान और पहली पारी में 155 रन बनाने वाले विपिन सौरभ का भी नाम लिया, हालांकि उन्होंने कहा कि टीम ने एकजुट होकर यह उपलब्धि हासिल की।

गल्फ देश खेल के जरिए इकोनॉमी को बूस्ट कर रहे

इस साल सऊदी में 8 इंटरनेशनल इवेंट,हैमिल्टन-पैकियाओ जैसे सितारे भी पहुंचेंगे

नई दिल्ली ।

कतर ने पिछले साल फीफा वर्ल्ड कप की सफल मेजबानी की थी। कतर के पहले यूएई भी कई बड़े इंटरनेशनल खेल इवेंट्स की मेजबानी में कामयाब रहा है। इन दोनों देशों के बाद अब सऊदी अरब भी खेल के क्षेत्र में मजबूती से पैठ बना रहा है। इसकी बानगी तब नजर आई, जब देश के फुटबॉल क्लब अल नासर ने दुनिया के सबसे बड़े फुटबॉलर्स में शामिल क्रिस्टियानो रोनाल्डो को 1700 करोड़ रुपए से ज्यादा की कीमत में अपने साथ जोड़ा। इससे पहले, यह देश लियोनेल मेसी को अपना पर्यटन एंबेसडर बना चुका है। दरअसल, इस गल्फ देश का फोकस 2030 फीफा वर्ल्ड कप की मेजबानी हासिल करना है। रोनाल्डो-मेसी को जोड़ना उसी दिशा में उठाया गया कदम है। सऊदी अरब बड़े-बड़े आयोजन देश में कराकर इकोनॉमी को भी बूस्ट करना चाहता है। 100 से ज्यादा फुटबॉल क्लब हो गए क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के विजन 2030 के मुताबिक, सऊदी खेल में कई प्रमुख लक्ष्यों के साथ बढ़ रहा है। जैसे 2030 तक खेल में सामुदायिक भागीदारी को 40प्रतिशत तक बढ़ाना, एथलीटों में सुधार करना, विदेशों में प्रदर्शन, और खेल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना। इसकी शुरुआत हो चुकी है। 2020 में खेल में करियर बनाने के अवसर 114प्रतिशत बढ़े और 790 करोड़ की कमाई हुई। 2018 में महिलाओं को स्टेडियम में प्रवेश की अनुमति दी गई। इसके बाद इवेंट्स में भाग लेने वालों की संख्या में 152प्रतिशत की वृद्धि हुई। खेलों में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए 2017 में लड़कियों के स्कूलों में स्पोर्ट्स क्लास शुरू करने का फैसला लिया गया। इससे खेलों में महिलाओं की भागीदारी 150 प्रतिशत तक बढ़ी। देश में 100 से ज्यादा पेशेवर फुटबॉल क्लब हैं, जिसमें से 16 पेशेवर फुटबॉल लीग में खेलते हैं।

भारत-न्यूजीलैंड दूसरा टी-20 : पंड्या की कप्तानी में पहली सीरीज हारने की आशंका

लखनऊ।

भारत-न्यूजीलैंड टी-20 सीरीज का दूसरा मुकाबला लखनऊ के भारत रत्न अटल बिहारी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। 3 मैचों की सीरीज में टीम इंडिया 0-1 से पिछड़ रही है। उसके सामने सीरीज गंवाने का खतरा है। भारतीय टीम पिछले 11 साल से न्यूजीलैंड के खिलाफ घर में सीरीज नहीं हारी है। इस मैच में हार से भारत की टी-20 में नंबर-1 रैंकिंग भी खतरे में पड़ जाएगी। यानी भारत के पास गलती की गुंजाइश नहीं है।

मुकाबला बराबरी का

भारत-न्यूजीलैंड के बीच हार जीत के रिकॉर्ड की बात करें तो दोनों के बीच मुकाबला बराबरी का है। दोनों ने अब तक 23 टी-20 मैच खेले हैं। इनमें 10 भारत और 10 न्यूजीलैंड ने जीते हैं। जबकि 3 मैच ड्रॉ रहे हैं।

वहीं, इकाना स्टेडियम की बात करें तो भारत ने यहां दो मुकाबले खेले हैं और दोनों में ही जीत हासिल की है। ऐसे में पंड्या की लीडरशिप वाली टीम इंडिया यह मैच जीतकर सीरीज में एक-एक की बराबरी हासिल करना चाहेगी।

वेदर कंडीशन एंड पिच रिपोर्ट

लखनऊ का मौसम साफ और तापमान 11 से 22 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। यहां टॉस जीतने वाली टीम पहले बैटिंग करना चाहेगी, क्योंकि 5 में से 3 मैच पहले बैटिंग करने वाली टीम ने जीते हैं। मैदान पर हाई स्कोरिंग मैच की उम्मीद है। पिछले दो टी-20 में भारत ने 190+ स्कोर करके जीत हासिल की थी।

अब पॉसिबल प्लेइंग-11

भारत : ईशान किशान, शुभमन गिल, राहुल त्रिपाठी, सूर्यकुमार, हार्दिक पंड्या, दीपक हुड्डा, वाशिंगटन सुंदर, शिवम मावी, कुलदीप यादव, उमरान मलिक, अर्शदीप सिंह।

न्यूजीलैंड : फिन एलेन, ड्वेन कॉन्वे, मार्क चैपमैन, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, मिचेल सेंटनर, माइकल ब्रेसवेल, जैकब डफी, ईश साढ़ी, लोकी फर्ग्युसन और ब्लेयर टिकनर।

अंडर-19 विमेंस वर्ल्ड कप का फाइनल : भारत-इंग्लैंड में फर्स्ट चैंपियन बनने की जंग; क्या हैं टीमों की स्ट्रेंथ और पॉसिबल प्लेइंग-11

पोचेस्ट्रूम।

भारत और इंग्लैंड के बीच अंडर-19 विमेंस वर्ल्ड कप का फाइनल खेला जाएगा। टी-20 फॉर्मेट के इस टूर्नामेंट का यह पहला ही संस्करण है। टीम इंडिया जहां न्यूजीलैंड को 8 विकेट से हराकर फाइनल में पहुंची। वहीं, इंग्लैंड ने रोमांचक सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 3 रन से हराया। भारत और इंग्लैंड ही टूर्नामेंट की टॉप-2 टीमें साबित हुईं। दोनों के बैटर और बॉलर्स पूरे टूर्नामेंट में छाए रहे। आगे खबर में हम फाइनल तक दोनों टीमों का सफर और उनकी स्ट्रेंथ जानेंगे। साथ ही दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग इलेवन पर भी नजर डालेंगे।

भारत ने अपने वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत मेजबान साउथ अफ्रीका को हराकर की। टूर्नामेंट के ओपनिंग मैच में 167 रन का टारगेट टीम इंडिया ने 16.3 ओवरों में 3 विकेट पर हासिल कर लिया था। टीम इंडिया 4 पॉइंट्स के साथ सुपर-6 स्टेज में पहुंची। जहां पहले ही मैच में भारत को ऑस्ट्रेलिया ने 7 विकेट से हरा दिया। सुपर-6 स्टेज के आखिरी मैच में भारत ने श्रीलंका को 20 ओवर में 59 रन ही बनाने दिए। टीम इंडिया ने फिर 7.2 ओवर में 7 विकेट पर टारगेट हासिल कर लिया। सेमीफाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया। इंग्लैंड ने टूर्नामेंट में अपने सभी 6 मैच जीते। टीम ने अपने वॉर्म-अप मुकाबले भी जीते। पूल-बी में टीम ने जिम्बाब्वे, पाकिस्तान और रवांडा को बड़े अंतर से हराया। वहीं, सुपर-6 स्टेज में उन्होंने आयरलैंड और वेस्टइंडीज पर जीत दर्ज की। सेमीफाइनल में उनका सामना ऑस्ट्रेलिया से हुआ। इंग्लैंड पहले बैटिंग करते हुए 99 रन पर आउट हो गई। जवाब में ऑस्ट्रेलिया को 17 बॉल पर 4 रन की जरूरत थी और उनके 2 विकेट बाकी थे। इंग्लैंड ने दोनों विकेट चटका कर 3 रन से जीत हासिल की और फाइनल में जगह बना ली। भारतीय टीम शेफाली वर्मा की कप्तानी में उतरी है। शेफाली ने उप कप्तान श्वेता सेहरावत के साथ पूरे टूर्नामेंट में अपनी बैटिंग से खूब रन बटोरे। श्वेता ने कई मौकों पर अहम पारियां खेल कर टीम को जीत दिलाई। वहीं, सौम्या तिवारी, ऋचा घोष और गोंगडी त्रिषा भी बैटिंग में भारत की मजबूत कड़ी है। वहीं, इंग्लैंड की बात करें तो उनकी कप्तान ग्रेस स्क्रीवंस ने टूर्नामेंट के 6 मैचों में 289 रन बनाए। टूर्नामेंट का सबसे बड़ा स्कोर 93 नॉटआउट भी उन्ही के बैट से आया। उन्होंने ही बॉलिंग से सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया का आखिरी विकेट लिया। ऐसे में बॉलिंग के दौरान भारत को स्क्रीवंस से बचना होगा। गेंदबाजी की बात करें तो इंग्लैंड की 3 बॉलर्स ने टूर्नामेंट में 8-8 विकेट लिए हैं। इनमें कप्तान स्क्रीवंस के अलावा एली एंडरसन और सोफी स्मैल शामिल हैं।

हॉकी वर्ल्ड कप का फाइनल

खिताब बचाने उतरेगा बेल्जियम; तीसरी बार चैंपियन बन सकता है जर्मनी

भुवनेश्वर।

हॉकी वर्ल्ड 2023 का फाइनल मुकाबला बेल्जियम और जर्मनी के बीच खेला जाएगा।भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में शुरू होगा। बेल्जियम नीदरलैंड को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराकर फाइनल में पहुंची। वहीं, जर्मनी ने रोमांचक सेमीफाइनल के आखिरी मिनट में गोल दागकर ऑस्ट्रेलिया को 4-3 से हराया। दोनों टीमें इस टूर्नामेंट के ग्रुप स्टेज में भी भिड़ चुकी हैं। वह हाई वोल्टेज मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा था।

नीदरलैंड से खेला था रोमांचक सेमीफाइनल

बेल्जियम की टीम पूल-बी में टॉप पर रही थी। ग्रुप स्टेज में डिफेंडिंग चैंपियन ने कोरिया को 5-0 और जापान को 7-1 से हराया था। जर्मनी के खिलाफ टीम का ग्रुप स्टेज का मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा था। क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम ने न्यूजीलैंड को 2-0 से हराया। सेमीफाइनल में बेल्जियम और नीदरलैंड का मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। फिर पेनल्टी शूटआउट में बेल्जियम ने 3-2 से जीत अपने नाम की और फाइनल में प्रवेश किया।

ट्रिपल गोल्ड जीत सकता है बेल्जियम

बेल्जियम टूर्नामेंट की डिफेंडिंग चैंपियन है। उन्होंने 2018 में नीदरलैंड को हराकर पहली बार खिताब जीता था। 2021 के टोक्यो ओलिंपिक का खिताब भी बेल्जियम ने ही जीता था। तब उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को हराया था। वर्ल्ड कप जीतते ही बेल्जियम की टीम पाकिस्तान, जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया के बाद अपना वर्ल्ड कप टाइटल डिफेंड करने वाली चौथी टीम बन जाएगी। जर्मनी भी बेल्जियम के साथ पूल-बी में ही था। टीम पॉइंट्स टेबल में 2 जीत और एक ड्रॉ के बाद दूसरे नंबर पर थी। उन्होंने जापान को 3-0 और कोरिया को 7-2 से हराया। क्रॉसओवर मैच में टीम ने फ्रांस को 5-1 से हराया। इंग्लैंड के खिलाफ रोमांचक क्वार्टर फाइनल 60 मिनट के बाद 2-2 से ड्रॉ रहा था। पेनल्टी शूटआउट में टीम ने अपना धैर्य बनाए रखा और 4-3 से जीत दर्ज सेमीफाइनल में एंट्री की। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल और भी रोमांचक था। 58वें मिनट तक स्कोर लाइन 3-3 से बराबरी पर थी। तभी 59वें मिनट में जर्मनी के वेलेन निकलास ने गोल कर टीम को जीत दिला दी।

तीसरी बार चैंपियन बनने का मौका

जर्मनी की टीम तीसरी बार वर्ल्ड चैंपियन बन सकती है। 2002 में पहली बार ट्रॉफी जीतने के बाद 2006 में टीम ने सफलतापूर्वक अपना टाइटल डिफेंड किया था। 2010 में टीम रनर-अप रही थी। 4 ओलिंपिक गोल्ड जीतने वाली जर्मनी की टीम पिछले कुछ समय से खास प्रदर्शन नहीं कर पा रही है। ऐसे में जीतने पर टीम हॉकी में एक बार फिर अपना दमखम दिखा सकती है।

निकलास के पास टॉप स्कोरर बनने का मौका

जर्मनी के वेलेन निकलास ने पूरे टूर्नामेंट में 6 गोल दागे हैं। वह 3 गोल दागते ही टूर्नामेंट के टॉप गोल स्कोरर बन सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया के हेवार्ड जेरेमी ने टूर्नामेंट के 5 मैचों में 8 गोल दागे हैं। उनके साथ ही फ्रांस के शार्लेट विक्टर भी 8 गोल के साथ टॉप पर हैं। बेल्जियम के बून टॉम 7 गोल के साथ तीसरे नंबर पर हैं। भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में दोनों टीमों के बीच फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

कैसे साफ करें लैपटॉप...

जिस तरह से आप अपने अन्य सामानों की सफाई करते हैं, ठीक उसी तरह से लैपटॉप की भी सफाई करना जरूरी होता है। कई लोग लैपटॉप खरीद तो लेते हैं, लेकिन उसकी सफाई करने का ध्यान नहीं रहता। इससे न केवल कम्प्यूटर की बाहरी सतह खराब होती है बल्कि तकनीकी रूप से भी वह काम करना बंद कर देता है। लैपटॉप पर काम करते वक्त कॉफी और चाय से दूर रहें। कोई भी तरल पदार्थ आपके लैपटॉप को नुकसान पहुंचा सकता है। अपने लैपटॉप को साल में एक बार किसी कम्प्यूटर प्रोफेशनल से जरूर साफ करवाएं, जिससे अंदर की धूल- मिट्टी साफ हो सके। सफाई करते समय सबसे पहले लैपटॉप बंद कर लें और सफाई प्रक्रिया शुरू करने से पहले सभी तरह की बाहरी अटैचमेंट्स को अलग कर लें। की-बोर्ड और किनारों की सफाई के लिए ब्रश का इस्तेमाल करें। लैपटॉप को साफ करने वाले कपड़े में तेल या फिर पानी न लगा हो क्योंकि पीसी में तेल लग जाने पर उसमें और धूल जमेगी। लैपटॉप की-बोर्ड को धूल-मिट्टी से बचाने के लिए उचित की-बोर्ड कवर का इस्तेमाल करें। सीधे ही लैपटॉप पर क्लीनिंग एजेंट का इस्तेमाल न करें। कपड़े की मदद से ही साफ करें। बाहरी सफाई करने के बाद पीसी की अंदरूनी सफाई भी जरूरी है, इसके लिए हो सके तो ब्लोअर या फिर सॉफ्ट ब्रश का प्रयोग करें। जब भी लैपटॉप में काम करें अपने हाथों को साफ रखें यानी उसमें तेल या फिर कोई भी ऐसी चीज न लगी हो जो लैपटॉप की बॉडी को खराब कर दे।

वुडन फ्लोरिंग रहे चमकदार...

हर कोई चाहता है कि उसका घर खूबसूरत नजर आए इसलिए घर को सजाने के लिए सभी नए-नए एक्सपेरिमेंट करते रहते हैं। यदि वुडन फ्लोरिंग की बात की जाए, तो आजकल यह काफी पॉप्युलर हो गया है । इसकी सबसे बड़ी वजह है कि अब लोगों के पास घर के रख-रखाव के लिए ज्यादा समय नहीं और वुडन फ्लोरिंग को मेंटेन करना बहुत आसान है। वुडन फ्लोरिंग चुनते समय इस बात का पता जरूर लगाएं कि वह स्टेन रेजिस्टेंट है या नहीं। आजकल ज्यादातर वुडन फ्लोरिंग स्टेन रेजिस्टेंट होती हैं इसलिए इन पर खाना, स्याही, तेल आदि के दाग नहीं लगते और आपके लिए इनकी सफाई करना आसान हो जाता है। घर के सभी फर्नीचर के लेग्स पर प्रोटेक्टर पैड लगाएं। इससे वुडन फ्लोर पर स्क्रेच नहीं आएंगे। कारपेट और रग्स बिछाकर भी आप वुडन फ्लोरिंग को मेंटेन कर सकते हैं। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि वे गीले न हों। फ्लोर की सफाई के लिए वैक्स से संबंधित किसी भी प्रोडक्ट या अमोनिया का इस्तेमाल न करें। बेमौसम बरसात होने से घर में पानी-गंदगी आ जाने से, वुडन फ्लोरिंग पर दाग-धब्बे या पैरों से होने वाले निशान को साफ करते रहें।

रोज होने वाले सिरदर्द से बचने के लिए करें ये उपाय

सिरदर्द की समस्या होने पर ज्यादातर लोग मेडिसिन लेने को एकमात्र उपाय मानते हैं इसके पीछे की वजहों को जानने की कोशिश नहीं करते। जिससे ये समस्या लगातार बनी रहती है। घंटों एक जगह पर बैठकर काम करते रहने से, चश्मा लगाए रहने से और कई बार भूखे रहने से भी सिरदर्द हो सकता है। जानेंगे इसके बाकी उपाय...

सीधे बैठें: ऑफिस में अधिकतर लोग कुर्सी पर एकदम आराम की मुद्रा में बैठते हैं जोकि बिल्कुल गलत है। सी शेप में बैठने से कमर से झुक जाते हैं, इसके लिए सिर को ऊपर की ओर उठाना पड़ता है। इससे गर्दन की नसों पर अतिरिक्त खिंचाव पड़ता है जो दर्द का कारण बनता है। कुर्सी पर बैठकर हमेशा पैरों को एकदम सीधा रखना चाहिए। वहीं कमर को सीध में रखते हुए, सिर को भी सीधा रखना चाहिए।

एयर-फ्रेशनर्स को कहें ना: अगर आए दिन सिरदर्द की समस्या होती है तो किसी भी तरह का परफ्यूम, आफ्टरशेव, खुशबू वाले साबुन, एयर फ्रेशनर व क्लीनर का प्रयोग बिल्कुल न करें। इनकी तेज गंध नाक से होते हुए सीधे दिमाग को चढ़ती हैं, जो दर्द का कारण बनती है। घर में अगर ताजगी चाहिए तो स्प्रेबोतल में पानी भरकर उसमें कुछ बूंदे लेवेंडर तेल की डालें और पूरे घर में छिड़क दें।

खाएं सीड्स और नट्स: ये मैग्नीशियम का सबसे अच्छा स्त्रोत होते हैं जो मांसपेशियों को मजबूत व ठीक करने के लिए अच्छे होते हैं। माइग्रेन के 50 प्रतिशत से भी अधिक रोगियों में मैग्नीशियम की ही कमी होती है। इसके लिए रोजाना इन्हें स्नैक्स के जैसे खा सकते हैं जिससे लंबे समय के बाद भी सिरदर्द की कोई समस्या नहीं होगी। इन्हें शाम के समय हल्की भूख लगने पर खाया जा सकता है।

20-20 रूल: अगर लंबे समय तक कम्प्यूटर पर काम करते रहेंगे तो आंखों पर दबाव भी सिरदर्द का कारण बनता है। कम्प्यूटर पर काम करते समय 20 या 30 मिनट बाद 20 फीट दूर किसी वस्तु को देखें और उस पर फोकस करें। ये आंखों के लिए भी एक अच्छी एक्सरसाइज है। इसके अलावा अगर सिरदर्द महसूस हो तो एक बड़ा गिलास पानी पिएं और 2-3 मिनट आंखों को बंद कर-के गर्दन को घुमाएं।

कितना स्मार्ट है अवचेतन

हाल ही में अवचेतन मन को लेकर एक शोध हुआ। शोधकर्ताओं ने माना कि सबके मस्तिष्क के अंदर एक उप-मस्तिष्क होता है। इसे ही अवचेतन कहते हैं जो हमारे सोचने-समझने की प्रक्रिया में अहम भूमिका निभाता है। हमारा अवचेतन हमारी स्वत:स्फूर्त सामान्य क्रियाओं, सामान्य तथ्यों, चीजों की पहचान के लिए जिम्मेदार है और हम जिन क्रियाकलापों के आदी होते हैं उनको संचालित करने का काम करता है। ऐसे में इस बात से अंदाजा लगाया जाता है कि हमारा अवचेतन हमारी सोच से भी ज्यादा क्षमतावान है।

इंसान का दिमाग आज भी शोधकर्ताओं के लिए सबसे बड़ा रहस्य का विषय है जिसमें जटिलताएं बहुत सारी हैं लेकिन जवाब एक भी नहीं। ऐसे ही एक जटिलता का विषय हमेशा से हमारा अवचेतन रहा है। अवचेतन मस्तिष्क, मस्तिष्क का एक छोटा सा हिस्सा है जो आपकी कई चीजों को याद रखने का काम करता है। कई बार तो मनोविज्ञान में बहस भी होती है कि हमारे किन कामों के लिए चेतन मस्तिष्क जिम्मेदार है और किन कामों के लिए अवचेतन मस्तिष्क। अधिकतर मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि सबके मस्तिष्क के अंदर एक उप-मस्तिष्क होता है। इसे ही अवचेतन कहते हैं जो हमारे सोचने-समझने की प्रक्रिया में अहम भूमिका निभाता है। हाल ही में अवचेतन पर एक शोध हमारा अवचेतन बुद्धु है या चालाक? नाम से प्रकाशित हुआ है। हमारा अवचेतन हमारी स्वतःस्फूर्त सामान्य क्रियाओं, सामान्य तथ्यों, चीजों की पहचान के लिए जिम्मेदार है और हम जिन क्रियाकलापों के आदी होते हैं उनको संचालित करने का काम करता है। ऐसे में इस बात से अंदाजा लगाया जाता है कि हमारा अवचेतन हमारी सोच से भी ज्यादा क्षमतावान है।

सबसे बड़ा दावा

हाल ही में किए गए शोध से शोधकर्ताओं का मानना है कि मनुष्य का अवचेतन उन सभी मूलभूत बुनियादी कामों को कर सकता है जो सचेत प्रक्रिया द्वारा किए जाते हैं। ऐसे में मनोवैज्ञानिक अवचेतन को गेम-चेंजर के तौर पर देख रहे हैं। यह अवचेतन के बारे में किया गया अब तक का सबसे बड़ा दावा है। फिलहाल इस शोध दल के वैज्ञानिक भी मानते हैं कि मनुष्य के अवचेतन को समझने और उसकी क्षमताओं के आकलन की दिशा में अभी लंबा सफर तय किया जाना है।

शोध की तकनीक

यह शोध कॉन्टिन्युअस फ्लैश सप्रेशन तकनीक को आधार बनाकर किया गया है। कॉन्टिन्युअस फ्लैश सप्रेशन कनीक में शामिल है कि इंसान के पास दो आंखें होती हैं और हमारा दिमाग दोनों आंखों से दिखने वाली चीजों के प्रतिरूप को मिलाकर हमारे लिए एक सुसंगत छवि का निर्माण करता है। इस तकनीक में दोनों आंखों के लिए अलग-अलग छवियां प्रस्तुत की गईं। ऐसे में एक आंख को चटक रंग वाली वर्गाकार आकृतियां दिखाई जाती हैं और दूसरी आंख के सामन छिप तार पर जरूरी जानकारी पेश की जाती है जिसके प्रति व्यक्ति तत्काल सचेत नहीं होता। ऐसे में जानकारी अवचेतन दिमाग में बैठ जाती है जबकि सैद्धांतिक रूप से किसी छवि की प्रति पूरी तरह से सचेत होने में कई सेकेंड लग सकते हैं। इस पर प्रयोग जारी रहेंगे, लेकिन इन प्रयोगों से मनवैज्ञानिक मान सकते हैं कि अचेवतन मस्तिष्क, चेतन मस्तिष्क से ज्यादा स्मार्ट है।

अल्फा और बीटा वेव

जागृत अवस्था में मस्तिष्क में 14-35 तरंगे प्रति सेकेंड होती हैं, जिसे बीटा वेव या मन की बीटा अवस्था कहते हैं और अर्ध जागृत अवस्था में 7-14 तरंगे प्रति सेकेंड होती हैं, जिन्हें अल्फा वेव या मन की अल्फा अवस्था कहते हैं। अल्फा अवस्था में कल्पना शक्ति के माध्यम से जो भी सृजन या आदेश.. चेतन, जागृत मन से अवचेतन मन को देते हैं वह बिना तर्क के स्वीकार कर लेता है और हमारे जीवन में ठीक वैसा ही अवसर खड़ा करता है। रोज सोने से पहले अर्ध निद्रा की अवस्था में, अल्फा अवस्था में हम प्राकृतिक रूप से होते हैं। इसके अलावा रिलेक्सेशन और मेडिटेशन से इच्छा अनुसार अल्फाअवस्था में जाया जा सकता है। हमे रोज अपने सकारात्मक विचारों वाले आत्म सुझाव यानी जैसा हम बनना चाहते है या जो करना चाहते हैं सोने से पहले दुहराना चाहिए। आत्म सुझावों में न, नही या वास्तविकता से परे कुछ भी नहीं होना चाहिए। उदाहरण के लिए मैं बहुत फुर्तीला हूं। मैं सफल रहुंगा तो आपका मन सफलता की उम्मीद के लिए तैयार करता है । यदि आप सोचें कि मैं असफल रहुंगा तो आपका मस्तिष्क आपके शरीर को कहता है कि कोशिश भी मत करो क्योंकि सफलता की कोई आशा नही है।

नैसर्गिक घड़ी

चेतन या जागृत मन का हम केवल 1 से 15 प्रतिशत उपयोग करते हैं। इन्द्रिय नियंत्रण, शरीर की हलचल, विचार एवं तर्क शक्ति, बुद्धिमत्ता, सही अवसर की पहचान और सका सही फायदा उठाना,अच्छे बुरे की पहचान, इच्छा की उत्पत्ति आदि सब जागृत मन की शक्तियां हैं। ये सब मानवीय शक्तियां हैं जो केवल 15 प्रतिशत हैं। बाकी की 85 प्रतिशत शक्ति अवचेतन मन के पास है, जिसे हम दैवीय शाक्त, इश्वराय शाक्त या अलाकक शाक्त भी कहते हैं । इन्द्रियों पर चेतन व अवचेतन दोनों मन का नियंत्रण होता है। टेलीपैथी, याद शक्ति, भावनाएं, ज्ञान, प्रज्ञा, सही अवसर खड़े करने की क्षमता ऐसी कई शक्तियां अवचेतन मन के पास हैं । इस मन के पास एक नैसर्गिक घड़ी व कैलेंडर भी है। इसके अलावा शरीर के स्व संचालित तंत्र पर काबू , घाव भरना, इच्छा मृत्यु, मनोबल आदि एवं आध्यात्मिक शक्तियां अवचेतन मन के पास होती हैं।

सोचने का मतलब

सोचने का मतलब मस्तिष्क में रासायनिक क्रियाएं करना है जससे शरीर सीधा जुड़ा होता है। इसलिए हर वक्त कारात्मक व उच्च विचार रखें। सही विचार अपने दिमाग को लगातार देते रहना चाहिए। नहीं तो गलत विचार अपने आप खाली दिमाग को भर लेंगे। एक विद्यार्थी कामयाब लोगों की जीवनियों को पढ़ता है जिन्होंने कठिनाइयों के वावजूद सफलता को हासिल किया है और अपनी कमियों को खूबियों में बदला हैं। मेरी दुनिया में सब कुछ और बेहतर होता ही जा रहा है। हर पल, हर क्षण और हर सांस के साथ सकारात्मकता मुझमे जा रही है। मेरे अस्तित्व के केन्द्र में प्रेम का एक विशाल कूप है जिससे असीम प्यार छलकता ही रहता है। हर पल, हर क्षण मैं मुस्कुराता रहता हूं चाहे जैसी परिस्थितियां हों क्योंकि मुझे पता है परिस्थितियां अस्थाई हैं। ये आपके धैर्य की परीक्षा ले सकती हैं। किन्तु आपका मूलस्वभाव मौलिकता, खुश रहने को नहीं छीन सकती।

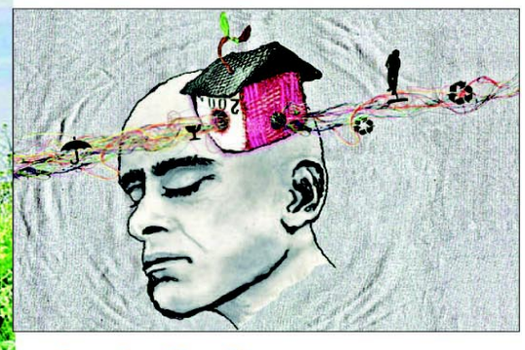

दोहराने की शक्ति

अवचेतन मन के काम करने के दो मुख्य नियम होते हैं। दोहराने से हर चीज अवचेतन मन का हिस्सा यानी आदत बन जाती है। अवचेतन मन सच और कल्पना में अंतर नहीं करता। इन दो नियमों के आधार पर अब हम अपने जीवन में आदतों में जैसा चाहें बदलाव ला सकते हैं, नए गुण डाल सकते हैं, असंभव कार्य कर सकते हैं, अपना स्वभाव बदल सकते हैं। पूरी तरह निश्चित कीजिए कि आप कैसा बदलाव चाहते हैं। असमंजसता मानव मस्तिष्क की कमजोरी है, आदत है। जब हम बदलाव चाहते हैं तब अनेक प्रकार के विचार एक साथ चलने लग जाते हैं। कोई भी विचार या निष्कर्ष शक्तिशाली और निश्चित नहीं होने के कारण अवचेतन मन को प्रभावित नहीं कर पाता है, इसलिए बैठकर सोचिए कि आप क्या वास्तविक बदलाव अपने जीवन में चाहते हैं, उसे एक पेपर पर लिखें। संकल्प वर्तमान में लिखें भविष्य में नहीं। जो भी संकल्प आप लिखना चाहते हैं, उसे वर्तमान वाक्य में लिखें। मान लीजिए, आप में आत्मविश्वास की कमी है तो वर्तमान में लिखें कि मैं आत्मविश्वास से परिपूर्ण हूं। स्मरण शक्ति कमजोर है तो लिखें- मेरी स्मरण शक्ति बहुत तेज है। कमजोर अनुभव करते हैं तो लिखें कि मैं स्वस्थ व ऊर्जावान हूं। सुबह जल्दी नहीं उठते हैं तो लिखें कि मैं सुबह ठीक पांच बजे उठ जाता हूं और अपने सारे काम समय से निबटाता हूं। इस तरह न लिखें कि 'हे ईश्वर मेरा आत्मविश्वास बढ़ाओ या स्मरण शक्ति तेज कर दो या मुझे शक्ति दो!' ये वाक्य भविष्य के हैं, वर्तमान के नहीं। अवचेतन मन भविष्य के शब्द को, भविष्य की तरह लेता है। आप इस वाक्य में अवचेतन मन में ये शब्द और कल्पना का संदेश दे रहे हैं कि मेरे भीतर आत्मविश्वास नहीं है। इससे गलत प्रोग्रामिंग हो जाएगी

यह है रहस्य

चेतन मन माली है। वह जिस बीज का चुनाव कर अवचेतन मन को देता है, चाहे वह नीम का हो या आम का या फूल का या जहर का, अवचेतन मन अपनी खेती में बहुत बढ़िया फसल पैदा कर देता है। अवचेतन मन, चेतन मन का गुलाम है। जो वह हुक्म देता है, अवचेतन मन, 'जो हुक्म आका' कहकर फलीभूत कर देता है। ये ऐसा देवदूत है जो आपके हर विचार, कल्पना को 'तथास्तु' कहकर पैदा कर देता है। किसी गुरु या भगवान के प्रति यदि आप पूरी तरह समर्पित हैं तो आपको हर कदम पर आपको वे ही नजर आते रहेंगे। वे आपसे बात भी करेंगे। सबको अपने विश्वास वाले देवी-देवता ही दिखते हैं, दूसरे नहीं। ऐसे हजारों उदाहरण दिए जा सकते हैं क्योंकि हमें बचपन से अब तक जो दिखाया और सुनाया गया, उसी कंडीशनिंग के हम उत्पाद हैं।

ध्यान रहे खाने में न हो जहर

हम विषैले खाद्य पदार्थों को खाने से तो बचते हैं, लेकिन कई ऐसे विषैले तत्व भी होते हैं, जो हमारे नियमित खान-पान में मिले होते हैं। हम अनजाने में ही इनका सेवन कर लेते हैं। इन विषैले तत्वों से हमें छोटी-मोटी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से लेकर कैंसर तक हो सकता है।

वाइट प्रोसेस्ड फूड

जब होल ग्रेन को रिफाइन्ड किया जाता है, तो उसकी शेल्फ लाइफ को बढ़ाने की कोशिश में उसके ज्यादातर पोषण निकल जाते हैं। उसका चोकर और जर्म निकाल लिए जाते हैं और इस तरह फाइबर, विटामिन और मिनरल्स भी निकल जाते हैं। इन सबके निकाले जाने की वजह से रिफाइन्ड ग्रेन्स में फाइबर और अन्य पोषक तत्व नहीं बचते हैं।

शॉर्टनिंग

ऐसी खाने की चीजों से परहेज करें जिसमें शॉर्टनिंग या आंशिक रूप से हाईड्रोजिनेटिड ऑयल का इस्तेमाल किया गया हो। ये खराब ट्रांस फैट होते हैं। ये आपकी धमनियों में अवरोध पैदा करने, मोटापे और मेटाबॉलिक सिंड्रोम का जोखिम बढ़ाते हैं।

आर्टिफिशल स्वीटनर

सैकरीन और सुकरालोज हमारे मेटाबोलिक सिस्टम के लिए सादे शर्करा से अधिक भारी पड़ते हैं। इन सबको डाइट-फ्रेंडली स्वीटनर माना तो जाता है लेकिन ये फायदे से ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। अध्ययन बताते हैं कि आर्टिफिशल स्वीटनर मस्तिष्क को ये भुलाता है कि मीठे का मतलब अतिरिक्त कैलोरी होता है। इसे लोग ज्यादा मात्रा में खा लेते हैं। इस आदत को शुरुआती स्तर पर ही छोड़ दें और किसी भी प्रकार के आर्टिफिशल स्वीटनर का सेवन न करें।

प्रिजर्वेटिव

सोडियम बेन्जोएट और पोटैशियम बेन्जोएट जैसे प्रिजर्वेटिव कई बार सोडे में मिलाए जाते हैं, ताकि उसमें फफूंद लगने से रोका जा सके, लेकिन बेन्जेन एक कैंसरकारी तत्व है। इससे गंभीर थायरायड क्षति का भी जोखिम होता है। सोडे की प्लास्टिक बोतलों को गर्माहट में रखने पर और इसके प्रिजर्वेटिव के एस्कोर्बिक एसिड विटामिन सी के साथ मिलने पर बेन्जेन अपने खतरनाक स्तर पर पहुंच सकता है। ऐसा खतरा न उठाएं।

कैंसरकारी बीएचए

बीएचए यानी ब्यूटाइल हाईड्रोक्सीएनिसोल बीएचए भी संभावित कैंसरकारी तत्व है, हालांकि अमेरिकी एफडीए द्वारा इसे सुरक्षित माना गया है। इसका काम खाने की खराबी और फूड पॉइजनिंग को रोकने में मदद करने का होता है, लेकिन यह आपके हार्मोन को काफी नुकसान भी पहुंचा सकता है। बीएचए बहुत सारी खाने की चीजों में मौजूद होता है। ये फूड पैकिंग और कॉस्मेटिक्स में भी पाया जाता है।

कृत्रिम रंग

आर्टिफिशल रंग थायराइड, अधिवृक्क, मूत्राशय, गुर्दे, और मस्तिष्क के कैंसर से जुड़े हुए हैं। हमेशा ऐसी खाने की चीजों से बचें जिनमें ये रंग और आर्टिफिशल केमिकल मौजूद हो। खासतौर पर जब अपने बच्चों के लिए खाने-पीने की चीजों की खरीदारी कर रहे हों तो इसका ध्यान रखें। बिना रंग वाले और नेचुरल फूड प्रॉडक्ट का रुख करें।

कॉर्न सिरप

पिछले कुछ समय से हमारे द्वारा खाई जाने वाली रिफाइन्ड शुगर की मात्रा घटी है, लेकिन हम कॉर्न सिरप की तकरीबन 20 गुना ज्यादा मात्रा का सेवन करने लगे हैं। यह लगभग हर चीज में है। यह ट्राइग्लिसराइड बढ़ाता है, फैट जमा करनेवाले हार्मोन को बढ़ावा देता है।

बॉडी पार्ट्स के बाद अब बालों पर बनाएं मैटेलिक टैटू

फ्लूइड हेयर पेंटिंग के बाद अब हेयर टैटू ने तहलका मचा दिया है। सोचने की बात यह है कि कोई बालों पर टैटू किस तरह से चिपका सकता है। बालों के लिए इन विशेष टैटूज को फ्लैश मैटेलिक टैटू कह सकते हैं, जो कुछ दिनों से चर्चा में हैं।

इस बात में कोई दो राय नहीं है कि मैटेलिक टैटूज अलग और खूबसूरत दिखते हैं और युवाओं में कभी न कभी इन मैटेलिक टैटूज को लगाकर, दूसरों को जलाना का मन भी करता है। अब आता है इसका अहम हिस्सा कि आखिर इन टैटूज को बनवाया कैसे जाए। इसके लिए भी परेशान होने की जरूरत नहीं है। इसके लिए कुछ खास करने की भी आवश्यकता नहीं है। दूसरे किसी भी स्टिक-ऑन टैटूज की तरह इनका इस्तेमाल करें। ऐसे बनाएं बालों में टैटू: बस करना इतना है कि अपने बालों में अच्छी तरह मांग निकालकर उन्हें हल्का गीला कर लें। अगर आप इन्हें किसी खूबसूरत हेयरस्टाइल पर लगाने की सोच रही हैं तो पहले हेयरस्टाइल बना लें और फिर स्टिकर्स लगाएं। ये किसी चमकीले, अंडरस्टेटेड टियारा जैसे लगते हैं बिना उसके भार के ! है न कमाल।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**